हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

11 मार्च, 1992

खण्ड 1, अंक 3

अधिकृत विवरण

विशय सूची

बुधवार, 11 मार्च, 1992

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उत्तर	(3)1
सदस्य का नाम लेना/निकालना	(3)18
तारांकित प्र न एवं उत्तर (पुररारम्भ)	(3)19
नियम 121 के अधीन प्रस्ताव– कमेटियों के सदस्यों को नामजद करने के लिये अध्यक्ष महोदय को प्राधिकार देने संबंधी	(3)25
जनता पार्टी के सदस्यों के निलम्बन सम्बन्धी मामला	(3)26
विभिन्न विशयों का उठाया जाना	(3)32
दैनिक ट्रिब्यून, रोहतक के संवाददाता, श्री सतपाल सैनी का अपमान किये जाने संबंधी मामला	(3)34
वक्तव्य– मुख्य मन्त्री द्वारा उपर्युक्त विशय संबंधी	(3)34
राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(3)35

वैयक्तिक स्पश्टीकरण– (i) श्रम तथा रोजगार राज्य मंत्री (श्री कृश्ण मूर्ति हुड्डा) द्वारा	(3)64
(ii) श्री बंसी लाल द्वारा	(3)65
राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(3)66
बैठक का समय बढ़ाना	(3)77
राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(3)78
वैयक्तिक स्पश्टीकरण– श्री कर्ण सिंह दलाल द्वारा	(3)94
राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(3)97

हरियाणा विधान सभा

बुधवार, 11 मार्च, 1992

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (चौधरी ई वर सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, अब सवाल होंगे।

Provision of Drinking water facility in each village in the State

***242. Shri Kitab Singh:** Will the Minister for Public Health be pleased to state-

(a) whether there i any proposal under consideration of the Govt. to provide drinking water facility in each village of the State; and

(b) if so, the time by which the aforesaid drinking water facility is likely to be provided?

Public Health Minister (Chaudhri) Jagdish Nehra):

(a) Yes.

(b) By 31st March, 1992.

श्री किताब सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मन्त्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि ये गोहाना सब–डिवीजन के किसी एक गांव का नाम बता दें जहां पर पीने के पानी की सुविधा सरकार ने दे रखी हो?

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, इनका यह कहना बिल्कुल गल्त है कि गोहाना तहसील के किसी एक भी गांव में पीने के पानी की सुविधा उपलब्ध नहीं है। इन के हल्के के जितने भी गांव हैं उनमें हमने पहले ही मीठा पानी सप्लाई कर रखा है और जहां तक वाटर वर्कस की सुविधाएं न होने का सवाल है, वे हम चालू करने जा रहे हैं।

श्री किताब सिंहः अध्यक्ष महोदय, इन्होंने कहा कि जहां पर वाटर वर्कस नहीं वहां ये वाटर वर्कस लगाने की व्यवस्था करने जा रहे हैं लेकिन मैं उन से यह जानना चाहता हूं कि गोहाना तहसील का एक गांव भी ये बात दे जहां कि स्वच्छ पीने के पानी की व्यवस्था सरकार की ओर से की गई हो?

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, इनके कहने का भाव यह है कि इनके हल्के में पानी की कमी है। इसके कई कारण हैं। एक बड़ा कारण तो यह है कि जितना पानी लोगों को चाहिए, उनकी जरूरत के अनुसार वह मिल नहीं रहा है। दूसरा पानी कम मिलने का कारण पापुले ान का बढ़ना है। बहुत से स्टैण्ड पोस्ट लगे हुए हैं और कई जगहों पर तो अन–अथोराइजड

स्टैण्ड पोस्ट भी लोगों ने अपने घरों में लगा रखे हैं जिसकी वजह से पानी की कमी है। इस समय पर–व्यक्ति पर–डे 20 लिटर पानी की सप्लाई है लेकिन हम आठवीं पंचवर्शीय योजना के दौरान इस को बढ़ाकर 40 लिटर पर–व्यक्ति पर–डे करने जा रहे हैं।

श्रीमती चन्द्रावतीः अध्यक्ष महोदय, अभी मन्त्री महोदय ने अपने जवाब में बताया कि पापुले ान के बढ़ जाने से कहीं–कहीं पानी की कमी हुई है। भिवानी जिले के बहुत सारे गांवों में पानी की बहुत किल्लत है और वहां पर 15–20 योजनाएं भी बनी हुई हैं लेकिन अभी तक पीने के पानी की किल्लत है। स्पीकर साहब, एक बुढ़ेरा गांव लोहारू में है, वहां पानी बिल्कुल खारा है और स्वच्छ पानी का कोई प्रबन्ध नहीं है। क्या सरकार इन योजनाओं को रिवाईव करके पीने के स्वच्छ पानी की सुविधा लोगों को मुहैया करेगी?

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, बहिन जी ने ठीक कहा कि भिवानी के अन्दर कई जगहों पर इस तरह की प्रोबलम्ज हैं। इसका कारण यह है कि भिवानी जिले में बहुत बड़ी बड़ी स्कीमें हैं। कहीं 25 गांव की स्कीम है, कहीं 29 और कहीं 35 गांव की स्कीम है जिनमें पापुले ान बढ़ने की वजह से पानी की कमी है। उनको हम अलग से औगमेन्टे ान स्कीम के तहत बूस्ट स्टे ान लगाकर पानी की सप्लाई का प्रबन्ध कर रहे हैं। इसके इलावा हम अलग से इन स्कीमों के जपेन्ज बना रहे हैं। फर्ज करो कि एक 15 गांव की स्कीम है उसको हम तीन जगहों पर

पांच–पांच गांव के जोन्ज बना रहे हैं ताकि जल्दी से लोगों को पानी पहुंचाया जा सके। आठवीं पंचवर्शीय योजना के दौरान हम बहुत से गांवों को औगमैंन्ट कर रहे हैं। इस तरह से इन स्कीमों के तहत सभी को पीने का स्वच्छ पानी मिलेगा और स्कीमें सुचारू रूप से चलती रहेंगी।

श्री राम पाल सिंह कंवरः अध्यक्ष महोदय, अभी मन्त्री महोदय ने बताया कि हम पांच–पांच गांव की जोन्ज के हिसाब से स्कीम्ज बना रहे हैं। मैं उनके नोटिस में यह बात लाना चाहता हूं कि मेरे हल्के में स्कीम्ज बनाई गई हैं उन के तहत पांच–छः गांव आते हैं लेकिन उन गांवों में वाटर सप्लाई की कमी है क्योंकि कहीं तो पानी का प्रै ार कम है या है ही नहीं। कहीं पाईप लाईन टूटी हुई है और उनको ऊंचे गांव से मिला दिया गया है। पानी का प्रै ान न होने की वजह से पानी लोगों तक जा नहीं रहा है। इसलिये मैं आपके माध्यम से इन से यह जानना चाहता हूं कि जिन–जिन गांवों में प्रै ार की कमी के कारण पानी नहीं जा रहा है, वहां सरकार क्या पग उठाने जा रही है? दूसरा सवाल मेरा यह है कि एक सालवन गांव है, वहां पर पांच साल से ट्यूबवैल लगा हुआ है लेकिन उसको आगे वाटर सप्लाई के लिए यूज नहीं किया गया है। उसको कब तक चालू कर दिया जाएगा?

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, इनके सवाल का यही जवाब है कि जहां गांवों में पानी कम पहुंचता है वहां हम बूस्टिंग स्टे ान ऐटथ फाइव इयर प्लान में लगाने जा रहे हैं।

हमारा 20 लिटर प्रति व्यक्ति दिन से बढ़ा कर 40 लिटर पानी देने का भी प्रोग्राम है और जो ट्यूबवैल काम नहीं कर रहा है उसको हम 31 मार्च तक चालू कर देंगे।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसलाः अध्यक्ष महोदय, मेरे क्षेत्र में पीने के पानी की कई स्कीमें हैं लेकिन उनके कई ट्यूबवैल्ज फेल हो गए हैं। वाटर सप्लाई के 4–5 ट्यूबवैल्ज का नीचे का पानी सरकार की लैबोरेटरी से टैस्ट करवाया गया था। उसकी रिपोर्ट आई है कि the water is not fit for human consumption इस तरह के 4–5 ट्यूबवैल्ज फेल हुए हैं। मैं जानना चाहूंगा कि ऐसे पानी का लोग इस्तेमाल कर रहे हैं जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। क्या मन्त्री महोदय ऐसी स्कीमों को दोबारा बनाने के लिए प्राथमिकता देंगे?

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने जो कहा, वह ठीक हो सकता है क्योंकि फरीदाबाद और गुड़गांव में पानी में फलोराइड ज्यादा है। उससे दांतों और हड्डी में नुक्स पड़ जाता है। हमने गांव–गांव में 5–6 जगह इसके ट्रीटमैंट प्लांट लगाए हैं। जिन गांवों के बारे में इन्होंने बताया है, उनमें हम चैक करवा लेंगे। यदि वहां पर पानी मे फलोराइड या दूसरा कैमिकल है तो उसको टैस्ट करवाने के बाद ठीक करेंगे।

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब, मैं मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि अर्बन एरियाज में पर–व्यक्ति पर–दिन कितने लिटर

पानी दिया जाता है और रूरल एरियाज में कितना दिया जाता है? दूसरा मेरा सवाल यह है कि एक गांव में 50 नलके लगे हुए हैं उनमें से 20 में तो पानी आता है और 30 में नहीं आता। सभी नलों में पानी आए इसकी व्यवस्था कब तक की जाएगी? आम तौर पर जो हरिजनों और बैकवर्ड क्लासिज की बस्तियां हैं, उनमें पानी नहीं आता वहां पर नल जरूर लगे हुए हैं।

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने बहुत अच्छा सवाल किया है। जैसे मैंने पहले बताया कि गांव में प्रति–व्यक्ति प्रति–दिन 20 लिटर पानी दिया जाता है। इसी तरह से भाहरों में 110 लिटर पानी दिया जाता है। अब एटथ फाइव ईयर प्लान में हम 20 लिटर को 40 लिटर करने जा रहे हैं और भाहरों में 110 लिटर से और बढ़ाने जा रहे हैं। दूसरा सवाल इनको नलकों में पानी न आने के बारे में था। अब का नौर्म यह है कि 250 आदमियों के पीछे एक नलका लगाने का प्रावधान है जिससे प्रति व्यक्ति प्रति दिन 20 लिटर पानी देते हैं। अगले प्लान में हम यह इन्तजाम कर रहे हैं कि नलकों की संख्या भी बढ़ाए और लोगों को पानी भी ज्यादा मिले।

श्री धर्मपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, जहां–जहां पर आज से 10 या 15 साल पहले से वाटर सप्लाई स्कीम चल रही है उनके पम्प और मोटर पिछले 6 महीने से खराब पड़े हुए हैं। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि उन पम्प और मोटरों को कब तक ठीक करवाने का इरादा है? इसके अलावा मैं यह भी

जानना चाहता हूं कि जो 40 लीटर प्रति व्यक्ति के हिसाब से पानी दिया जाएगा क्या वह वर्तमान आबादी के मुताबिक दिया जाएगा या 15 साल पहले की आबादी के हिसाब से दिया जाएगा।

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, हम मौजूदा आबादी के मुताबिक 40 लिटर प्रति व्यक्ति के हिसाब से पीने का पानी देने की व्यवस्था करेंगे। माननीय सदस्य ने कल गवर्नर साहब के अभिभाशण पर बोलते हुए कहा था कि इनके हल्के में एक भागे वरी गांव में वाटर सप्लाई स्कीम है जिससे केवल आधा–आधा घंटा पानी सप्लाई होता है। मैंने इस बारे में कल ही रिपोर्ट मंगवाई है और उस वाटर सप्लाई स्कीम के ऐक्सीयन यहां आए हुए हैं। उन्होंने मुझे बताया है कि भागे वरी वाटर सप्लाई स्कीम में 13 गांव का ग्रुप है और उन 13 गांवों के जौन बना दिए गए हैं और हर जौन को एक एक घंटा पानी देने की व्यवस्था करेंगे।

श्री सूरजमलः स्पीकर साहब, बराही गांव में आज भी पीने का पानी 3 रुपए टीन के हिसाब से बिक रहा है। बराही गांव में हर रोज 200–300 टीन पानी बाहर से आता है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या बराही में वाटर सप्लाई के लिए दूसरी पानी की डिग्गी बनाने की व्यवस्था की जाएगी ताकि वहां पर पानी पूरी मात्रा में उपलब्ध हो सके?

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने इस बारे में कल भी मुझे बताया था कि बराही गांव में लोगों को पीने के पानी की दिक्कत है। मैंने कल वहां के ऐक्सीयन से टैलीफोन पर बात की थी कि उस गांव में पीने के पानी की दिक्कत है उसको दूर किया जाए। उन्होंने कहा कि बराही गांव की वाटर सप्लाई स्कीम की एक डिग्गी खराब है और एक डिग्गी फंक ानल है। जो डिग्गी खराब है, उसको ठीक कराने की व्यवस्था करेंगे।

श्री हरि सिंह नलवाः स्पीकर साहब, हरियाणा की सभी वाटर सप्लाई स्कीमों पर ट्यूबवैल आप्रेटर्ज टैम्पोरेरी बेसिज पर लगे हुए हैं और उनको एक, दो या तीन महीने के बाद हटा दिया जाता है इसलिये ट्यूबवैल आप्रेटर जिम्मेदारी के साथ अपना काम नहीं करते हैं। इसके अलावा बड़े–बड़े गांवों में हरिजन और बैकवर्ड क्लासिज की बस्तियों में पानी का प्रै ार नहीं जाता है जिसके कारण उन बस्तियों के लोगों को पूरी मात्रा में पीने का पानी नहीं मिलता है। मैं आपके माध्यम से मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या ट्यूबवैल आप्रेटर्ज और माली को परमानैंट किया जाएगा ताकि वह जिम्मेदारी के साथ अपना काम करें? यदि ट्यूबवैल आप्रेटर्ज को परमानैंट कर दिया जाए तो वह पूरी जिम्मेदारी के साथ अपना काम करेंगे और अपने आफिसर्ज को रिपोर्ट भी करेंगे कि वाटर सप्लाई स्कीम का काम ठीक चल रहा है या फलां खराबी है। यदि वह ठीक काम नहीं करेंगे तो उनके

अगेंस्ट ऐक ान भी लिया जा सकेगा। इसके अलावा मैं यह भी जानना चाहता हूं कि क्या सरकार या मन्त्री जी ऐसा कोई आर्डर करेंगे कि वहां चण्डीगढ़ में इस महकमे के जो आफिसर्ज बैठते हैं, वे भी वक्तन फक्तन बाहर सप्लाई स्कीमों को जा कर चैक करें और वाटर सप्लाई स्कीमों की वर्किंग को देखें। यदि वहां के औफिसर्ज वाटर सप्लाई स्कीमों को कम से कम एक महीने मे एक बार टैस्ट करेंगे तो वाटर सप्लाई स्कीमों का काम ठीक चलेगा और लोगों को पीने के पानी की पूरी सुविधा मिल सकेगी।

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, नलवा साहब ने बहुत अच्छा सवाल किया है। माननीय सदस्य की यह बात ठीक है कि वाटर सप्लाई स्कीमों पर जो ट्यूबवैल आप्रेटर्ज लगाए जाते हैं वे डेलीवेजिज पर होते हैं इसलिये वे पूरी जिम्मेदारी के साथ अपना काम नहीं करते हैं। इसके अलावा उनको बार बार हटा भी दिया जाता है। 8वीं पंच–वर्शीय योजना में ट्यूबवैल आप्रेटर्ज की पोस्ट को परमानैंट करने की व्यवस्था कर रहे हैं ताकि वे पूरी जिम्मेदारी के साथ अपना काम करें और लोगों को पीने का पानी पूरी मात्रा में उपलब्ध हो सके।

हमने यह भी स्कीम बनाई है कि इसी महीने की 14 तारीख को मैं और कमि नर साहब वाटर सप्लाई स्कीमों को मौके पर जा कर देखेंगे कि वहां पर ठीक ढंग से वाटर सप्लाई हो रही है या नहीं। इसके अलावा मैम्बर साहेबान खुद भी वाटर

सप्लाई स्कीमों को चैक किया करें ताकि उनकी वर्किंक ठीक हो सके।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, क्या सरकार के नोटिस में यह बात है कि भिवानी जिले में बापोड़ा एक बहुत बड़ा गांव है और उस गांव में वाटर सप्लाई स्कीम है जिसका 70–80 गांवों को पानी जाता है? उस वाटर सप्लाई स्कीम के रिजरवायर के जो टैंक हैं, उनमें इतनी मिट्टी भर गई है कि अब उनकी कैपेसिटी 50 परसैंट ही रह गई है और 15–15 दिनों तक गांवों में पीने का पानी नहीं जाता। क्या लोगों को यह इमीजिएट प्रोब्लम सरकार के नोटिस में आई है या नहीं? अगर नोटिस में आई है तो इस समस्या को कब तक ठीक कर दिया जायेगा?

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, जो बात इन्होंने कही है, वह कुछ हद तक ठीक है। इसलिये मैं इनकी जानकारी के लिये बताना चाहता हूं कि बापोड़ा गांव की जो स्कीम है वह 40–50 गांवों की है और उनकी सफाई आदि काफी दिनों से ठीक तरह से नहीं हो पाई है। वहां पर अब पूरा पानी न जाने का एक कारण यह भी है कि जब ये स्वयं मुख्य मंत्री थे तो ये उस समय दूसरे लोगों का भोयर काट कर भिवानी पानी ले जाते थे। अब चूंकि वह दूसरों का भोयर नहीं जा रहा और जो पानी वहां पर जाना चाहिये वहीं दिया जा रहा है इसलिये पहले की अपेक्षा वहां पर पानी कम जा रहा है। मेरे कहने का मतलब यह है कि भिवानी को पानी का जितना भोयर मिलना चाहिये वही जा रहा

है। हम कोि ा ा कर रहे हैं कि जो बड़े–बड़े गांव की स्कीम्ज हैं, उनको औगमैंटे ान के जरिए पानी दें। मैं सदन की जानकारी के लिये यह भी बताना चाहता हूं कि आठवीं योजना में बड़े–2 गांवों में औगमैंटे ान बूस्टिंग स्टे ान लगाने की योजना है।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, मैं स्पश्ट तौर पर कहना चाहता हूं कि मैं किसी का पानी काट कर भिवानी के लिए नहीं ले करके गया। मैं नेहरा साहब की तरह नहीं करता कि बाग के लिये फर्जी नाम से दूसरों के हक का पानी अपने लिये इस्तेमाल करूं। स्टेट में हरेक को पानी का बराबर का पूरा अधिकार है। अगर आप इस तरह की बात करोगे कि मैं किसी का भोयर काट कर भिवानी जिले को देता था, जो कि मैंने कभी भी नहीं काटा, तो फिर मुझे भी आपके बारे में पूरी बातें बतानी पड़ेंगी।

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, इनको ऐसा कहना भाोभा नहीं देता कि इन्होंने कभी भी किसी का हक नहीं मारा। (विध्न) जब आप मुख्य मन्त्री थे तो आपने किस कसि का हक मारा है यह तो हरियाणा की सारी जनता जानती है।

श्रीमती चन्द्रावतीः अध्यक्ष महोदय, जो सवाल मैं पूछ रही हूं वह दूसरे विभाग से संबंधित है। लेकिन चूंकि पानी का सवाल है इसलिये मैं मुख्यमन्त्री महोदय से जानना चाहती हूं कि क्या यह तथ्य सही नहीं है कि भिवानी जिले की नहरों में 230

क्यूसिक पानी कम जा रही है। यह मामला हमने कश्ट निवारण कमेटी में भी उठाया था।

चौधरी जगदी ा नेहराः बहन जी पीने के पानी का जो सिस्टम बना हुआ है, उसमें हम वाटर वर्कस के जरिए पानी देते हैं। भिवानी जिले में जब चौधरी बंसी लाल जी मुख्य मंत्री थे तो दूसरों का वाटर काट कर वहां पर ले जाते थे अब चूंकि पानी की व्यवस्था ठीक कर दी गई है इसलिये वहां पर वाटर वर्कस, की सप्लाई में भी फर्क पड़ा है। जो सही कार्यवाही सरकार की तरफ से होनी चाहिए थी, वही सरकार ने की है।

श्रीमती चन्द्रावतीः मेरा सवाल तो यह है कि भिवानी जिले की नहरों में 230 क्यूसिक पानी कम जा रहा है।

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल): बहिन जी यह नहर के पानी का सवाल नहीं है यह सवाल तो पीने के पानी के बारे में है।

श्रीमती चन्द्रावतीः जब नहरों में पानी पूरा नहीं जायेगा तो पीने के पानी की कमी तो बनेगी ही?

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मैं फिर स्पश्ट करना चाहूंगा कि कभी भी किसी जिले का पानी काट कर भिवानी जिले के लिये लेकर के नहीं गया। इनके पेट में काला है। इनके पेट में क्या गड़बड़ है यह मुझे तो पता नहीं लेकिन मैं किसी का पानी काट कर वहां के लिये नहीं ले गया। पानी के लिये हरेक को

बराबर का अधिकार है। पानी हरेक को देने के लिये ही सरकार बड़े जोर– ाोर से कह रही है कि 31 मार्च तक पानी दे देंगे। मैं इनसे जानना चाहता हूं कि जिन गांवों में आज से 20–25 साल पहले स्कीमें बनी थीं क्या उनका 15–15 दिनों तक पानी नहीं जा रहा, क्या यह बात इनके नोटिस में नहीं है?

चौधरी जगदी ा नेहराः ऐसी कोई बात नहीं है कि गांवों में 15–15 दिनों तक पानी नहीं जा रहा है। यह बात जरूर है कि पानी की दिक्कत है। हम औगमैंटे ान बूस्टिंग के जरिए पीने के पानी की कमी को दूर करने के लिये कोि ा ा कर रहे हैं ताकि पानी की दिक्कत को कम कर सकें। जहां तक इन्होंने कहा कि हमारे पेट में काला है, मैं कहना चाहता हूं कि हमारे पेट में कोई काला नहीं है। इसके पेट में कुछ कालापन है तो हम कह नहीं सकते।

श्री अध्यक्षः नेहरा साहब, आप हाउस को यह भी बता दें कि जहां गांवों में पानी बेकार चलता रहता है क्या वहां पर पानी की खेल बनाने की कोई योजना है?

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, आपने बहुत बढ़िया बात कही है। ऐसी खेल बनाने की व्यवस्था के बारे में मैं आपको बताना चाहता हूं कि बड़े–बड़े गांवों के लोग पानी का एक बड़ा सा टैंक बना कर दे दें या पंचायत की तरफ से ऐसा टैंक बना दिया जाये तो वहां पर हम उस टैंक में 20–30 टूटियां लगा

सकते हैं और उसके लिये कनैक ान भी दे सकते है।। ऐसा करने से लोग जब उनकी टूटियों में पानी न आ रहा हो तो उस टैंक से पानी भी भर सकते हैं और प ाुओं आदि को भी पानी पिलाने की समस्या दूर हो सकती है क्योंकि जब उस टैंक के साथ खेल बनी होगी तो प ाु भी आराम से पानी पी सकते है।। मैं फिर कहना चाहता हूं कि यदि ऐसा काम डिवैल्पमैंट विभाग की तरफ से हो जाता है तो हम वहां पर पानी का कनैक ान देने के लिये हर समय तैयार हैं।

Starred questions Nos. 173 and 167

Mr. Speaker: These questions are deleted as the members, Sarvshri Satbir Singh Kadian and Krishan Lal, stand suspended from the service of the House.

Shortage of drinking water

***204. Shri Attar Singh Mandhiwala:** Will the Minister for Public Health be pleased to state-

(a) whether the Government is aware of the fact that there in shortage of drinking water in villages Changrod, Balrod, Bijna, Chillar and Kalayana of Badhra constituency; and

(b) if so, the steps taken or proposed to be taken to remove the shortage of drinking water in the aforesaid villages?

Public Health Minister (Chaudhri Jagdish Nehra):

(a) Yes.

(b) A separate water works at Badhwana is being constructed which will augment water supply in Changrod, Balrod & Bijna villages whereas Chillar and Kalayana villages will be benefitted because of delinking of 15 villages including six villages under Badhwana group of villages from the existing water supply scheme of Mandoli group of 29 villages.

चौधरी फूलचन्द मुलाना: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या यह बात इनके नोटिस में है कि गांवों में जो पानी की टूटियां लगी हुई हैं उनके ऊपर स्टोपर्ज नहीं लगे हुए हैं जिस कारण पानी काफी मात्रा में जाया चला जाता हे? दूसरे कई बस्तियों में टूटियों की बहुत कमी है।। क्या ये उस कमी को पूरा करेंगे। मेरा तीसरा प्र न यह है कि जहां पर पानी पर्याप्त मात्रा में है क्या उन गांवों में प्राइवेट कनैक ान देने बारे विचार करेंगे?

चौधरी जगदी ा नेहरा: स्पीकर साहब, इन्होंने जो सवाल किया है उसके बारे में मेरा जवाब यह है कि बहुत सी जगहों पर जहां टूटियां नहीं है, उनको हम लगवाने की व्यवस्था कर रहे हैं। टूटियां तो हम लगवा देंगे लेकिन इस व्यवस्था में एक दिक्कत यह आ रही है कि जहां पर भी टूटियां लगवाते हैं गांव के बच्चे उन टूटियों को तोड़ कर ले जाते हैं। इस बारे में अब हमारी यह स्कीम है कि डिवैल्पमैंट पंचायत डिपार्टमैंट से मिल कर हम गांव के सरपंचों या दूसरे मुअजिज आदमियों की जिम्मेदारी

लगायेगें कि जो टूटियां हम लगवाएंगे, वे टूटे नहीं। पहले ऐसी टूटियां लगाते थे जिनको खेल कर पानी चलता है। इसमें होता यह था कि टूटियां वैसे ही खुली रहती थी और पानी चलता रहता था। इसकी जगह पर हमने ऐसी टूटियां लगवाई जिन को ऊपर उठाने से पानी निकलता है। ऊपर उठा देते हैं। या उसके नीये डण्डा लगा देते हैं जिससे पानी लगातार चलता रहता है जिससे एक तो उससे आगे पानी नहीं जाता और दूसरे पानी की वेस्टेज होती है। मैं सारे मैम्बर साहेबान से रिक्वैस्ट करूंगा कि वे गांवों में लोगों को इस बारे में बताएं कि अगर यह व्यवस्था चलती रही तो एक तो उससे आगे पानी जाएगा दूसरे पानी फैलने से कीचड़ और गन्दगी बढ़ेगी जिससे मच्छर पैदा होंगे और बीमारी फैलेगी। दूसरे मैं इन्हें यह बताना चाहूंगा कि हम व्यवस्था कर रहे हैं कि जहां पर टूटियां कम हैं वहां पर उनकी संख्या बढ़ाई जाए ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को पीने का पानी मिल सके। इनके तीसरे सवाल का जवाब यह है कि जहां पर पानी की सप्लाई ज्यादा है, वहां पर हम प्राईवेट कनैक ान्ज देंगे।

श्री अमीर चन्द मक्कड़: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मन्त्री जी के ध्यान में यह बात लाना चाहूंगा कि कई गांवों में पानी काफी गन्दला या खराब आता है। इसका कारण यह है कि जितने भी वाटर टैंक टेल पर हैं उनमें पानी की कमी है। मैं मन्त्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि क्या नहरों में पूरा पानी देने के लिये वे महकमा नहर को लिखेंगे ताकि लोगों को

गन्दला पानी न पीना पड़े और जिन वाटर टैंकों में गन्दला पानी आ रहा है, उसको ठीक करवाने की व्यवस्था करेंगे।

स्पीकर साहब, हिसार में उमरा गढ़ी, सुल्तानपुर तथा हाजमपुर के 4–5 गांव ऐसे हैं जिनकी सप्लाई पसटे गांव से आती है और इन गांवों की आबादी बढ़ गई है। इस कारण उनको पूरा पानी नहीं मिल रहा है। क्या मन्त्री महोदय ऐसा प्रबन्ध करवाएंगे जिससे कि जिन गांवों की आबादी बढ़ गई है उन गांवों में पीने का पानी पूरा मिले?

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, पानी गन्दा है, वह नहरों से गन्दा नहीं आता है। स्पीकर सर, हरियाणा में पानी दो जगहों से आता है एक तो भाखड़ा का पानी आता है जोकि स्वच्छ होता है दूसरे यमुना से पानी आता है। यमुना से जो पानी आता है उसमें मिट्टी होती है और वह गन्दला होता है उस गन्दले पानी को साफ करने के लिये बाकायदा सिस्टम है और उसको कैनाल वाटर वकर्स पर पत्थर कंकड वगैरह से गुजार कर साफ किया जाता है। इन्होंने जिन गांवों के लिये कहा है कि पानी गन्दा मिलता है, उनको मैं चैक करवा लूंगा और वहां गन्दा पानी नहीं आने देंगे। दूसरे इन्होंने सवाल किया कि जहां पापुले ान बढ़ गई है, वहां पानी नहीं मिलता। इस बारे में मैं कहना चाहता हूं कि ऐसी जगहों पर और वाटर वर्क्स लगाने हैं और इसके लिये हमें पंचायत की जमीन लेनी है। जो भी पंचायत लिखकर देगी या

कोई रेजोल्यू ान भेजेगी पानी की व्यवस्था ठीक करने के लिये तो हम वहां जरूर पानी की व्यवस्था करेंगे।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, यह जो फीलिंग है कि लोगों को हर जगह पानी कम मिल रहा है, इस बारे में इन्होंने बताया है कि 20 लीटर प्रति व्यक्ति हम गांव में पानी पहुंचाते हैं। क्या मंत्री महोदय, बतायेंगे कि अब तक कितने गांवों को इन्होंने इस हिसाब से पानी दिया है? स्पीकर साहब, इनके पास रूरल पापुले ान की फिगर भी होगी और इनके कितने रिजरवायर्ज हैं, टैंक हैं, वह भी फिगर इनके पास होंगे। क्या मन्त्री जी बता सकेंगे कि इस के हिसाब से जितनना इन्होंने पानी दिया है, वाटर टैंक्स की कैपेसिटी बढ़ा दी है और जो रूरल पापुले ान उन सब स्कीमों के बनने के बाद बढ़ गई है उस सारी को उससे तकसीम करें तो कितना पानी गांव के एक व्यक्ति के हिस्से आ रहा है?

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, मैंने कहा कि पानी के डिस्ट्रीब्यू ान के दो तरीके हैं एक तो प्रति व्यक्ति 20 लीटर पानी हिस्से आता है। कुछ जगह 40 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन मिल रहा है। यह तो मैं घनत्व निकाल के नहीं दे सकात हूं कि इतना घन पानी हमारे पास है और इतनी हमारी पापुले ान है। यह बहुत ही मु कल है लेकिन यह मैं स्पश्ट तौर पर आ वासन आपको दे सकता हूं कि 20 लीटर पानी बहुत से गांवों में प्रति व्यक्ति दिया जाता है। इसका मतलब है कि वहां पर पानी की कमी है और उस 20 लीटर पानी को हम अगली पांच वर्शीय

प्लान में 40 लीटर करने जा रहे हैं और यह भी हम पांच वर्शीय प्लान में करने जा रहे हैं कि जहां डैजर्ट हैं वहां 40 लीटर से 70 लीटर पानी दिया जाएगा। वहां के प ाुओं के लिए 30 लीटर पानी ऐडी ानल करने जा रहे हैं और यह भी प्रावधान है कि 120 गांव में जो बड़े–बड़े गांव हैं, 10,000 से ज्यादा आबादी के गांव हैं हम उनका पानी 110 लीटर करने जा रहे हैं और उनके जहां पानी निकासी की व्यवस्था भी हम आठवी पांच वर्शीय योजना में करने जा रहे हैं।

चौधरी अजमत खांः स्पीकर साहब, मेरे इलाके में बहुत से गांव हैं जहां पानी की स्कीम कमी ान हो गई है लेकिन आज तक पानी नहीं पहुंचा। वे गांव हैं घुड़ावली, टोंका, नालूंका, ज्यताना, उमरेड़ा, जराली इत्यादि। उन गांवों में स्कीम कमी ान हो चुकी है। स्पीकर साहब, 10–10, 15–15 गांवों को मिलाकर एक हल्का बनाया गया है और कई जगहों पर सरकार ने मेवात बोर्ड के जरिए एग्रीकल्चर के ट्यूबवैल लगा दिए हैं। वे ट्यूबवैल्ज सिर्फ जोहड़ भरने के काम आते हैं, ऐग्रीकल्चर वालों की म ाीनरी भी वहां नहीं है। क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि जो टयूबवैल्ज मेवात बोर्ड ने लगाए हैं, सरकार उनको अपने कब्जे में लेकर पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट द्वारा लोगों को पानी की सुविधा देगी? स्पीकर साहब, दूसरा सवाल यह है कि क्या ये जो कई–कई गांवों के हल्के बना रखे हैं उनको छोटे करने की कोि ा ा करेंगे? तीसरी बात यह है कि यदि हमारे इलाके में जमींदार और किसान

अपने टयूबवैल सरकार को दे दें तो क्या सरकार उनको लेकर पानी वहां से जनता को उपलब्ध करवा देगी?

10.00 बजे

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, इन्होंने एक सवाल यह किया है कि बहुत से गांवों में ट्यूबवैल लगे हुए हैं लेकिन कमी ान नहीं हुए और साथ ही कहा कि काफी बड़ी स्कीम है और उनका पानी पहुंच नहीं रहा है स्पीकर साहब, जिन गांवों का इन्होंने नाम लिया है, हम उनके बारे में ऐग्जामिन करवा लेंगे। दूसरे इन्होंने कहा कि जो टयूबवैल्ज ऐग्रीकल्चर डिपार्टमैंट ने लगा रखे हैं क्या पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट उनको अपने कब्जे में लेगा? स्पीकर साहब, मैं इसके बारे में तो ऐग्रीकल्चर डिपार्टमैंट से पता करके ही कह सकता हूं कि हम इनको ले सकते हैं या नहीं। तीसरी बात जो इन्होंने प्राइवेट वाटर वर्कस या टयूबवैल्ज के बारे में कही है इसके बारे में मैं बताना चाहता हूं के हम आगे उनको पीने की पानी की व्यवस्था के साथ जोड़ सकते हैं। यदि कोई पीने का पानी देगा तो पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट बड़ा खु ा होगा कि उन्होंने पानी की व्यवस्था की है। हम भी उनके बड़े सहयोगी होंगे।

चौधरी ओम प्रका ा बेरीः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मन्त्री जी से पूछना चाहूंगा कि क्या उनके नोटिस में यह बात है कि जहां एक से ज्यादा गांव किसी स्कीम में भाामिल

है वहां उस गांव में जो वाटर वकर्स की स्कीम है उसको छोड़कर और जो दूसरे गांव उसके साथ अटैच किये गये हैं, उनमें पीने के पानी की व्यवस्था नहीं है जिसकी अपेक्षा सरकार ने की थी? इन गांवों में पानी पहुंचाने के लिये सरकार क्या कदम उठाने जा रही है? दूसरे आज हमारे हरियाणा प्रान्त में जो 'सी' क्लास कमेटीज हैं या जिन कमेटियों की आमदनी कम हैं, क्या सरकार उन भाहरों को, जिनके अन्दर ऐसी कमेटियां हैं और उनके यहां वाटर वर्क्स हैं, अपने हाथ में लेने के लिये किसी प्रस्ताव पर विचार कर रही है और यदि ऐसा है तो वह कब तक इम्पलीमेंट हो जाने की उम्मीद है?

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, श्री ओम प्रका ा बेरी जी ने बड़ा अच्छा सवाल किया है कि एक गांव के साथ और जो गांव लगे हुए हैं उनमें पानी की व्यवस्था कैसे हो और उसको कैसे ठीक किया जा सकता है? हम उनको दो तरीके से ठीक कर रहे हैं। एक तो हम जोन बना लेते हैं यदि पांच गांव हैं, एक गांव इधर है, एक गांव उधर है और दो गांव इधर हैं तो हम इनके तीन जोन बना देंगे और यदि 15 गांव है तो हम 5–5 गांव के जोन बना लेते हैं। इसके अलावा यदि गांव और ज्यादा हों तो मैंने जैसा पहले ही कहा था कि हम बूस्टिंग स्टे ान लगाने जा रहे हैं ताकि यदि पांच गांव और हैं तो उनके बीच में हम बूस्टिंग स्टे ान लगा देंगे ताकि उससे अगले पांच गांव को ठीक किया जा सके। दूसरा इनका सवाल यह है कि सी क्लास

की जो म्यूनिसिपल कमेटियां हैं, और उनके वाटर वर्क्स की जो सप्लाई स्कीम्ज है क्या पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट उनको अपने अडंर में लेने जा रहा है? वैसे इनका मकसद बैरी की म्यूनिसिपल कमेटी से है कि बैरी की म्यूनिसिपल कमेटी को क्या पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट अपने अंडर ले रहा है? तो इसके बारे में मुख्यमंत्री जी ने यह फैसला किया है कि जितनी भी म्यूनिसिपल कमेटीज की वाटर सप्लाई स्कीम्ज हैं वे सारी पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट मेनटेन करेगा और उनकी जो भाहरों में पानी की सप्लाई है, उसको भी हमारा डिपार्टमैंट करेगा।

प्रो0 राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, जन स्वास्थ्य मन्त्री महोदय ने अपने बयान में बताया है कि वधवाना की जो स्कीम है इसको जल्दी पूरा करेंगे। क्या मन्त्री जी के ध्यान में यह बात है कि जिला महेन्द्रगढ़ में अटेली और नारनौल तथा भिवानी में पानी जमीन के नीचे 500 फुट तक चला गया है साथ ही गर्मी भी आ रही है। बधवाना के साथ जो कैनाल 'ब' स्कीम थी जिसमें नौताना पाली, खोरड़ा खातौद आदि हैं क्या सरकार आने वाली गर्मियों को देखते हुए तथा 500 फुट की गहराई को देखते हुए प्राथमिकता के आधार पर इस स्कीम को पूरा करने की कृपा करेगी?

चौधरी जगदी I नेहरा: अध्यक्ष महोदय, इन्होंने जो बात कही है वह बिल्कुल दुरूस्त है कि जो नारनौल का एरिया है उसमें पानी का स्तर नीचा चला गया है और वहां जो टयूबवैल्ज

लगाते है। उनमें भी पानी नीचे चला गया है। अध्यक्ष महोदय, जब वहां पर टयूबवैल लगाते हैं तो पानी 250 फुट पर रहता है लेकिन दो चार महीने के बाद ही यह 300 फुट पर हो जाता है। तो इसके लिए हम व्यवस्था कर रहे हैं। जिन गांवों में यह दिक्कत है वहां पर हम ऐसे टयूबवैल्ज को नीचा कर रहे हैं ताकि सही व्यवस्था हो सके। इसके अलावा इन्होंने कई गांव पाली और खोरड़ा आदि बतायें हैं। (विध्न) वैसे खोरड़ा को तो आपने तब ही ठीक कर दिया था जब आप पब्लिक हैल्थ मिनिस्टर थे इसलिये इसको हमें ठीक करने की जरूरत नहीं है।

Repair of Roads in District Bhiwani

***208. Shrimati Chandravati:** Will the Chief Minister be pleased to state the names of roads, if any, repaired in District Bhiwani during the period from 1986-87 todate togetherwith the expenditure incurred thereon separately?

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, बहिन जी ने जो सवाल किया था, वह बहुत ही विस्तार से पूछा था। इसके लिये आंकड़े इकट्ठे करने के लिये हम समय भी मांग सकते थे लेकिन हमने समय नहीं मांगा। इसलिये नहीं मांगा कि जितनी जानकारी हमारे पास है, उतनी तो हम बहिन जी को और इस हाउस को दे ही दें। मैं आपको बताना चाहता हूं कि इन्होंने हर सड़क का नाम ले लेकर पूछा था कि 1986–87 से लेकर अब तक कौन–कौन सी सड़क पर कितना काम हुआ है, कितना पैसा

खर्च हुआ है। इसका जवाब देने में समय लगने की बात थी। इसलिये हमने भिवानी जिले में 1986–87 से लेकर अब तक जो सड़कों की मुरम्मत पर खर्च किया है, वह बताया है। जो खर्च किया है, वह इस प्रकार है:–

वर्श 1986–87 2 करोड़ 36 लाख 41 हजार

1987–88 20 करोड़ 3 लाख 21 हजार

1988–89 1 करोड़ 86 लाख 57 हजार

1989–90 1 करोड़ 96 लाख 22 हजार

1990–91 3 करोड़ 19 लाख 23 हजार

1991–92 2 करोड़ 46 लाख 63 हजार रुपया

हम जनवरी, 1992 तक खर्च कर चुके हैं। इस वर्श में 2 करोड़ 98 लाख 96 हजार यानी 3 करोड़ के करीब खर्च होने की उम्मीद है।

श्रीमती चन्द्रावती: क्या मुख्य मन्त्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि लेबर पर कितना खर्चा किया गया है और तारकोल आदि पर कितना खर्चा किया गया है?

श्री अध्यक्ष: यह तो लम्बा कवै चन बन जायेगा।

श्रीमती चन्द्रावतीः मैं मुख्य मन्त्री जी से यह कहना चाहती हूं कि वे खुद जाकर देख लें, सारी सड़कें टूटी पड़ी हैं। स्पीकर साहब, मैं यह अर्ज करना चाहती हूं कि आप इसकी इन्कवायरी करवायें कि वहां पर किसी सड़क की रिपेयर का काम हुआ भी है या नहीं। दादरी की सड़कें और भिवानी की सड़कें टूटी पड़ी हैं। कोई भी सड़क ठीक नहीं है। किसी भी सड़क पर कोई काम हुआ है या नहीं हुआ है, यह तो आप देख लें। अगर आप मानते हैं तो इसके लिये अपोजी ान के एव0एल0एज0 भी जायें, एम0पीज0 भी जायें और जो इनका कोई ईमानदार अफसर हो, वह भी जाये और जाकर देखे कि वहां पर क्या काई खर्च हुआ है या नहीं। दादरी, बाढ़ड़ा और लोहारू की सड़कों की इतनी बुरी हालत है कि वहां से कोई गाड़ी निकल नहीं सकती। इसलिये मैंने यह कहा है कि क्या किसी ने इस बात का निरीक्षण भी किया है कि इन सड़कों की मुरम्मत पर कोई खर्च भी किया गया है या नहीं।

चौधरी भजन लालः जैसे मैंने बताया, मैं फिर बहिन जी की तसल्ली के लिये बताना चाहता हूं कि भिवानी जिले में 87 सड़कों की मुरम्मत का काम चल रहा है। एक बात मैं यह भी बताना चाहता हूं कि जो पैसा हमने सड़कों की मुरम्मत के लिये दिया है, सर्कलवाइज हिसार के बाद सबसे ज्यादा पैसा हमने भिवानी जिले को दिया है। मैं खुद भी भिवानी जिले में, चीफ मिनिस्टर बनने के बाद, सबसे ज्यादा गया हूं। और जिलों के

मुकाबले में हमने ज्यादा काम भिवानी जिले में करने की कोि ा ा की है। लेकिन पिछले चार साल तक चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने वहां पर कुछ नहीं किया। इसलिये पिछले चार साल के कामों का उलाहना हमें आप दो, तो यह कोई अच्छी बात नहीं है। हमने अब यह तय किया है कि 31 मार्च तक हरियाणा की सारी पुरानी सड़कों को, जो टूटी हुई हैं, मुरम्मत करके नई बना देंगे।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से एक बात मुख्य मंत्री जी से पूछना चाहता हूं। उन्होंने अभी अभी यह कहा है कि 31 मार्च तक जितनी भी प्रदे ा के अन्दर टूटी हुई सड़कें हैं, उनको दुरूस्त कर दिया जायेगा। मैं उनके नोटिस में एक बात लाना चाहता हूं कि सोहना से पलवल तक की जो रोड़ है वह जहां तक तो फार्म हाउसिज बने हुए हैं, वहां तक तो फिस भी ठीक है लेकिन उससे आगे तो गांव की सड़कें हैं, वे खड्ड़ों से भरी पड़ी हैं। बहुत ज्यादा टूटी हुई हैं। यह अकेले वहां की स्थिति नहीं है, यह सब जगह की है कि जहां तक तो फार्म हाउसिज बने हुए है।, वहां तक की सड़के तो ठीक है लेकिन बाकी गांवों की सड़कें टूटी पड़ी हैं। मैं मुख्य मन्त्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि क्या वे यह बतायेंगे कि ऐसी जो सड़कें टूटी पड़ी हैं, उनको भी 31 मार्च तक ठीक करने की सरकार कोि ा ा करेगी?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात को बार बार दोहराऊंगा तो अच्छा नहीं लगता। हमने यह फैसला किया

है कि जितनी भी सड़कें सारें हरियाणा में टूटी हुई हैं, उनको 31 मार्च तक ठीक कर देंगे। इसमें 10–15 दिन इधर उधर हो सकते हैं। बरसात होने की वजह से या सर्दी में लुक्क डालने में कई बार दिक्कत आती है। लुक्क ठीक काम नहीं करती। इसलिये थोड़े दिन आगे पीछे हो सकते हैं। हमें आ ाा है कि 31 मार्च तक हम सारी सड़कें रिपेयर करके बढ़िया बना देंगे। 5–4 जगहें ऐसी हो सकती हैं जहां पर यह काम भाायद पूरा होने से रह जायेगा। उसे भी हम अगले 15–20 दिन में पूरा कर देंगे।

Starred Question Nos. 217 and 232

Mr. Speaker: These questions are deleted as the members Sarvshri Balwant Singh and Zile Singh, stand suspended from the service of the House.

Plantation of Trees

***233. Shri Rajinder Singh Bisla:** Will the Minister for Forests be pleased to state-

(a) whether any target has been fixed for the plantation of trees in the State during the period from July, 1991 to-date; if so, districtwise details of the trees planted; and

(b) whether any supervisory staff has also been posted to look after the plantation, as referred to above; if so, the categorywise number thereof?

Forests Minister (Rao Inderjit Singh):

(a) Yes Sir, The districtwise details are given at Annexure (A).

(b) Yes, Sir, The categorywise details of the supervisory staff are given at Annexure (B).

ANNEXURE 'A'

Districtwise targets and their achievements upto 31-1-1992

Sr.	**District**	**Target Fixed**		**Achievement**		**Percentage of**	
		Ha.	No. of Plants in lakhs	Ha.	No. of Plants in lakhs	Ha.	No. of Plants
1.	Ambala	3270	11.00	4847	17.11	148.22	155.54
2.	Yamunanagar	1620	13.00	1635	20.66	100.92	158.92
3.	Kurukshetra	825	14.50	1232	16.93	149.33	116.75
4.	Kaithal	1070	14.00	920	16.77	86.72	119.78
5.	Karnal	948	12.50	853	11.56	89.97	92.48
6.	Panipat	938	9.00	730	18.78	77.83	208.66
7.	Sonipat	840	15.50	901	10.73	107.26	69.22
8.	Hisar	2810	17.00	1910	32.72	67.97	192.47
9.	Bhiwani	3690	12.00	2131	9.82	57.75	81.83

10.	Sirsa	2078	14.50	1816	11.46	87.39	79.03
11.	Jind	1320	12.50	825	19.05	62.50	152.40
12.	Gurgaon	5062	16.00	4579	15.90	90.45	99.37
13.	Faridabad	1494	20.00	1527	23.73	102.20	118.65
14.	Mohindergarh	1805	10.50	3378	10.49	187.14	99.90
15.	Rewari	2765	10.00	1461	10.27	52.84	102.70
16.	Rohtak	1665	18.00	1471	23.32	98.34	140.66
	Total	**32100**	**220.00**	**30224**	**271.30**	**94.15**	**123.31**

ANNEXURE 'B'

Total No. of plantation supervisory staff:

Category	**Total No. of Staff**	
1.	**I.F.S.**	**21**
2.	**H.F.S.**	**35**
3.	**Forest Rangers**	**92**
4.	**Deputy Rangers**	**98**
5.	**Foresters**	**367**

चौधरी फूल चन्द मुलाना: अध्यक्ष महोदय मन्त्री महोदय ने अपने जवाब में प्लांटे ान आफ ट्रीज की जिलावार संख्या दी है। मैं आपके माध्यम से उन से यह जानना चाहता हूं कि क्या

कोई ऐसी प्रक्रिया सरकार द्वारा तय की गई है कि जिससे मौके पर जाकर के इस बात की फिजीकल बैरीफिके ान की जा सके कि आया प्लांटे ान सही तरीके से हुई है या नहीं?

राव इन्द्रजीत सिंहः अध्यक्ष महोदय, बाकायदा इस चीज की चैकिंग हमारे सुपरवाइजरी स्टाफ द्वारा समय समय पर होती रहती है। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से आनरेबल मैम्बर साहब को यह बताना चाहता हूं कि पिछले साल जो पौधारोपध हुआ है उसकी जांच भारत सरकार की एक सेक्सपर्ट टीम द्वारा निश्पक्ष ढंग से की गई है और उसके सरवाइबिलिटी रेटस की परसैंटेज 80 से 89 पाई गई है जोकि मैं समझता हूं कि हिन्दुस्तान में किसी और प्रान्त की नहीं रही होगी।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसलाः अध्यक्ष महोदय, मन्त्री महोदय ने अपने जवाब में फरीदाबाद जिले में प्लांटे ान के लक्ष्य की संख्या 20 हजार बताई है और एरिया 1494 हैक्टेयर बताया है लेकिन अचीवमैंट परसैन्टेज ज्यादा बातई है जोकि सही नहीं है। मैं मुख्य मन्त्री महोदय ये यह कहूंगा कि यह जो मिनिस्अर साहब ने हमारे जिले का डैटा दिखाया है, यह सही नहीं है। क्या मिनिस्टर साहब किसी इंडिपैन्डैन्ट ऐजेन्सी से इसकी जांच करवाने का इरादा रखते हैं कि आया वहां प्लांटे ान हुई भी है कि नहीं और क्या ऐसे अधिकारियों को जिन्होंने अपने उच्च अधिकारियों को यह गल्त सूचना दी या मन्त्री महोदय को यह सूचना दी उनके खिलाफ कोई कार्यवाही की जाएगी?

राव इन्द्रजीत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैंने पहले ही कहा है कि सरकार ने भारत सरकार की एकक्सपर्ट टीम से इसकी जांच करवाई है। अगर मानीय सदस्य को किसी जगह के बारे में भ्राुबहा है तो उसकी हम जांच करवा लेंगे। अगर कोई ऐसी बात होगी या कहीं कोई गलत बात पाई जाएगी तो सम्बन्धित अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसलाः अध्यक्ष महोदय, मैं तो यहां तक कहने के लिये तैयार हूं कि बल्लभगढ़ फरीदाबाद के हल्का में प्लांटे ान हुई ही नहीं। मेरा आपसे निवेदन है कि सरकार इसकी जांच करवाए ताकि सही तथ्य सरकार व इस हाउस के सामने आ सकें।

श्री अध्यक्षः राजेन्द्र सिंह जी, आप लिख कर दे दें।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसलाः ठीक है जी।

चौधरी जाकिर हुसैनः अध्यक्ष महोदय, जो फिगर्ज इन्होंने गुड़गांव और फरीदाबाद के बारे में दी है वे सब से ज्यादा मेरे हल्के और मेवात में अरावली क्षेत्र से सम्बन्धित हैं। हो सकता है कि कुछ हद तक ये फिगर्ज ठीक भी हों लेकिन क्या मिनिस्टर महोदय या मुख्य मन्त्री महोदय इस बात की जांच करवाना चाहेंगे ताकि तथ्य सामने आ जाएं। वहां पर अगर कोई प्लांटे ान है तो वह केवल काबली कीकर की है और वह भी सिर्फ 10 परसैन्ट क्योंकि बाकी की कीकर अपने आप ही उग पड़ती है।

राव इन्द्रजीत सिंहः अध्यक्ष महोदय, चौधरी जाकिर हुसैन ने जो भांका जाहिर की उसके बारे में अर्ज है कि वास्तव में ये फिग्गर्ज सारी स्कीमों को इकट्ठा करके दी गई हैं। अरावली पर्वत की जो स्कीम है वह 1991 में भाुरू हुई थी। उस साल जुलाई में बरसात होने के बाद वहां पर प्लांटे ान की गई थी। इसकी चैकिंग बाद में होगी।

सदस्य का नाम लेना/निकालना

श्री अमर सिंह ढांडेः स्पीकर साहब, कल हमारी पार्टी के सदस्यों को जिस तरीके से हाउस से निकाला गया वह ठीक बात नहीं हुई।

Mr. Speaker: Please take your seat. This is question hour and you cannot be permitted to speak like this. You can speak in zero hour. Nothing more from Sh. Amar Singh dhanday will be recorded.

Sh. Amar Singh Dhanday: * * * * * *

Mr. Speaker: When the Speaker is on his legs you should take your seat. (The hon. member did not resume his seat.)

Mr. Speaker: I warn you. Please take your seat otherwise I will name you.

Sh. Amar Singh Dhanday: * * * * * *

Mr. Speaker: I name Shri Amar Singh for his disorderly conduct. He may please leave the House. (The hon'ble member did not leave the House and raised slogans).

श्री अध्यक्षः मा र्शल/वाच एंड वार्ड स्टाफ इनको बाहर ले जाएं। Shri Amar Singh was absent yesterday and he was not suspended. His behaviour is also unbecoming and hence he has been named and the Sergeant-at Arms is directed toexecute the orders. (At this stage the Sergeant-at-Arms with the aid of the Watch and Ward staff took the Hon. member out of the House).

तारांकित प्र न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)

Industrial Complex at Radaur

***199. Sathi Lehri Singh:** Will the Minister for Industries be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to set up an industrial complex at Radaur; and

(b) if so, the time by which it is likely to be set up?

Industries Minister (Shri Lachman Dass Arora):

(a) No, Sir.

(b) In view of reply to part (a) of the question, part (b) does not need any reply.

साथी लहरी सिंहः स्पीकर साहब, मन्त्री जी ने एक तो मेरा सवाल बदल दिया। मैंने सवाल यह दिया था कि 1982 में चौधरी भजन लाल जी मुख्य मन्त्री थे और ये इस समूह का पत्थर रख कर आए थे। तीन चार साल तक वहां पर चौकीदार भी बैठा रहा। वहां पर मैंने इनको पंचायत से जमीन दिलवाई थी। उस पत्थर का पता नहीं क्या हुआ। जो मैंने पंचायत की जमीन दिलवाई थी वह इन्होंने एक प्राईवेट मैम्बर को बेच दी। इसका मन्त्री जी के पास क्या जवाब है और यह कम्पलैक्स कब तक चालू होगा?

श्री लछमन दास अरोड़ाः स्पीकर साहब, यह बात ठीक है कि 1982 में रादौर पंचायत से एक्सपोर्ट कारपोरे ान ने जमीन खरीदी थी और उसने उस जमीन पर सिलाई म ाीन के पुर्जे बनाने के लिये एक युनिट लगाना था लेकिन बाद में वह जगह बायबल साबित नहीं हुई जिसके कारण उस यूनिट को पंचकुला ि ाफ्ट कर दिया गया। उसके बाद उस जमीन पर इलैक्ट्रोनिक यूनिट लगाने के लिये कोई आदमी तैयार नहीं हुआ। वर्श 1989 में श्री प्रताप सिंह ऐक्सपोर्ट कारपोरे ान के चेयरमैन थे उन्होंने यह फैसला किया कि उस जीमन को बेच दिया जाए और उस जमीन को बेच दिया गया। वह जमीन बेचते समय उस जमीन के साथ यह भी कंडी ान लगा दी गई कि जो भी आदमी उस जमीन को खरीदेगा वह उस जमीन पर कोई इंडस्ट्रियल यूनिट ही लगाएगा

वरना वह जमीन नहीं खरीदी जा सकेगी। उस जमीन पर अभी भी एक्सपोर्ट कारपोरे ान का कब्जा है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, चौधरी लहरी सिंह अभी एक सप्लीमैंटरी पूछते हुए कह रहे थे कि 1982 में चौधरी भजन लाल जी ने वहां पर नींव पत्थर रखा था और वह पत्थर गायब है। न वहां पर नींव पत्थर है और न ही वह प्रोजैक्ट है। क्या मन्त्री जी बताएंगे कि चौधरी भजन लाल जी ने इस तरह से पत्थर रख रख कर कितने लोगों को बहकाया है जिस तरह से चौधरी लहरी सिंह को बहकाया है? (हंसी)

श्री लछमन दास अरोड़ाः चौधरी भजन लाल जी ने जो पत्थर लगाए हुए थे उनको उखाड़ उखाड़ कर इन्होंने अपने पत्थर लगा दिए। सिरसा के अन्दर चौधरी देवी लाल जी और श्री ओम प्रका ा चौटाला ने तीन नींव पत्थर लगाए थे वे भी ये उखाड़ कर ले गए।

चौधरी अजमत खांः स्पीकर साहब, 1979–80 में नूंह में इंडस्ट्रियल कम्पलैक्स बनाने के लिए सरकार ने जमीन ऐक्वायर की थी और वह जमीन 1985–86 में वापिस कर दी गई जबकि सरकार ने उस जमीन की सारी पेमेंट करके वह जमीन ले ली थी। मैं आपके माध्यम से मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि वह जमीन वापिस क्यों की गई और क्या सरकार का वहां पर इंडस्ट्रियल कम्पलैक्स बनाने का कोई इरादा है?

Mr. Speaker: This question does not arise out of the main question. However, if the Minister wants to give the information, he may do so.

श्री लछमन दास अरोड़ा: स्पीकर साहब, इसके लिये सैपरेट नोटिस चाहिए।

साथी लहरी सिंह: क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि वह जमीन कितने पैसे में खरीदी गई और कितने पैसे में बेची गई? इसके अलावा मैं यह भी जानना चाहता हूं कि चूंकि वह कम्पलैक्स अभी कैंसिल नहीं हुआ है इसलिये उसको बनाने का काम कब तक भुरू किया जाएगा और वह कब तक बन कर तैयार हो जाएगा? सरकार इस बारे में सारी पोजी ान बताए, इस तरह से सदन को गुमराह न करे।

श्री लछमन दास अरोड़ा: स्पीकर साहब, एक बात तो यह है कि यह मामला मेरे महकमे से ताल्लुक ही नहीं रखता। इसके अलावा मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि वह जमीन 42700 रुपए में खरीदी गई और 26–4–90 को 5.50 लाख रुपए में बेच दी गई।

साथी लहरी सिंह: वह पैसा कहां गया?

श्री लछमन दास अरोड़ा: इस बारे में तो आपको ही ज्यादा पता हो सकता है कि वह पैसा कहां गया? जो सरकारी पैसा होता है वह सरकारी खजाने में ही जमा होता है और कहां

जाता है। आप बड़ी अजीब बात कर रहे हैं कि वह पैसा कहां गया? आप वहां पर यूनिट लगाने के लिये एप्लाई कराएं क्योंकि वहां पर कोई भी आदमी यूनिट लगाने के लिये तैयार नहीं है।

साथी लहरी सिंहः वहां पर यूनिट लगाने के लिये 78 ऐप्लीके ांज आपके पास आई और उनका इन्ट्रव्यू भी हुआ है। वह 78 कैन्डीडेटस अपने यूनिट लगाने के लिये इन्तजार कर रहे हैं।

श्री लछमन दास अरोड़ाः वहां पर यूनिट लगाने के लिये हमारे पास कोई ऐप्लीके ान नहीं आई है। अगर वहां पर यूनिट लगाने के लिये कोई ऐप्लीके ान आएगी तो उस पर विचार कर लिया जाएगा।

Starred Question No. 229

Mr. Speaker: This question is deleted as the member, Shri Jaswinder Singh, stands suspended from the service of the House.

D.I.E.T.

***222. Prof. Ram Bilas Sharma:** Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to set up a D.I.E.T. Centre at Mohindergarh; and

(b) if so, the time by which it is likely to be set-up?

ि ाक्षा मन्त्री (श्रीमती भाान्ति देवी राठी):

(क) जी हां।

(ख) वर्श 1992–93 में स्थापित होने की संभावना है।

प्रो0 राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, आदरणीय बहिन जी ने बड़ी अच्छी बात कही है कि 1992–93 में ये महेन्द्रगढ़ में जे0बी0टी0 और ओ0टी0 सैन्टर स्थापित कर देंगी। मैं इनको बताना चाहता हूं कि इस स्कीम के लिये पैसा पी0डब्ल्यू0डी0 के पास पिछले दो सालों से जमा है। दूसरे महेन्द्रगढ़ नगरपालिका ने जो वांछित जमीन इस स्कीम के लिये चाहिए वह भी प्रस्ताव पास किया हुआ है। मैं इनसे जानना चाहता हूं कि जब पैसा भी जमा है और वांछित जमीन भी उपलब्ध है तो फिर ये केन्द्र अभी तक स्थापित क्यों नहीं हुआ?

श्रीमती भाान्ति देवी राठी: अध्यक्ष महोदय, मैं इनकी जानकारी के लिये बता देना चाहती हूं कि अभी तक निकाय विभाग की तरफ से कोई जमीन हमें ट्रांसफर हो कर नहीं मिली है। बल्कि हमें एक बाछोद गांव का आवेदन पत्र प्राप्त हुआ है कि यदि नगरपालिका से जमीन नहीं मिलती तो हम 10 एकड़ जमीन उपलब्ध करवाने के लिये तैयार हैं। अगर ये नगरपालिका से जमीन उपलब्ध करवा देंगे तो वहां पर हम सैन्टर खोल देंगे।

प्रो0 राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, नगरपालिका महेन्द्रगढ़ ने आज से साल भर पहले सर्व सम्मति से प्रस्ताव पास करके लोकल बौडीज डायरैक्टर के पास भेजा हुआ है कि हम

इतनी जमीन डाईट की स्कीम के लिये दे रहे हैं। यह विभाग भी सरकार का है। मैं चाहूंगा कि बहिन जी लोकल बौडीज विभाग से इसको फाईनल करा लें और महेन्द्रगढ़ में डाईट की स्कीम खोल दें।

श्रीमती भाान्ति देवी राठी: अगर ऐसा प्रस्ताव वहां से आया हुआ है और डायरेक्टर लोकल बौडीज से वह क्लीयर हो जाता है तो हम महेन्द्रगढ़ प्रौपर में यह डाईट की स्कीम खोल देंगे।

Posts lying vacant in Schols/Collges

***226. Shri Jai Singh Rana:** Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) whether any posts of teachers/lecturers are lying vacant in the schools/colleges in the State at present;

(b) if so, the district-wise and category-wise number thereof; and

(c) the time by which the aforesaid posts are likely to be filled up?

ि ाक्षा मन्त्री (श्रीमती भाान्ति देवी राठी): सूचना सदन के पटल पर रखी जाती है।

सूचना

(क) जी हां।

(ख) प्राथमिक माध्यमिक तथा महाविद्यालयों में जिलावार तथा कैटेगरीवार रिक्त पदों की संख्या निम्न प्रकार है:–

जिला कैटेगरीवार रिक्त पदों की संख्या

क्र	जिला	जे.बी.टी. अध्यापक	सी. एण्ड बी. अध्यापक	मास्टरर्ज / मिस्ट्रसिज	स्कूल प्राध्यापक	प्राध्यापक
1.	2	3	4	5	6	7
1.	अम्बाला	74	94	61	9	8
2.	भिवानी	39	56	69	15	7
3.	फरीदाबाद	61	50	42	52	13
4.	गुड़गांव	95	95	73	26	18
5.	हिसार	165	143	45	41	14
6.	जींद	32	66	79	27	17
7.	करनाल	91	56	50	5	2
8.	कैथल	156	53	74	10	

9.	कुरूक्षेत्र	132	53	67	20	
10.	महेन्द्रगढ़ / नारनौल	193	96	37	15	17
11.	पानीपत	2	42	31	15	
12.	रोहतक	97	74	51	42	17
13.	रिवाड़ी	56	73	19	19	2
14.	सिरसा	244	132	148	40	12
15.	सोनीपत		65	37	51	4
16.	यमुनानगर	131	99	70	15	
	योग	**1568**	**1247**	**953**	**402**	**131**

(ग) इन रिक्त पदों को भीघ्रति ीघ्र भरने हेतू प्रयास किये जा रहे हैं।

श्री जय सिंह राणाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा मन्त्री महोदया से जानना चाहता हूं कि इन पदों के खाली रहने के क्या कारण हैं जबकि कुछ ही समय पहले प्रदे ा में बड़े पैमाने पर अध्यापकों और प्राध्यापकों की भरती हुई है? जवाब में भी कहा गया है कि कुछ पद खाली पड़े हैं और उनको भरे जाने की जल्दी से जल्दी कोि ा ा की जायेगी। मैं जानना चाहता हूं कि इन पदों को भरे जाने के लिये सरकार की तरफ से क्या प्रयास किए जा रहे हैं?

श्रीमती भाान्ति देवी राठीः अध्यक्ष महोदय, मैं इनको बताना चाहती हूं कि पिछले चार साल का कोटा हमने बहुत थोड़े ही दिनों में भरने की कोि ा ा तो की है और इन दिनों में 5400 के करीब अध्यापकों और प्राध्यापकों की बड़ी तेजी से भरती भी की है। इसमें कोई दो राय नहीं कि अब भी बहुत से पद अलग अलग कैटेगरी के खाली हैं। ये खाली पद कुछ तो बाई प्रोमो ान से भरे जाने हैं और कुछ पब्लिक सर्विस कमी ान के थ्रू भरे जाने हैं। सरकार के प्रयास हैं कि इन माध्यमों से ये रिक्त पड़े पद जल्दी से जल्दी भरे जाएं।

Mr. Speaker: Question Hour is over please.

नियम 121 के अधीन प्रस्ताव–

कमेटियों के सदस्यों को नामजद करने के लिये अध्यक्ष महोदय को प्राधिकार देने संबंधी

Mr. Speaker: Now the Parliamentary Affairs Minister may move the motion under Rule 121 regarding nomination of various Commitees.

Irrigaiton and Power Minister (Shri Shamsher Singh Surjewala): Sir, I beg to move-

That the provisions of Rules 228, 230, 230-B and 260-A of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly in-so-far as they relate to the constitution of the-

(i) Committee on Public Accounts;

(ii) Committee on Estimates;

(iii) Committee on Public Undertakings; and

(iv) Committee on the Welfare of Schedules Castes and Scheduled Tribes,

for the year 1992-93 be suspended.

Sir, I also beg to move-

That this House authorises the Speaker, Haryana Vidhan Sabha, to nominate the Members of the aforesaid Committees for the year 1992-93, keeping in view the proportionate strength of various parties/groups in the House.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the provisions of Rules 228, 230, 230-B and 260-A of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly in-so-far as they relate to the constitution of the-

(i) Committee on Public Accounts;

(ii) Committee on Estimates;

(iii) Committee on Public Undertakings; and

(iv) Committee on the Welfare of Schedules Castes and Scheduled Tribes,

for the year 1992-93 be suspended.

That this House authorises the Speaker, Haryana Vidhan Sabha, to nominate the Members of the aforesaid Committees for the year 1992-93, keeping in view the proportionate strength of various parties/groups in the House.

Mr. Speaker: Question is-

That the provisions of Rules 228, 230, 230-B and 260-A of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly in-so-far as they relate to the constitution of the-

(i) Committee on Public Accounts;

(ii) Committee on Estimates;

(iii) Committee on Public Undertakings; and

(iv) Committee on the Welfare of Schedules Castes and Scheduled Tribes,

for the year 1992-93 be suspended.

That this House authorises the Speaker, Haryana Vidhan Sabha, to nominate the Members of the aforesaid Committees for the year 1992-93, keeping in view the proportionate strength of various parties/groups in the House.

The motion was carried.

जनता पार्टी के सदस्यों के निलम्बन सम्बन्धी मामला

श्री वीरेन्द्र सिंह (नारनौंद): स्पीकर सर, कल आपने एस0जे0पी0 के मैम्बरान को भाायद भाुक्रवार तक के लिये सस्पैंड किया। आज की बिजनैस लिस्ट में 3–4 मैम्बरान के क्वै चंज थे जो कि लग हुए थे और वे स्टेट के इन्ट्रैस्ट से बिलौंग करते थे। वे जरूरी सवाल आज रह गये। आपकी रूलिंग और फैसले को हम चैलेंज नहीं करते हैं। मैं आपसे मोहतबाना गुजारि ा करना चाहता हूं कि आपने फैसला कुछ सख्त दे दिया है। अगर आप उनको कल कल की ही सजा दे देते तो ज्यादा अच्छा होता। सजपा के मैम्बरों के न होने से कुछ जरूरी सवाल रह गये हैं। मैं आपसे गुजारि ा करूंगा कि आप आपने उस फैसले को रिवाईज कीजिए और आज के दिन को भले छोड़ करके कल से उनको आने की इजाजत दे दीजिए।

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने जो कहा है उसके बारे में मैं कुछ निवेदन करना चाहता हूं।

श्री अमर सिंहः सर, अभी तो मैं भी इसी पर बोलना चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः आप बैठिए। राम बिलास जी पहले बोलेंगे।

प्रो0 राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, आज आप जिस सिंहासन पर बैठे हैं और जब से आप इस सिंहासन पर आये हैं तभी से इस सदन के लोगों ने आपका सम्मान किया है। और जैसा कि आपका पिछला सारा राजनैतिक जीवन रहा है उसके हिसाब से आपके साथ सख्ती नाम का भाब्द जुड़ता नहीं है। परन्तु कल कुछ ऐसा माहौल सदन में पैदा हुआ जिसकी वजह से आपको यह फैसला लेना पड़ा हालांकि आप उस फैसले को लेने के हक में नहीं थे। आप इस चेयर पर हैं और वीरेन्द्र सिंह जी ने जो बात कही है वह मुद्दा बड़ा अहम है। आपने जो रूलिंग दी है हम उसको सिर झुका कर मानते हैं। लेकिन मैं भी आपसे गुजारि ा करूंगा कि democracy always runs through deliberations जिसमें हर पक्ष की अपनी जिम्मेवारी होती है। हरियाणा के जो हित हैं, मैं आपसे दरख्वास्त करूंगा, कि उनको ध्यान में रखते हुए आप अपने फैसले पर पुनर्विचार करें।

स्पीकर साहब, इसके अलावा मेरी एक कालिंग अटैं ान मो ान थी पत्रकारों के बारे में जो मैंने आपको कल दी थी। आपने कहा था कि आप कुछ फैसला देंगे। वह भी कृपया बता दें।

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब, जब आप इस चेयर पर आए तो उस वक्त हाऊस में बड़ी खु ाी की लहर थी और आज भी हम यह समझते हैं कि हमारे कस्टोडियन आप हैं। स्पीकर साहब, आप इनते लिबरल आदमी हैं पर आपने कल बहुत कठोर ऐक ान लिया है परन्तु हम उसको भी सिर झुका कर मानते हैं। स्पीकर साहब, कल पुलिस के आदमी तो बिना वर्दी के थे ही पर जो सी0आईडी0 के आदमी और मिनिस्टर्ज के गनमैन थे वे भी वर्दी में नहीं थे और वे सजपा वालों को उठाकर बाहर ले गए जोकि बहुत गलत बात है। (ाोर एवं व्यवधान) स्पीकर साहब, अब मुख्यमंत्री जी बोलेंगे और स्पश्ट कर देंगे कि पुलिस वाले उनमें नहीं थे। (विध्न) अब आनरेबल मैम्बर्ज ओर मिनिस्टर्ज गडबड़ा गए हैं। (विध्न) कल आप को जब यहां पर बैठना पड़ेगा तो आपका क्या हाल होगा? इसलिए अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे निवेदन करूंगा कि थोड़ा सा नर्म ऐक ान लेकर जो अपोजी ान (सजपा विधायकों) को निकाला है उस फैसले को बहाल करें। रूलिंग पार्टी के लोग मद–मस्त हाथी पर सवार हो जाते हैं इसलिए उनको जमीन पर लाने के लिए अपोजी ान पार्टी की जरूरत होती है। अध्यक्ष महोदय, मैं अर्ज करता हूं कि अपने ऐक ान को नर्म करें और आगे के लिए उनको बुला लें।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, जो मेरे से पहले मैम्बर साहेबान ने कहा मैं उसका समर्थन करती हूं। आपने कल जो फैसला दिया उसके लिए हम यही प्रार्थना कर सकते हैं कि इतनी

लम्बी सजा नहीं देनी चाहिए। प्रजातन्त्र में जो लोगों द्वारा चुने हुए मैम्बर्ज हैं अगर वे कोई गलती करते हैं तो उनको माफ कर देना चाहिए। इसलिए मेरी आपसे प्रार्थना है कि आप उनको वापिस बुलायें। अध्यक्ष महोदय, जो सी0आई0डी0 के लोग कल इस हाऊस में आ गये थे, उनके बारे में भी मुझे कहना है कि अगर वह सिक्योरिटी के काम में रहें तो ठीक है क्योंकि आज के हालात ही ऐसे हैं। इसलिए इसमें हमें कोई एतराज नहीं है। लेकिन अगर चैम्बर में हमें उनकी उपस्थिति दिखाई देती है तो मैं समझती हूं कि यह आपके लिए और आपके अधिकारियों को भी चुनौती हो जाती है और मैम्बर साहेबान के लिए भी यह ठीक बात नहीं है। इसलिए मैं चाहूंगी कि जो सिक्योरिटी के लोग हैं वह किसी भी लोबीज में, चैम्बर के अन्दर न आयें, यही मेरी आपसे प्रार्थना है। इसके अलावा मैं एक बात और कहना चाहती हूं कि जगह कम होने की वजह से टेलीफोन की सुविधा भी कम है। कमेटियों के चेयरमैन के पास कमरे ही नहीं हैं इसलिए अगर लौबीज में टेलीफोन होंगे तो हमें टेलीफोन करने में सुविधा होगी। इसलिए यह जरूरी है कि लौबीज में भी टेलीफोन की व्यवस्था होनी चाहिए। प्र ाासन तो कुछ करता ही नहीं है। अगर हम कह देते हैं तो कुछ काम कर देता है वरना फाइल मिट्टी में पड़ी रहती है। यह टेलीफोन की व्यवस्था इसलिए जरूरी है क्योंकि हमें यहां से लोगों के काम करवाने के लिए टेलीफोन करने पड़ते हैं। अतः एक बार फिर मेरी आपसे यही प्रार्थना है कि आप अपने फैसले पर दोबारा विचार करें इसके लिए हम आपके कृतज्ञ होंगे।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, सभी पार्टियों के लीडर साहेबान ने अपोजी ान के बारे में कहा कि जो एस0जे0पी0 के मैम्बर ससपैन्ड किये गये हैं, उनको वापस बुलाया जाये। अध्यक्ष महोदय, हम भी इस बात को मानते हैं कि प्रजातंत्र में अपोजी ान का होना उतना ही जरूरी है जितना सरकार का, लेकिन अपोजी ान का भी एक रोल होता है, कुछ मर्यादाएं होती हैं, कुछ असूल होते हैं, कुछ सिद्धांत होते हैं। उसके मुताबिक वह कार्यवाही करें, सरकार की आलोचना करें लेकिन बार–बार स्पीकर के आदे ा की अवहेलना करना, स्पीकर के बार–बार समझाने के बावजूद उनका रवैया कैसा रहा, कितना भद्दा रहा यह सारा हाउस, प्रैस के महानुभाव तथा अन्य महानुभाव जानते हैं। लेकिन फिर भी हम कहते हैं कि अपोजी ान के नेता यदि स्पीकर साहब के पास जाकर गांरटी दे दें और साथ में इस बात को महसूस करें कि हमने जो कुछ किया था, उसको हम भविश्य में नहीं करेंगे तो मैं भी स्पीकर साहब से कहूंगा कि उनको हाउस में बुला लें। अध्यक्ष महोदय, एक बात मैं और कहना चाहता हूं कि सी0आई0डी0 का कोई आदमी आपकी इजाजत के बगैर हाउस में नहीं आ सकता और न ही कोई सी0आई0डी0 का आदमी हाउस में आया।

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, एक मंत्री को भी तो उन्होंने इस हाउस से उठा लिया था।

चौधरी भजन लालः क्या सी0आई0डी0 वाले मंत्री जी को जानते नहीं हैं? यह उठाने वाले लोग सजपा के ही थे। अध्यक्ष

महोदय, सी0आई0डी0 का या पुलिस के अधिकारी का रत्ती भर भी दोश नहीं है। कोई भी हाउस के अन्दर नहीं आया। इन्होंने कहा कि कमान्डोज भी लौबी में बैठे थे। आप जाकर देखें कमान्डोज लौबी में कभी नहीं आ सकते। वह तो अपनी एक लिमिट तक ही आ सकते हैं उससे आगे नहीं आ सकते। अध्यक्ष महोदय, मेरा इतना ही कहना है कि जहां तक उन माननीय सदस्यों का वापस बुलाने का सवाल है आप उनसे बात कर लें और वे यदि आपसे कहें कि स्पीकर साहब, हमसे भूल हो गयी, आईन्दा से हम कायदे–कानून से बारह नहीं जायेंगे और मर्यादा में रहकर सदन को चलने देंगे तो इस फैसले को आप वापिस कर सकते हैं।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने यह कहा है कि वे आकर आपसे माफी मांगे और हम लोग उनकी गारन्टी दें। मुख्य मंत्री जी को मैं आपके जरिये यह बताना चाहता हूं कि वे इस सदन के माननीय सदस्य हैं। वे चुनकर आये हैं। मुख्य मंत्री जी के, हमारे या आपके रहम पर वे नहीं आये हैं। वे अपने हक से यहां पर आये हैं। इसलिये माफी मांगने का तो कोई सवाल ही पैदा नहीं होता। मैं यह समझता हूं कि उनकी आज तक के लिये सस्पैं ान रख लो, कल से वह रीवोक कर दी जाये। दूसरी बात मुख्य मंत्री जी ने कही कि कमांडोज जहां तक आते हैं, वहीं तक जायेंगे। बाहर की लौबी के आगे आपने एम0एल0एज0 के लिये टैलीफोन लगा रखा है। वहां पर आपने एम0एल0एज0 के बैठने के लिये सोफे डाल रखे हैं। कमांडोज का काम है खड़े

होकर डियूटी देना। कमांडोज का यह काम नहीं है कि वह सोफे पर कम्फर्टेबली बैठें। क्या वे बैठने के लिये यहां पर आते हैं? कुछ ऐडमिनिस्ट्रे ान थोड़ा बहुत हम भी जानते हैं। दूसरी बात यह है कि या तो टैलीफोन वहां से हटवा दो, हमारी लौबी में लगवा दो या कमांडोज वहां नहीं बैठने चाहिएं। यदि विधायक वहां से टैलीफोन करते हैं और मुख्य मंत्री जी यह समझते हैं कि उन्होंने कमांडोज टैलीफोन सुनने के लिये बिठा रखे हैं तो मैं यह कहूंगा कि हमको भी कई बार वहां पर टैलीफोन के लिये जाना पड़ता है। अकेले रूलिंग पार्टी की वजह से हम इस किस्म की बात बर्दा त नहीं कर सकते। हमारी कोआप्रे ान का सरकार नाजायज फायदा उठाने की कोि ा ा न करे। अगर मुख्य मंत्री जी को एम0एल0एज0 से ही खतरा है तो सक एम0एल0एज0 को हाउस से निकाल दो, अपने आप ही बैठकर फैसले कर लो। यह कैसे चलेगा? या तो कमांडोज को वहां से हटाओ या टैलीफोन को लौबी के अन्दर लाओ ताकि एम0एल0एज0 आराम से फोन कर सकें। यह नहीं हो सकता। कल वाली बात ठीक नहीं थी इसलिये हमने उसको स्पोर्ट कब किया? (व्यवधान) बिल्कुल बगैर माफी मांगे आयेंगे। आज तक किसी सदन की यह मर्यादा नहीं है कि कोई मैम्बर माफी मांग कर वापिस आया हो। हाउस उनको सस्पैंड करता है। जिस किसी को भी करता है। हाउस ही उनकी सस्पैं ान को रिवोक करता है यहां पर कोई डिक्टेटरि ाप तो है नहीं। यहां पर डैमोक्रेसी है। डैमोक्रेसी में सभी बातें होंगी। हर तरह की बातें होती हैं। दूसरी बात यह है, जैसे मुख्य मंत्री जी ने

कहा कि यहां पर पुलिस वाले नहीं आये। मैं एक बात कहूंगा कि इजाजत के बगैर पुलिस वाले अन्दर कभी नहीं आयेंगे। यह बात ठीक है कि आपकी इजाजत से या बगैर इजाजत से पुलिस वाले यहां पर नहीं आने चाहियें। यह सदन की मर्यादा की बात है। पुलिस वाले अन्दर आये हैं, इस बात से कोई इन्कार नहीं कर सकता। (व्यवधान) चलो, अगर आप कहते हो कि नहीं आये, आप कहो लेकिन हम यह कहते हैं कि वे आये हैं। हम तो अपनी बात को सही मानते हैं और हमे ाा सही बात कहते हैं। इसलिए मैं तो यह निवेदन करूंगा कि बाहर से कमांडोज को उठाकर दूसरी तरफ बिठाओ। मुख्य मन्त्री जी को भी महफूज रखो। अगर ज्यादा ही खतरा है तो मुख्य मन्त्री जी के चारों तरफ इन मिनिस्टर्ज को हटा कर कमांडोज को बिठा दो। अगर ज्यादा ही खतरा है तो ऐसा कर दो या फिर उस टैलीफोन को वहां से हटाकर हमारी लौबी में लगवा दो। आज तक की उनकी सस्पैं ान रख लो। कल से उनकी सस्पैं ान रिवोक कर दो। यह हमारी आपसे प्रार्थना है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी बहुत साल तक मुख्य मन्त्री भी रहे और रक्षा मंत्री भी रहे हैं। बहुत अच्छे ऐडमिनिस्ट्रेटर भी रहे हैं। लेकिन मु कल क्या है कि इन्सान जब कुर्सी से उतर जाता है तो अपनी सारी पिछली कारगुजारियां भूल जाता है। जब मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी थे तो मैं इनसे यह कहना चाहता हूं कि इनकी सी0आई0डी0 के लोग बाकायदा लौबी के अन्दर बैठा करते थे। हम भी इनके साथ

मंत्री थे, हमें सारी बातों का पता है। इन्होंने पुलिस राज बना रखा था। यह सही बात है। (विध्न) मैंने यह नहीं कहा कि मेरे से माफी मांगे, मैंने यह भी नहीं कहा कि हाउस से माफी मांगे। स्पीकर साहब ने उनको सस्पैंड किया है। उन्होंने स्पीकर साहब के आदे ा की बार–बार अवहेलना की है। क्या स्पीकर साहब की वह तसल्ली नहीं करायेंगे? स्पीकर साहब की तसल्ली कराना निहायत जरूरी है। स्पीकर साहब की तसल्ली हो जाये कि वे हाउस की कार्यवाही मर्यादा में चलने देंगे तो हम भी स्पीकर साहब को यह निवेदन करेंगे कि उनकी जो सस्पैं ान है, उसको आप रिवोक कर दो। उनको हाउस में आने दो। हमें इसमें कोई एतराज नहीं है।

श्री बंसी लालः आन ए प्वायंट आफ पर्सनल ऐक्सपलेने ान, सर। स्पीकर साहब, मेरे राज में कोई भी सी0आई0डी0 का आदमी लौबी में नहीं आया। यह तो प्रथा चौधरी भजन लाल जी ने चलायी है कि गैलरीज में भी सी0आई0डी0 के लोग बिठा रखे हैं। सी0आई0डी0 वाले भी बैठे हुए हैं और पुलिस वाले भी बैठे हुए हैं। अभी भी मैंने बहुत सी बातें कहनी हैं लेकिन जब वक्त आयेगा तो कहेंगे। सारी अफसर गैलरी में सी0आई0डी0 वाले बिठा रखे हैं। अब मैं आपसे यही प्रार्थना करूंगा कि आज तक की उनकी सस्पैं ान कायम रख लो और कल से उनकी सस्पैं ान रिवोक कर दो।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, बार बार चौधरी बंसी लाल जी इस मामले को उठा रहे हैं कि चौधरी भजन लाल

के वक्त में पुलिस का राज है पर ये अपना समय भूल गये हैं कि इनके अपने राज में क्या था? साथ में इन्होंने यह भी कहा कि यह प्रथा चौधरी भजन लाल जी ने डाल रखी थी कि जो भी पुलिस अफसर हो, वह आफिसर्ज गैलरी में बैठेगा। स्पीकर साहब, आप अच्छी प्रकार से जानते हैं कि कौन पुलिस अधिकारी गैलरी में बैठ सकता है। डी0आई0जी0 रैन्क का आदमी गैलरी में बैठ सकता है लेकिन मैं बताता हूं कि इनके राज में तो ए0एस0आई0 और एस0आई0 रैन्क तक के आदमी आफिसर्ज गैलरी में बैठा करते थे। अब ये पता नहीं किस नजरिये से यह बात कह रहे हैं कि मेरे राज में पुलिस राज है। असल में तो पुलिस राज इनके वकत में था। मैं बताना चाहता हूं कि जब ये चीफ मिनिस्टर थे, मैं मन्त्री था। मेरे पीछे इन्होंने तीन–तीन जीपें और तीन–तीन कारें सी0आई0डी0 की लगा रखी थीं। ये अपना जमाना भूल गये हैं कि ये क्या करते थे? जहां तक कमांडोज का टेलीफोन के पास बैठने का ताल्लुक हैं जिनके कारण से इनको या दूसरे मैम्बर साहेबान को दिक्कत होती है, इस बारे में, मैं अभी आदे ा दे देता हूं ताकि आप लोगों को कोई दिक्कत न हो। मुझे अभी तक इस बात का पता नहीं है। मैं पता करके उन्हें आदे ा दे दूंगा कि वे वहां न बैठा करें।

श्री बंसी लालः मैंने कल उन से यह बात कही थी कि आप बाहर की तरफ कुर्सी डाल लो और वहां बैठा करो। हमारी तो इतनी प्रार्थना है कि उनको बाहर कुर्सियों पर बैठा दो। हमें

कोई ऐतराज नहीं है। मैंने स्पीकर साहब से भी इस बारे में बात की थी।

चौधरी भजन लालः हम अभी हिदायतें कर देंगे कि वे टेलीफोन के पास न बैंठें।

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, कल मैंने अपोजी ान के चौधरी बंसी लाल जी, श्रीमती चन्द्रावती जी, प्रोफेसर राम बिलास भार्मा व चौधरी सम्पत सिंह जी को अपने चैम्बर में बुलाया था और उन से प्रार्थना की थी कि सभी की ओर से हाउस के अन्दर ठीक ढंग का बीहेवीअर होना चाहिये। ऐसी बातें नहीं होनी चाहियें कि किसी को यहां पर बोलने भी न दिया जाए और फिर स्पीकर के डिसीजन को भी न माना जाए। सिवाये श्री सम्पत सिंह जी के बाकी तीनों लीडर्ज ने मुझे वि वास दिया था कि उन्होंने कोई ऐसी बात नहीं की, न ही करेंगे। चौधरी बंसी लाल जी, राम बिलास जी और श्रीमती चन्द्रावती जी ने भी सम्पत सिंह जी को कहा कि आप स्पीकर साहब की बात मानो लेकिन उन्होंने कहा कि हम तो यह बात नहीं मानते और न ही हम हाउस को चलने देंगे जब तक कि हमारा ऐडजर्नमैंट मो ान ऐडमिट नहीं किया जाता। वे बिल्कुल परसिसटैन्ट थे। उसी वक्त मैंने उन से कहा था कि अगर आप ऐसा करोगे, मर्यादा में नहीं रहेंगे तो हम आपको नेम करगें और हाउस से भी मजबूरन हमें आपको सस्पैंड करना पड़ेगा। इस तरह की मेरी उनसे सारी बात हुई है। आपको पता है कि उन्हें यहां पर बार बार वार्न भी किया गया लेकिन जब वे नहीं

माने तो हमें उनके खिलाफ ऐक ान लेना पड़ा और सारे हाउस ने उसकी कंकरैन्स दी। तो यह डिसीजन हाउस का डिसीजन है और मैं यह समझता हूं कि यह डिसीजन जायज है। आज भी उनकी पार्टी के एक सम0एल0ए0 श्री अमर सिंह ढांडे क्वै चन आवर में हाउस की प्रोसीडिंग्ज को डिस्टर्ब करते रहे। वही रवैय्या श्री अमर सिंह ने दिखाया जो उनकी पार्टी के दूसरे सदस्यों ने कल यहां पर दिखाया था। साहबान, जुर्म नीयत पर निर्भर होता है और वे नीयतन बाकायदा उसी तरह की योजना बनाकर के, जो उनके दिल में था कहने के लिये यहां आए थे ताकि हाउस की प्रोसीडिंग्स को स्टाल किया जाए। वे अकेले नहीं आये बल्कि उनके लीडर ने, जैसा मैं अन्दाजा लगा सकता हूं, उनको प्लैनिंग बनाकर के यहां पर भेजा था कि आपने भी उसी तरह से करना है और वे उसी प्लान के तहत यहां आए। उन्होंने यहां आ कर नारे लगाए और वे उनकी तरह से उसी ढंग से वापिस गए। अभी उनका एक मैम्बर और बाकी रहता है। हो सकता है वह भी कल या परसों आए। इसलिए मैं समझता हूं कि हाउस का डिसीजन सही है।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, आप इसमें एक अमैंडमैंट कर दो कि यह सिर्फ रूलिंग पार्टी का फैसला है क्योंकि हम तो उस समय हाउस में हाजिर नहीं थे। उनको बाहर निकालने का फैसला हमारा नहीं था, रूलिंग पार्टी का है। हम तो उससे पहले वाक आउट कर गए थे।

श्री अध्यक्षः ठीक है। मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि यहां हाउस में वाच एंड वार्ड स्टाफ की डियूटी है और उन्होंने अपनी डियूटी की। उसके बाद वे हालात को देखते हुए बाहर चले गए।

विभिन्न विशयों का उठाया जाना

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, हमारा एक ऐडजर्नमैंट मो ान था कि जिला फरीदाबाद में पलवल के नजदीक एक गांव में भारत रत्न डा0 भीम राव अम्बेदकर की प्रतिमा को कुछ लोगों ने तोड़ दिया है। यह एक बहुत बुरा काम किया गया है। इसको लेकर वहां पर ला एंड आर्डर सिचुए ान बिगड़ने की हालत आ गई है। इसलिए मैं चाहूंगा कि सदन की कार्यवाही को सस्पैंड करके फौरी तौर पर इस पर डिस्क ान की जाए। डा0 अम्बेदकर के स्टैच्यू को इस तरह से तोड़ने में बहुत सी बातें आती हैं। इसमें ऐडमिनिस्ट्रे ान की बातें भी आएंगी और दूसरी बातें भी आएंगी। इसलिए मैं दर्खास्त करता हूं कि हमारे ऐडजर्नमैंट मो ान को ऐडमिट करके इस पर डिस्क ान करवा दें।

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, इसमें ज्यादा बहस की बात नहीं। मेरी प्रार्थना है कि आप इसको कालिंग अटैन ान मो ान के रूप में ऐडमिट कर लें और कल को हम इसका जवाब दे देंगे।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, ऐडजर्नमैंट मो ान पर तो अभी डिस्क ान होनी चाहिए।

श्री अध्यक्षः यह ऐडजर्नमैंट मो ान नहीं है बल्कि यह तो कालिंग अटैन ान मो ान है। चीफ मिनिस्टर साहब ऐग्री कर गए हैं कि इसको एडमिट कर लिया जाए। मैं इसको कल के लिए ऐडमिट करता हूं।

चौधरी भजन लालः ठीक है जी, हम इसका जवाब कल दे देंगे।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, यह ऐडजर्नमैंट मो ान है और इसके मूवर मिस्टर दलाल है।

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, यह कालिंग अटैन ान मो ान ही है। जो कागज मेरे पास हैं इस पर कालिंग अटैन ान मो ान लिखा हुआ है। अगर ऐडजर्नमैंट मो ान भी दिया हो तो भी उसको कालिंग अटैन ान मो ान में कनवर्ट करने की पावर स्पीकर को है लेकिन इस पर कालिंग अटैन ान मो ान ही लिखा हुआ है। लास्ट में इस पर इन्होंने ऐडजर्नमैंट मो ान भी लिख दिया है।

साथी लहरी सिंहः स्पीकर साहब, इस मो ान में लिखा गया है कि यह अन्याय हुआ है और सदन की बाकी कार्यवाही को रोक कर इस पर तुरन्त विचार किया जाए।

श्री अध्यक्षः इसके बारे में मैंने पहले ही कह दिया है। इस पर अब और बहस की जरूरत नहीं है।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, इस समय 10+2 के इम्तिहान चल रहे हैं और उनमें नकल ही नकल हो रही है। इस बारे में मैंने एक कालिंग अटैंशन मोशन का नोटिस दिया था। उसके बारे में आपने क्या फैसला लिया है?

श्री अध्यक्षः वह अभी अंडर कंसिड्रेशन है।

दैनिक ट्रिब्यून, रोहतक के संवाददाता, श्री सतपाल सैनी का अपमान किए जाने सम्बन्धी मामला

11.00 बजे

प्रो0 राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, मैंने कल आपकी सेवा में रूल्ज औफ प्रोसीजर एंड कंडक्ट औफ बिजनस के रूल 73 के तहत एक कालिंग अटैंशन मोशन को नोटिस दिया था। रोहतक में दैनिक ट्रिब्यून के मुअजिज पत्रकार श्री सत पाल सैनी को बड़े बेईज्जत ढंग से आंतकित करके गिरफ्तार किया गया और पूरी बार ऐसोसिएशन ने उसकी निन्दा की है। पुलिस ने उसको चार घंटे तक बैठाए रखा और उसको जमानत होने के बाद भी नहीं छोड़ा गया। उसको पुलिस वाले उसके काम करने के औफिस से निकाल कर ले गए। अगर पत्रकारों के साथ, सच्चाई लिखने वालों के साथ, इस तरह का व्यवहार होगा तो यह बहुत बुरी बात है। इस मामले में मैंने जो कालिंग अटैंशन मोशन का नोटिस

दिया था उसके बारे में आपने क्या फैसला किया है? आप आज हर फैसला बड़ी नरमाई के साथ कर रहे हैं। इसलिए आप मेरा कालिंग अटैं ान मो ान मंजूर करें और सरकार इस बारे में अपनी स्थिति स्पश्ट कर दे।

श्री अध्यक्षः भार्मा जी, वह मैंने गवर्नमैंट के पास कमैंटस के लिए भेजा हुआ है। लेकिन अगर चीफ मिनिस्टर साहब इस बारे में कुछ कहना चाहें तो कह सकते हैं।

वक्तव्य–

मुख्य मन्त्री द्वारा उपर्युक्त विशय सम्बन्धी

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, रोहतक के पत्रकार श्री सत पाल सैनी की गिरफ्तारी के बारे में मैंने भी पता किया है और मुझे जानकारी मिली है कि उनके खिलाफ किसी अधिकारी ने कोर्ट में एक प्राइवेट इस्तगासा फाइल किया और कोर्ट से उनके खिलाफ बिना जमानत के वारंट जारी हो गए इसलिए पुलिस ने उनको गिरफ्तार किया। बाद में उनकी जमानत हो गई और जमानत होने के बाद उनको छोड़ दिया गया। इस मामले के बारे में ज्यादा कुछ कहना ठीक नहीं रहेगा क्योंकि यह मामला सबजुडिस है। जो बात श्री राम बिलास भार्मा जी ने कही है उसकी हम जांच कर लेंगे कि इसमें किसका कितना कसूर है। वाकई में इसमें पुलिस का फाल्ट है तो उनके खिलाफ भी कार्यवाही करेंगे। किसी को माफ करने का कोई सवाल ही पैदा

नहीं होता। मैं पत्रकारिता और पत्रकारों का बहुत आदर करता हूं। किसी के साथ किसी प्रकार की कोई ज्यादती हो यह अच्छी बात नहीं है।

राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker: Hon'ble members, now, discussion on the Governor's Address will be resumed.

प्रो0 राम बिलास भार्मा (महेन्द्रगढ़): अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के राज्यपाल महोदय ने 9 मार्च को अपनी सरकार के संबंध में एक भाशण यहां सदन के पढ़ा और उन्होंने अपने अभिभाशण में सबसे ज्यादा यह चर्चा की है कि इस साल हरियाणा प्रान्त अपनी रजत जयंती मना रहा है।

श्री अध्यक्ष: भार्मा जी, आपको बोलने के लिए 15 मिनट का टाईम मुकर्रर है इसलिए आप 15 मिनट में ही अपनी स्पीच समाप्त कर दें।

प्रो0 राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, अभी तो मेरा तवा गर्म नहीं हुआ है, अभी तो मैंने बोहणी की है और आपने मुझे बीच में ही टोक दिया। तो अध्यक्ष महोदय, मैं कह रहा था कि इस वर्श हरियाणा सरकार रजत जयंती मना रही है। यह खु ाी मनाने का साल है। अध्यक्ष महोदय, 25 साल बीत गए और अब ये रजत जयंती मना रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, आप ओर हम सभी अपने अपने बेटे बेटियों की भाादियां करते हैं। अगर कोई घर वाला

अपने बेटे या बेअी की भाादी किसी धर्म ाला में करे और फिर भी वह यह कहे कि मेरा बसा हुआ घर है और मैं रजत जयंती मना रहा हूं तो यह बात जंचती नहीं। अध्यक्ष महोदय, अध्यक्ष महोदय, जिस समय हरियाणा प्रान्त बना उस समय इस प्रदे ा में में विकास नाम की काई चीज नहीं थी। हरियाणा का किसान, मजदूर और हरिजन बहुत मेहनती है उसने अपने खून पसीने की कमाई से हरियाणा प्रान्त के विकास में अपना योगदान दिया है। प्रजातंत्र को बचाने के लिए दिल्ली की रखवाली की। कुछ लोगों ने खालिस्तान की मांग को लेकर हिन्दुस्तान की प्रधान मंत्री तक को नहीं बख्भाा। सरदार हरचन्द सिंह लौंगोवाल को नहीं बख्भाा, मेरी पार्टी के पंजाब ईकाई के प्रधान श्री हित अभिलाशी तायल को नहीं बख्भाा। यहां के लोगों ने जब एि ायाई खेलों के दौरान गड़बड़ करने की कोि ा ा की तो उन खेलों को ठीक ढंग से करने के लिए व्यवस्था की लेकिन उनको यह ईनाम दिया गया। अब ये रजत जयन्ती मना रहे हैं लेकिन आज तक राजधानी का मसला नहीं सुलझा और न ही हमें अपने पानी का हिस्सा मिल सका। अध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा के पांच जिले ऐसे हैं जहां पर पानी की बहुत कमी है। ये हैं महेन्द्रगढ़, भिवानी, रिवाड़ी, मेवात का एरिया और रोहतक जिले का कोसली का इलाका। जेठ और बै ाख में वहां पर पानी की बहुत कमी बनी रहती है। उस समय पानी की कमी का आप अन्दाजा नहीं लगा सकते क्योंकि आप तो खादर के तराई इलाके के रहने वाले हैं। इन दो महीने में वहां पर लोग ऊंटों पर राजस्थान की सीमा से जा कर पानी

लाते हैं लेकिन सरकार एस0वाई0एल0 को कम्पलीट करा कर पानी नहीं ला सकती। आखिर न्याय मिलने की भी एक सीमा होती है। It is said that justice delyaed is justice denied. अध्यक्ष महोदय यह एक यूनिवर्सल फैक्ट है। इसके लिए जो हम पुराने लोग यहां बैठे हैं सभी जिम्मेवार हैं। कई बार चौधरी बंसी लाल जी भी मुख्य मन्त्री रहे हैं और चौधरी भजन लाल जी भी पहले मुख्य मन्त्री ाि और आज भी मुख्य मन्त्री की कुर्सी पर विराजमान हैं। इसके अलावा पिछली जो सरकार थी, जिसमें हम भी कुछ समय के लिए भागीदार थे, उस में भी हमारा बड़सी का हल था–डंगवारा था। इस बात के बारे में हमें मानना पड़ेगा कि पिछले 26 सालों में हरियाणा के लोगों को जो एस0वाई0एल0 नहर का पानी मिलना चाहिए था उसके न मिलने के लिए हम सब गुनाहगार हैं लेकिन सबसे ज्यादा गुनाहगार तो कांग्रेस पार्टी है क्योंकि कांग्रेस पार्टी ही हमे ाा केन्द्र में और हरियाणा में हकूमत में रही है। पंजाब में भी कांग्रेस पार्टी सत्ता में रही है। आज तो तीनों जगह कांग्रेस पार्टी ही सत्ता में है। आज हरियाणा के पास कहने के लिए कोई मुद्दा नहीं है कि किसी दूसरी जगह पर दूसरी पार्टी सत्ता में है। अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाशण के दूसरे पैराग्राफ में पंजाब की जनता को बधाई दी है कि वहां पर भाान्तिपूर्वक चुनाव सम्पन्न हुए हैं। मैं कहता हूं कि यदि सबसे पहले वहां पर किसी को बधाई देनी चाहिए तो वह मेरी पार्टी को मिलनी चाहिए क्योंकि अगर भारतीय जनता पार्टी चुनाव न लड़ती तो वहां पर चुनाव ही नहीं होते। जब 1991 में पंजाब में चुनाव हो

रहे थे तो उस समय कांग्रेस पार्टी डर के मारे चुनाव से बायकाट कर गई थी लेकिन भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं की चिता को कंधे पर उठा कर चल रही थी और कह रही थी कि पंजाब को भारत के नक ो के कटने नहीं दिया जायेगा। मौत के सामने हम खड़े रहे और चुनाव लड़ा। हम उस समय भी चुनाव मैदान में थे और अब भी चुनावों में मौजूद थे। हमारी पार्टी का डर कर भागने का सवाल ही नहीं है।

राजस्व मन्त्री (चौधरी वीरेन्द्र सिंह): आपकी पार्टी तो चुनाव हार गई।

प्रो0 राम बिलास भार्मा: वहां पर हार जीत का सवाल नहीं है। सवाल तो लीडर की विल पावर का है। भारतीय जनता पार्टी अगर इस बार चुनाव नहीं लड़ती तो वहां पर चुनाव नहीं होते। इन चुनावों में हमारे आदमी मारे गए हैं।

चौधरी वीरेन्द्र सिंह: भारतीय जनता पार्टी ने ही तो वहां पर हालात खराब किए हैं और अब यहां पर भी हालात आप की पार्टी ही खराब करेगी।

प्रो0 राम बिलास भार्मा: हालात खराब भारतीय जनता पार्टी ने नहीं किए बल्कि कांग्रेस पार्टी ने किए हैं। अध्यक्ष महोदय, पंजाब में भाान्तिपूर्वक चुनाव होने के लिए भारतीय जनता पार्टी को बधाई देनी चाहिए। हम सभी लोगों के भाुभचिन्तक हैं। भारतीय जनता पार्टी का वि वास है कि हम भारत के लोगों को

भरोसा ले करके सदन में आयें। 26 साल के बाद रजत जयन्ती साल पर भी हमें यदि न्याय नहीं मिल पाया तो सोचना तो पड़ता ही है। अध्यक्ष महोदय, आज हमारे हरियाणा की सरकार, कांग्रेस की सरकार इस तरह से व्यवहार कर रही है। इनके माननीय मन्त्री इस तरह से बयानात दे रहे हैं जो कि हरियाणा के हितों को चोट पहुंचा रहे हैं। कुछ लोग तो कह रहे हैं कि चुनाव से पहले चण्डीगढ़ के मसले पर सरकार ने स्टैंड दिखाया, लोगों को तसल्ली हुई थी कि सरकार हरियाणा के हितों के लिए अड़ी हुई है। स्पीकर साहब, अब जो इनका व्यवहार है उससे ऐसा लगता है कि अब ऐसी बात नहीं रही। हमने अपनी बात कहने के लिए आपके माध्यम से ऐडजर्नमैंट मो ान भी दिया था लेकिन उस पर आपने फैसला दे दिया है और उसे ऐडमिट नहीं किया। सप्ताह भर से अखबारों में बार बार इस बारे में आ रहा है, समझदार पत्रकार जो लिख रहे हैं उससे ऐसा आभास होता है कि हरियाणा के हित कुर्बान किये जा रहे हैं। माननीय मन्त्रियों के ब्यान जो आ रहे हैं उनसे ऐसा आभास होता है कि सरकार अपना स्टैंड बदल रही है। हरियाणा चण्डीगढ़ से अपना क्लेम छोड़ रहा है, अबोहर–फाजिल्का से भी दावा छोड़ रहा है। स्पीकर साहब, ये लोग स्टैंड़ बदल कर हरियाणा के हितों के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। हम लोग यह जानना चाहते हैं कि सरकार का इन सभी मुद्दों पर स्टैंड़ क्या है? (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए)

सिंचाई तथा बिजली मन्त्री (श्री भाम ोर सिंह सुरजेवाला): आन ए प्वायंट औफ आर्डर सर। डिप्टी स्पीकर साहब, जो बात हमारे माननीय साथी भावुक्ता में कह रहे हैं वह बिल्कुल गलत है और इसमें कोई तथ्य नहीं है। हरियाणा ने न तो चण्डीगढ़ पर अपना क्लेम छोड़ा है न ही फाजिल्का–अबोहर या हिन्दी स्पीकिंग एरियाज पर कोई स्टैंड़ बदला है। ऐसी कोई बात नहीं है। ये फैक्ट्स को तोड–मरोड़ कर अपना राजनैतिक उल्लू सीधा करने के लिए ऐसी बातें कह रहे हैं जो कि बिल्कुल गलत बात है। (विध्न)

साथी लहरी सिंह: डिप्टी स्पीकर साहब, माननीय मन्त्री जी बीच में खड़े हो कर विपक्ष के माननीय सदस्य का टाईम खराब कर रहे हैं। (विध्न) आज के अखबार में भी इस बारे में छपा है। ये विपक्ष को गुमराह कर रहे हैं और ''इन्दिरा अवार्ड'' को लागू करवाने की समस्या को उलझा रहे हैं। जब विपक्ष ''इन्दिरा अवार्ड'' को लागू करना चाहता है तो सरकार क्यों बार बार स्टैंड बदल रही है? माननीय मुख्य मन्त्री जी कुछ कहते हैं और मन्त्री कुछ और ही कह रहे हैं। मैं यह कहना चाहता हूं कि इस बारे में सरकार स्पश्टीकरण दे दे क्योंकि मुख्य मन्त्री जी कुछ कहते हैं और सुरजेवाला जी कुछ और कहते हैं। (विध्न)

प्रो0 राम बिलास भार्मा: डिप्टी स्पीकर साहब, सुरजेवाला साहब कहते हैं कि हम प्रचार कर रहे हैं। ये अपनी बात को खुद ही अहमियत नहीं देते हैं लेकिन इनके मुंह से जो भी बात

निकलती है हम उसको पूरी अहमियत देते हैं। यह दैनिक ट्रिब्यून अखबार है। इस में छपी खबर की कोई कन्ट्राडिक ान नहीं है। इसके हैडिंग में लिखा है कि ''हरियाणा पानी के लिए चण्डीगढ़ छोड़ने के लिए तैयार'' कलायत की रैली में माननीय सदस्यों के फोटो भी छपे हैं हाथ मिलाए हुए जो कि कह रहे हैं कि वे चण्डीगढ़ छोडने के लिए तैयार नहीं है। अगर यह बात ठीक है तो यह बहुत अच्छी बात है। हरियाणा के हितो के मामलों में कोई पक्ष विपक्ष की बात नहीं है। अगर हम सब की भी जरूरत पड़े तो हम सभी तैयार हैं। प्रधान मन्त्री जी से मिलने की जरूरत हो तो उसके लिए भी हम तैयार हैं। इस समय हम सब को मिल कर एक ही स्टैंड लेना चाहिए और उसका फैसला करवाना चाहिए। डिप्टी स्पीकर साहब, धीरे धीरे लोगों के मन में एक बात आ रही है कि सब लोगों को देख लिया है लेकिन यह मसला सुलझ नहीं पाया है इसलिए लोग अब सैंटर में बी0जे0पी0 को एक चांस देने को तैयार हैं। (विध्न) और बी0जे0पी0 में ही इस समस्या को सुलझाने की विल पावर है। लोग यह कहने लगे हैं कि कांग्रेस समस्याओं को सुलझा नहीं सकती है। चाहे वह कावेरी जल विवाद हो, चाहे राजस्थान की समस्या हो, चाहे अबोहर–फाजिल्का की समस्या हो वह बी0जे0पी0 ही सुलझा सकती है। जब बी0जे0पी0 का मीर में झंडा लहरा सकती है तो यहां यह मुद्दा क्यों नहीं उठा सकती है? (ाोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष जी, ये क्यों बार–बार बीच में बोलने लग पड़ते हैं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री भाम ोर सिंह सुरजेवालाः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। उपाध्यक्ष महोदय, अगर भार्मा जी नै ानल और इन्टरनै ानल समस्याओं की बात करेंगे कि बी0जे0पी0 एक मात्र पार्टी है जो समस्याएं सुलझाएगी तो हम भी ने ानल और इन्टरनै ानल बातें कर सकते हैं। उपाध्यक्ष महोदय, जब ये का मीर में झण्डा लहराने गए थे तो दूसरे मुल्कों और पाकिस्तान ने काफी बड़ा थ्रैट पैदा कर दिया था बड़ी मु कल से लड़ाई होते होते रूकी इसलिए कृपा करके ये अपने कदम वहां न रखे।

प्रो0 राम बिलास भार्माः उपाध्यक्ष महोदय, जब इनका टाईम आएगा तो जवाब दें। अभी मुझे बोलने दें। उपाध्यक्ष महोदय, सुरजेवाला जी के ध्यान में लाना होगा कि का मीर में बी0जे0पी0 ने ही झण्डा लहराया। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Deputy Speaker: No interruptions please.

प्रो0 राम बिलास भार्माः जादू उसको कहना चाहिए जो सिर पर चढ़कर बोले। उस झण्डे को लहराने का फायदा हुआ है। वहां झण्डा लहराने के बाद पाकिस्तान के प्रधान मन्त्री को अपने यहां हड़ताल करवानी पड़ी। उपाध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाशण में चर्चा की गई है कि महिलाओं के लिए स्कूलों की संख्या बढ़ी है। यह संख्या जरूर बढ़ी है लेकिन उपाध्यक्ष महोदय, कानून की जो स्थिति है, उसकी पिछले सै ान में भी कुछ चर्चा आई थी। कुछ दिनों से हरियाणा में जुल्म बढ़े हैं। एक घटना अभी हाल में 29 फरवरी को हुई। एक 22 साल की हरिजन

युवती संतोश जो नारायणगढ़ के पास संग्राणी गांव की थी, के साथ 4–5 दुश्टों नथा खां, नथ्थू खां और सत्तार खां आदि ने मुंह काला किया। वह लड़की खेत में काम कर रही थी और उपाध्यक्ष महोदय, उस गांव का सरपंच और उस औरत का पति जब पुलिस स्टे ान में रिपोर्ट करने गए तो उनकी रिपोर्ट दर्ज नहीं करी गई, उनकी बात नहीं सुनी गई बल्कि जब गांव का सरपंच और उस औरत का पति थाने से वापिस लौट रहे थे तो दुश्टों ने उसको जान से मार दिया। उपाध्यक्ष महोदय, पहले तो यह घटना होती है और बाद में उसके (पति को) मार भी दिया जाता है। अगर कोई थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने जाता है तो उसे जान से हाथ धाने पड़ते हैं ऐसी घटनाएं हो रही हैं। अटेली हल्के में पिछले महीने 22 तारीख को ही दूसरी घटना घटी। उपाध्यक्ष महोदय, मेरी जुबान इस सदन में वह चर्चा नहीं कर सकती जो वहां घटी है। परन्तु मैं यह कहे बगैर भी नहीं रह सकता कि 22 तारीख को अ ाोक नाम के फौजी ने अटेली के भूगारका गांव में लाली नाम की औरत से बलात्कार किया। लाली अपने पति छज्जू राम के साथ सोई हुई थी और अ ाोक कुमार रात को 11 बजे उसके घर गया और कहने लगा कि छज्जू राम यहां से उठो और इस विस्तर पर मुझे सोने दो। उस गरीब छज्जू राम डाकिया की आत्मा कराह उठी। वह गाली गलौच देने लगा। उपाध्यक्ष महोदय, उस लाली को उन्होंने गांव के बीच में कुएं पर लाकर मन्दिर निर्वस्त्र कर दिया, नग्न कर दिया ओर वहां उसके साथ बलात्कार किया और फिर मन्दिर में भी बलात्कार किया। अचानक एक

नौजवान भागकर पुलिस को ले आया और नांगल चौधरी की पुलिस उसको पकड़ कर ले गयी। आज पुलिस के लोग कह रहे हैं कि अ ाोक मिलिटरी से आया हुआ है और वह पागल है तथा वे लाली का चरित्र हनन कर रहे हैं। वे कहते हैं कि वह इस तरह के चरित्र की महिला है। उपाध्यक्ष महोदय, कुछ दिन पहले भूतमाजरा में कुसुम और विमला नाम की दो गरीब लड़कियां खेत में घास काट रही थी। उनको कुछ दुश्ट वहां से ले गये। उनमें से एक की ला ा, उन्होंने पानी के किनारे फैंक दी और दूसरी नौजवान बहिन का अता पता नहीं है। इस बात को हुए छः महीने से ज्यादा का समय हो गया है। जब उनके भाई और चाचा कृश्ण कुमार न्याय मांगने के लिए जाते हैं तो उनको पुलिस का अफसर कहता है कि इन लड़कियों का चरित्र संदेहास्पद था। उपाध्यक्ष महोदय, बहिनें न्याय के लिए गुहार करें और पुलिस का दारोगा उनके चरित्र का सर्टिफिकेट दे। यह महिलाओं के ऊपर बढ़ता हुआ अत्याचार है, हरिजनों के ऊपर बढ़ता हुआ अत्याचार है। पुलिस अपनी कार्यवाही से मुंह छिपाने के लिए उनके चरित्र पर संदेह पैदा कर रही है। पता नहीं जो लोग चरित्र के ठेकेदार बनते हैं उनमें से कितने लोगों का चरित्र संदेहास्पद है।

उपाध्यक्ष महोदय, राज्यपाल ने अपने अभिभाशण में बिजली की चर्चा की है। हमारा जो बजट है उसमें बिजली के ऊपर बहुत चर्चा होता है। लगभग 60 प्रति ात पैसा बिजली व दूसरी चीजों पर खर्च होता है। हमारा राजस्थान की सीमा से

लगता हुआ जिला है। एक तो वहां पर जमीन के नीचे पानी नहीं है और दूसरे वहां पर खारा पानी मिलता है। यह तो वहां के गरीब किसान की हिम्मत है कि उसके बाद भी वह अपनी मेहनत से कुछ फसल पैदा करता है। वहां पर बिजली या तो पानीपत से जाती है या भाखड़ा से जाती है। हमारा इलाका बिल्कुल टेल पर है इसलिए मैं मुख्यमंत्री जी से कहना चाहता हूं कि महेन्द्रगढ़, नारनौल, अटेली, सतनाली, झोझनू, लोहारू इन सबको ज्यादातर बिजली महेन्द्रगढ़ से जाती है और वहां का जो पावर हाउस है इसकी योजना कई साल पहले बनी थी। यह योजना 220 के0वी0 की थी, जो अभी तक लागू नहीं की गयी। इसलिए इस बार भी बिजली का संकट आया। वह तो बारि ा ने किसान को बचा लिया वरना हालात खराब होते। इसलिए इस 220 के0वी0 की योजना को प्राथमिकता के आधार पर बनाना चाहिए।

चौधरी भोर सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। डिप्टी स्पीकर साहब, सामने यह लिखा हुआ है कि झूठ बोलने से पाप लगता है और मुझे लगता है कि भाई राम बिलास भार्मा ने गल्त बोलने का ठेका ले लिया है क्योंकि पूरे हरियाणा की राजनैतिक स्थिति तथा पूरे हरियाणा की लॉ एण्ड आर्डर की सिचुए ान को यह तोड़ मरोड़ कर बात रहे हैं। (ाोर) डिप्टी स्पीकर साहब, यह बड़ा सीरियस मैटर है। यह न केवल सदन को गुमराह कर रहे हैं बल्कि गल्त बात बनाकर इन्होने भूत माजरा की बात को साथ जो पिछले दो सै ान से चल रही है, उसमें आज

नारायणगढ़ की बात को भी जोड़ दिया है। इन्होंने इसको बड़े नाटकीय ढंग से कहा जबकि यह बिल्कुल झूठी बात है। वहां पर कोई कत्ल नहीं हुआ। वहां पर केवल एक लड़के ने सुसाइड किया है। फिर भी यदि उस काम में किसी का जरा सा भी कसूर था तो उन्होंने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है और उनको पकड़ा गया है। यह इस तरह की बात कर रहा है जो नहीं करनी चाहिए। कभी यह कम्युनिटि का सवाल पैदा कर देता है और कभी हिन्दू मुस्लिम का। इसलिए इस तरह की बात पर रोक लगाई जाये।

प्रो0 राम बिलास भार्मा: उपाध्यक्ष महोदय, सदन की कुछ मर्यादाएं हैं। यदि चौधरी भोर सिंह कुछ गैरत रखते हैं और जिस केस को यह हत्या का केस न कहकर आत्म हत्या का केस कह रहे हैं उसके लिए आप इस सदन के तीन सदस्यों की एक समिति बनायें। उन हरिजनों की न्याय मांगने के लिए हत्या कर दी गई और ये उसे आत्म हत्या का केस कह रहे हैं। इसके लिए आप एक कमेटी बनायें और जो बातें मैंने कही हैं अगर उनको वह झूठी साबित कर दे तो मैं इस्तीफा दे दूंगा वरना ये इस्तीफा दे दें। वह हरिजन इनके पास न्याय मांगने के लिए गया था, यह उसको आत्म हत्या का केस कह रहे हैं।

चौधरी भोर सिंह: उपाध्यक्ष महोदय, मैंने अम्बाला के एस0पी0 से टेलीफोन पर बात की थी। उन्होंने कहा था कि मैंने केस दर्ज कर दिया है और जिसका जितना कसूर था उसके तहत उसको गिरफ्तार कर लिया है।

प्रो0 राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, चौधरी भोर सिंह जी ने अपनी बात कहते हुए आपके पीछे लिखे हुए हवाला दिया और घटना का जिक्र किया। इन्होंने अपनी जुबान से यह तो कबूल कर लिया कि ऐसी घटना हुई है। इस घटना के मुतालिक इनसे लोग मिल थे। एस0पी0 साहब से भी मिले और इन्होंने उस एस0पी0 को टैलीफोन भी किया था। .....

इलक्ट्रोनिक्स राज्य मन्त्री (डा0 राम प्रका ा): आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। डिप्टी स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से यह प्रार्थना करूंगा कि भावावे ा में हमारे माननीय सदस्य ने भूत माजरा कांड का जिक्र करते हुए हमारी बच्चियों के बारे में ऐसे भाब्द कह दिये हैं जो इनको नहीं कहने चाहिये थे। वे भाब्द इनको वापिस लेने चाहियें। हमने उनके परिवार के लोगों से, घर के लोगों से और जनता से उन बच्चियों के बारे में पता किया है, उनमे से किसी एक ने भी यह नहीं कहा कि उनके साथ दुश्कर्म किया गया है। वे देवियां, हम सब की मां–बहिनों की और बुजुर्गों की बच्चियां हैं, उनके बारे में इस तरह के भाब्द आज तक कभी इस्तेमाल नहीं किये गये हैं। जाने कैसे उनके मुंह से ये निकल गये हैं। मैं आपके माध्यम से उनसे यह निवेदन करता हूं कि वे अपने भाब्द वापिस ले लें। अलिखित या लिखित तौर पर पुलिस को भी उनके बारे में किसी ने यह बात नहीं कही है। उस गांव के किसी परिवार के किसी भी व्यक्ति ने या इलाके के किसी भी व्यक्ति ने वैसा नहीं कहा। हर किस्म के व्यक्ति से जिनका इनसे

कुछ वास्ता था, उनसे बात हुई है लेकिन किसी ने ऐसा नहीं कहा। इसलिये मेरी प्रार्थना यह है कि वे अपने भाब्द वापिस ले लें। यह हम सब की भावना है और बात सही भी है। माननीय सदस्य की अपनी एक संस्कृति है। मैं नहीं समझता कि वे इस बारे में अपनी कोई अलग से राय रखते होंगे।

प्रो0 राम बिलास भार्माः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। मैं आपकी इस बारे में रूलिंग चाहूंगा कि क्या कोई माननीय सदस्य अपनी बात हाउस में नहीं कह सकता? चौधरी भोर सिंह जी ने अभी इस बात को खुद कबूल किया कि संग्राणी गांव में ऐसी घटना हुई है। उन्होंने भी इस घटना के बारे में बात की है, फोन पर पुलिस कप्तान से बात की है। यह बात ये लोग यहां पर नहीं बोल सकते, नहीं उठा सकते, यह इनकी अपनी मजबूरी है। अभी डाक्टर राम प्रका ा जी बोल रहे थे। यह मानते है। कि भूत माजरा में दो लड़कियां घास काटती हुई उठा ली गयीं क्योंकि यह इनके हल्के की बात है लेकिन आज तक ये उनको बरामद नहीं करवा सके। आज मुझे उपदे ा दे रहे हैं कि ऐसे बात न करो। जब इतनी बात भी नहीं कहने देनी है तो फिर यहां पर आने का क्या फायदा है? (व्यवधान व भाोर) कांग्रेस के लोगों ने क्या यह फैसला कर लिया है कि हमें बोलने ही नहीं देना? (व्यवधान व भाोर) जब भी हम बोलते हैं तो ये खड़े हो जाते हैं। यह ठीक बात नहीं है। मैं तथ्यों के आधार पर बात कर रहा हूं। बिना तथ्यों के बात नहीं कह रहा हूं। (व्यवधान व भाोर)

श्री उपाध्यक्षः आप लोग बीच में न बोलिये, सरकार जवाब देगी।

श्रीमती चन्द्रावतीः आन ए प्वायंट आर्डर, सर। मेरा प्वायंट आफ आर्डर यह है कि माननीय सदस्य बोल रहे हैं और बीच में टोका–टाकी हो रही है। अगर कोई चीज गलत है या और कुछ है तो मुख्य मंत्री जी होम के इन्चार्ज हैं, यह जवाब दे देंगे। हर मैम्बर और हरेक कांग्रेसी मैम्बर यदि उसका जवाब देने लगेगा फिर तो किसी भी मैम्बर की स्पीच पूरी नहीं होगी और इनकी बात भी पूरी नहीं होगी। हम जो अभी बोलना चाहते हैं, हमारा नम्बर भी नहीं आयेगा। जवाब देने का काम तो मिनिस्टर साहेबान का है। हरेक मैम्बर का काम नहीं है।

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल): आपकी बात सही है कि बीच में नहीं टोकना चाहिये। लेकिन यह उनके हल्के की बात थी और उनसे ताल्लुक रखती है, उनको पूरी जानकारी है, इसलिये उन्होंने प्वायंट आफ आर्डर उठाकर स्पश्टीकरण दिया। स्पश्टीकरण देना कोई बुरी बात नहीं है। मैं बाकी सदस्यों से निवेदन करूंगा कि यदि वे बीच में टोका–टोकी न करें तो अच्छी बात है।

श्री सुरजीत कुमार धीमानः डिप्टी स्पीकर साहब, संग्राणी गांव में जो कुछ केस हुआ है, उसके बारे में मैं सब कुछ जानता हूं। केस दर्ज भी हुआ लेकिन वह केस कच्चा हो गया।

यह हकीकत है कि वहां पर एक मर्डर हुआ है। वहां पर एक हरिजन लड़के का मर्डर हुआ है। मैं उस के फादर से भी मिला हूं। वे टैम्पो भरकर चौधरी भोर सिंह जी के पास भी गये थे। इन्होंने केस को कच्चा जरूर करवा दिया। (विध्न) यह मेरे हल्के की बात है। (विध्न) उपाध्यक्ष महोदय, मेरे नारायणगढ़ हल्के के पास संग्राणी गांव नहीं पड़ता है। यह गांव चौधरी भोर सिंह जी के हल्के में पड़ता है। ये मौके पर मौजूद नहीं थे। अगर ये वहां पर होते तो इनको सारी स्थिति की जानकारी हो जाती। (ाोर एवं व्यवधान)

प्रो0 राम बिलास भार्मा: उपाध्यक्ष महोदय, मैं कह रहा था . . . (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Deputy Speaker: Professor Sahib, you please conclude now.

Prof. Ram Bilas Sharma: Sir, I will conclude according to our instruction. मेरा जो समय है, वह तो उपाध्यक्ष महोदय, ये लोग बीच बीच में बोल कर खराब कर रहे हैं। मैं जो कह रहा हूं उसको ये सुनना ही नहीं चाहते। (ाोर) इनको सुनने में तकलीफ हो रही है। (ाोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी भोर सिंह जी को इस सदन से माफी मांगली चाहिये। (ाोर) इन के हल्के के साथ लगते क्षेत्र के विधायक कह रहे हैं कि वह गांव भोर सिंह जी के हल्के में पड़ता है। (ाोर)

चौधरी भोर सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, राम बिलास जी क्या कह रहे हैं? मुझे किस बात पर माफी मांगनी चाहिये? (ाोर) जो राम बिलास जी कह रहे हैं, वह ठीक नहीं है। (ाोर)

प्रो0 राम बिलास भार्माः उपाध्यक्ष महोदय, उस हल्के का विधायक बता रहा है कि वह ठीक है। (ाोर)

चौधरी भोर सिंहः राम बिलास जी, वह गांव उनके हल्के में नहीं है मेरे हल्के में है। (ाोर)

प्रो0 राम बिलास भार्माः उपाध्यक्ष महोदय, यह उनके पड़ौस में है। ये वहां पर मौजूद थे। (ाोर)

चौधरी भोर सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, राम बिलास जी तो यह चाहते हैं कि इस केस को उछाल कर ऐसी स्थिति पैदा कर दी जाए ताकि दो बिरादरियों का आपस में झगड़ा हो जाए। उपाध्यक्ष महोदय, यह इंडीविजुअलज का झगड़ा है। यह दंगे फिसाद करवा कर के साम्प्रदायिकता का जहर फैलाना चाहते हैं। (ाोर एवं व्यवधान) इनकी और कोई मन ाा नहीं है।

प्रो0 राम बिलास भार्माः उपाध्यक्ष महोदय, अगर हरियाणा में कहीं पर भी कोई अन्याय होगा तो हम उस को जरूर कहेंगे चाहे उससे किसी को भी तकलीफ हो।

उपाध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाशण में फरमाया कि इस बार हम साक्षरता अभियान चला रहे हैं। अच्छी

बात है परन्तु प्रौढ़ ि ाक्षा के चार हजार कर्मचारी जोकि पिछले दो सालों से बेरोजगार हैं उनकी भी सरकार को कोई चिन्ता करनी चाहिये। वे लोग पीछे मुख्य मन्त्री महोदय व बहन भाान्ति राठी जी से भी मिले थे। यानी एक तरफ तो नये विद्यालय सरकार द्वारा खोले जा रहे हैं और उनमें कंडेंस कोर्स करवाए जा रहे हैं। नये लोगों को साक्षरता के लिये रखा जा रहा है और दूसरी तरफ वे लोग हैं जोकि 19–19 व 15–15 सालों से नौकरी में थे और वे ओवरएज भी हो चुके हैं लेकिन वे अब खाली अपने अपने घरों में बैठे हैं। उनकी सरकार को चिन्ता करनी चाहिये। यदि सरकार का साक्षरता में नये लोगों को लेने का कोई अभियान है तो सरकार बिना किसी जिद के उन प्रौढ़ ि ाक्षकों को भी उसमें लगाये जोकि बहुत सालों से बेकार बैठे हैं। (घण्टी)

उपाध्यक्ष महोदय, एक बात मैं यहां पर कहना चाहता हूं कि इस बार रोहतक के अन्दर एक कार्यक्रम हुआ जिसमें मुख्य मन्त्री महोदय भी गये और किसानों को कुछ अच्छी बातें भी बतायी गई लेकिन मैं एक बात बताना चाहता हूं कि इस बार किसानों के साथ सूरजमुखी बीज के सिलसिले में बड़ी ज्यादती हुई है। ट्रकों के ट्रक गायब कर दिये गये। पता नहीं यह सब कैसे हो गया? उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा का किसान इतना बुद्धिजीवी और सियाना है कि चीज की जरूरत के मुताबिक फसल बोता है। उपाध्यक्ष महोदय, यह जो सूरजमुखी का बीज है, यह पिछले दो तीन सालों से हरियाणा के अन्दर चर्चा का विशय

बना हुआ है। हजारों टन की चारों ओर सूरजमुखी की पैदावार थी परन्तु फिर समय के ऊपर किसानों को बीज की सप्लाई नहीं की गयी। जो बीज हरियाणा के किसानों के नाम का आता है, वह ठीक समय से पहले ही दूसरे प्रान्तों में चला जाता है और हमारे प्रदे ा का किसान वंचित रहता है। मेरा यह कहना है कि किसानों को उपदे ा देने की बजाये उन्हें समय पर बीज की सप्लाई सरकार द्वारा हो तो बेहतर है। (ाोर)

श्री उपाध्यक्षः राम बिलास जी, आपको बोलतेहुए काफी समय हो गया है। आपने 11.00 बजे बोलना भुरू किया था और अब 11.34 हो गये हैं। आप कृपया जल्दी कंकलूड करें।

प्रो0 राम बिलास भार्माः उपाध्यक्ष महोदय, बहिन भाान्ति राठी जी ने महेन्द्रगढ़ में डाईट की स्कीम के बारे में जिकर किया। बहुत अच्छी बात है। और भी ि ाक्षा से सम्बन्धित बातें कहीं गई लेकिन फिर भी ि ाक्षा के महत्व की बातें कम हुई हैं। हरियाणा में ि ाक्षा का स्तर बहुत पहले बहुत अच्छा होता था परन्तु समय समय पर सरकारों द्वारा इसके लिए बजट कम रखा जाता है जिस के कारण से ि ाक्षा का स्तर नीचे आ रहा है और ऐसा समझा जा रहा है कि विकास में ि ाक्षा का कोई योगदान नहीं है। उपाध्यक्ष महोदय, ि ाक्षा को जितना ज्यादा महत्व मिलेगा उतना अच्छा है। मैं चाहता हूं कि हमारी तुलना केरल से होनी चाहिए। आज कल क्या होता है कि हमारी साक्षरता की तुलना दूसरे प्रान्तों से करके यहां पर आंकड़ों को तोड़ मरोड़ कर रख दिया जाता है। केरल में

100% साक्षरता है। वहां पर सुबह जो बहिन बेटी सफाई के लिए जाती है वह भी साक्षर होती है। इसलिए हमारी साक्षरता की तुलना केरल से होनी चाहिए बे ाक इसके लिए बजट में अलग से प्रावधान करना पड़े। आज हमारी ि ाक्षा का स्तर ऐसा है कि अभी परीक्षाएं चल रही हैं। वहां पर उतने ही बच्चे परीक्षा देने वाले हैं और उतने ही लोग नकल करवाने वाले हैं। आज हालत यह हो गई है कि ब्लैक बोर्ड के ऊपर भी अगर कोई सवाल हल कर दे तो भी बच्चे गलती कर जाते हैं। (घंटी) उपाध्यक्ष महोदय, आप बार बार घंटी बजा रहे हैं और इधर से इनकी टोका टाकी हो रही है। इस तरह से एक गरीब अकेले विधायक को बोलने के लिए पूरा टाइम नहीं मिल पाता। सारे हरियाणा का दुख दर्द एक अकेले आदमी को बताना होता है। (विध्न) उपाध्यक्ष महोदय, मैं दो मिनट में अपनी बात खत्म कर दूंगा। उपाध्यक्ष महोदय, अभिभाशण के पृश्ठ 21 पर लिखा है कि राज्य के मरूस्थली जिलों की कठिनाइयों को कम करने के लिए 3413 हैक्टेयर भूमि पर विकास कार्य किया गया। इसी प्रकार महेन्द्रगढ़ तथा रिवाड़ी जिलों के सूखाग्रस्त क्षेत्रों में 3416 हैक्टेयर भूमि का विकास किया गया। हमारे इलाके को मरूस्थली होने की संज्ञा तो दे दी लेकिन जिस ढंग से हम जी रहे हैं उसको कोई नहीं जानता। वहां पर किसी नहर में पानी नहीं गया। जिन नहरों में एस0वाई0एल0 का पानी पहुंचना था उनमें आज आक और बुई उगी हुई है। किसान बार बाद देख रहा है कि इनमें पानी कब आएगा लेकिन उनमें से गादड़ी के बच्चे निकल रहे हैं। मैं सुझाव देता हूं कि हमारे इलाके

के हर ब्लौक में 10–10 रिग म ाीनें उपलब्ध करवाई जाएं क्योंकि गरीब किसान पांच सौ फुट नीचे के पानी को बोर करवा कर नहीं ले सकता। अगर आप उस मरूस्थल को महत्व देते हैं तो यह स्पै ाल काम करना चाहिए। जैसे मैंने पहले निवेदन किया कि हर ब्लौक में 10–10 रिग म ाीनें जो 6–7 सौ फुट गहरी खुदाई कर सकें, वे उन लोगों को सब्सीडाइज्ड रेट पर उपलब्ध करवाएं। मेरा अन्तिम निवेदन यह है कि यह जो वृक्षारोपण की स्कीम है, इसके लिए मेरे जिले के कुछ ब्लौकों को छोड़ दिया गया है। मैं चाहूंगा कि महेन्द्रगढ़, रिवाड़ी और गुड़गांव जिलों को अरावली स्कीम में भाामिल किया जाए। धन्यवाद।

श्री कर्ण सिंह दलाल (पलवल): उपाध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय ने 9 मार्च को सदन के सामने जो अपना अभिभाशण पढ़ा उससे ऐसा प्रतीत होता है कि हमारे जो आई0ए0एस0 अधिकारी हैं उन्होंने ऐयर कंडी ांड कमरों में बैठ कर इस प्रदे ा के भविश्य को अपनी लेखनी से लिखने की कोि ा ा की है। इस अभिभाशण में जो–जो कमियां रह गई उनकी तरफ मैं सदन के नेता का ध्यान आकर्शित करना चाहूंगा। इस अभिभाशण में एस0वाई0एल0 नहर के बारे में भी चर्चा की गई है। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदे ा में एस0वाई0एल0 कैनाल का पानी आए हमें बड़ी खु ाी है लेकिन पिछले सै ान में मैंने सदन के सामने एक बात कही थी कि फरीदाबाद जिले में एस0वाई0एल0 नहर का पानी कहां आएगा इस बारे में आज तक

कहीं कोई चर्चा नहीं की गई है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक बात यह भी कहना चाहता हूं कि अगर फरीदाबाद जिले के खेतों में पानी लगेगा तो वह आगरा कैनाल से ही लगेगा लेकिन आगरा कैनाल में कीचड़ भरा हुआ है और उसके सारे रजवाहे कीचड़ से भरे हुए हैं जिसके कारण उस जिले के किसानों के खेतों में पानी नहीं पहुंचता है। मैंने कई बार निजी तौर पर सरकार को इस बारे में पत्र लिखे हैं और अन्य विधायकगण ने भी आगरा कैनाल की ओर सरकार का ध्यान दिलाना चाहा है लेकिन बड़े खेद की बात है कि राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाशण में आगरा कैनाल का कहीं पर भी कोई जिकर नहीं किया है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन के नेता से प्रार्थना करूंगा कि अगर आप फरीदाबाद जिले के खेतों में पानी पहुंचाना चाहते हैं, अगर आप फरीदाबाद जिले के किसानों को हरियाणा प्रदे ा के दूसरे किसानों की तरह खु ाहाल देखना चाहते हैं तो आगरा कैनाल की तरफ आप अव य ध्यान दें। इसके अलावा मैं पीने के पानी के बारे में कहना चाहूंगा। उपाध्यक्ष महोदय, इस सरकार से मेरा अनुरोध है कि फरीदाबाद जिले में 70 परसैंट भूमि के नीचे का पानी खारा है। इसलिए उस पानी को खेतों में लगाने का सवाल ही पैदा नहीं होता। मेरे क्षेत्र में भूमि के नीचे का पानी खारा होने के कारण लोगों को पीने के पानी की बहुत भारी समस्या रहती है। मेरे क्षेत्र के गांव धतीर, राखोदा, राजोलका, कैराका, पृथला, दिघोट फुलवाड़ी और बवानीखेड़ा में लोग नहाने के लिए और पीने के लिए पानी दूसरे गांवों से बैल गाड़ियों या ऊंट गाड़ियों

में लेकर आते हैं। उपाध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मैं सदन के नेता से प्रार्थना करूंगा कि इन गांवों के लोगों को पीने के पानी की जो समस्या है उसका समाधान किया जाए। उपाध्यक्ष महोदय, जो पलवल भाहर है उसमें कुछ जगहें ऐसी हैं जहां पर रात को भी पीने का पानी चलता रहता है और कुछ रिहाय ी कालोनियां ऐसी हैं, जहां पर पीने का पानी पूरी मात्रा में ही नहीं पहुंचता है। जो वहां की ग्रीवैंसिज कमेटी है, उसके इन्चार्ज माननीय मंत्री श्री जगदी ा नेहरा जी हैं। मैंने यह बात उनके सामने ग्रीवैंसिज कमेटी में भी कही थी और उन्होंने आ वासन भी दिया था कि इस समस्या का समाधान किया जाएगा लेकिन आज तक पलवल में पीने के पानी की समस्या का समाधान करने का इन्तजाम नहीं किया गया है। उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं एक बात ि ाक्षा के बारे में कहना चाहूंगा। अगर सरकार हर हरियाणावासी को पढ़ा लिखा देखने का स्वप्न पूरा करना चाहती है तो सरकार से मेरा अनुरोध है कि हर 10 किलोमीटर के एरिया में लड़कियों के लिए 10 प्लस टू स्कूल खोले जाएं क्योंकि सरकार ने लड़कियों को ि ाक्षित करने के लिए बहुत ध्यान दिया है। इस सरकार ने कन्याओं की ि ाक्षा के बारे में यह कहा है कि उनको बी0ए0 तक की ि ाक्षा फ्री दी जाएगी। लेकिन मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि बच्चों को ि ाक्षा देना तो दूर रहा, बच्चों को गांवों से भाहर ले जाने के लिए बसिज ही नहीं हैं। अगर बच्चों को भाहरों में पढ़ने जाने के लिए कोई साधन नहीं होंगे, तो बच्चे कैसे ि ाक्षा प्राप्त करेंगे।

उपाध्यक्ष महोदय, सरकार ने कहा है कि अब लड़कियों की ि ाक्षा मुफ्त कर दी गई है। इस बारे में मैं एक बात कहना चाहता हूं कि मैं एक स्कूल में खुद गया था। वहां पर मैंने देखा कि जो स्कूल की अध्यापिका थी उसने उस स्कूल की लड़कियों को दो–दो, तीन–तीन और पांच–पांच रुपये की स्लिप छपवाई हुई दे रखी थीं। स्कूल की अध्यापिका हरेक लड़की से दो, तीन व पांच रुपये ले लेती है। जब इस बारे में मैंने जिले के डी0सी0 से बात की तो उन्होंने एक बात यह कही कि अगर ये पैसे नहीं लेंगे तो रैडक्रास के फण्डज कहां से आएंगे और रैडक्रास का काम कैसे चलेगा? मेरा सरकार से अनुरोध है कि अगर लड़कियों को ि ाक्षा मुफ्त की जानी है या करनी ही है तो फिस किसी भी लड़की से ऐसे फण्डज के कोई पैसे न लिए जाएं।

उपाध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाशण में लड़कों का भी जिकर किया है। मैंने क्वै चन आवर के दौरान एक सप्लीमेन्टरी के द्वारा मुख्य मन्त्री जी का ध्यान इस ओर दिलाया भी था कि मेरे हल्के की ज्यादातर सड़कें ऐसी हैं जिनकी बहुत ही खराब हालत है और उनकी रिपेयर वगैरा नहीं हो रही। जब मैंने इस बारे में वहां के ऐक्सीयन और एस0ई0 से बात की तो वे कहते हैं कि आपकी सड़कें तो पहले ही ठीक कर दी गई हैं जबकि असलियत यह है कि वहां पर सड़कों की रिपेयर ही नहीं की गई है। इस बारे में राज्यपाल महोदय ने जो इतनी लम्बी चौड़ी बात की है उस बारे में मेरी सरकार से गुजारि ा है कि वह

सड़कों के बारे में एक निि चत पौलिसी बनाये और उसी पौलिसी के तहत प्रदे ा की सारी सड़कों की मुरम्मत एक जैसी हो। मेरे कहने का मतलब यह है कि जो भी नई सड़कें बनाई जायें या पुरानी सड़कों की मुरम्मत हो उनकी एक जैसी ही क्वालिटी होनी चाहिए और उन पर एक जैसा ही मैटीरियल यूज होना चाहिए। मैं दावे के साथ कहता हूं कि फार्म हाउसिज की सड़कें तो अच्छी हैं लेकिन गांवों की सड़कों की हालत बहुत ही खराब है। भाहर से कोई सड़क निकलती है तो वह भाहर की सीमा तक तो ठीक है लेकिन आगे चल कर जो देहात की तरफ जायेगी उसकी हालत तो बहुत ही खस्ता होती है। जगह जगह पर खड्डे होते हैं। इसलिए मेरी सरकार से प्रार्थना है कि इस ओर ध्यान देते हुये सड़कों की मुरम्मत जल्दी से जल्दी करें।

उपाध्यक्ष महोदय, अस्पतालों के बारे में भी इस अभिभाशण में कुछ कहा गया है। मैं यह बात दावे के साथ कहता हूं कि किसी भी सरकारी हस्पताल में दवाइयां डाक्टरों से मरीजों को नहीं मिलती। अगर आप मेरी बात को गलत समझते हैं तो आप किसी भी आदमी को भेजिए। अगर आपको वहां पर दवाइयां मिल जायें तो मैं मान जाऊंगा। अगर कोई व्यक्ति किसी भी बिमारी के ईलाज के लिए हस्पताल में जायेगा तो उसे दवाईयां नहीं मिलेगी। दवाइयां ने मिलने के कारण ही आज हरेक भाहर में प्राईवेट डाक्टरों का काम खूब चल रहा है। उन्होंने बड़े बड़े नर्सिंग होम खोले हुए हैं। इन नर्सिंग होमों में गरीब लोगों की

खूब लुटाई हो रही है। सरकारी हस्पतालों में कोई सुविधा न मिलने के कारण ही लोग प्राईवेट डाक्टरों के पास अपने ईलाज के लिए महबूरी में जाते हैं।

उपाध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाशण में हरिजनों के कल्याण की भी बात कही गई है। मैं आपके माध्यम से सरकार से एक प्रार्थना करना चाहता हूं जो मेरे हल्के की है। मेरे हल्के में एक बामनी खेड़ा गांव है वहां पर हाउसिंग बोर्ड की तरफ से एक कालोनी बनाई गई है। वहां पर हरिजन रहते हैं। उन मकानों की छत कभी भी गिर सकती है। वे लोग वहां पर मजबूरी में रह रहे हैं। इसी प्रकार से दीवारों में भी सीमेन्ट की बजाये रेत लगाया हुआ है। उन मकानों के गिरने का खतरा है। मैं आपके माध्यम से प्रार्थना करना चाहता हूं कि उन मकानों की जो हाउसिंग बोर्ड ने बनाये हुए हैं जल्दी से जल्दी मुरम्मत करवाई जाये ताकि लोगों को किसी जान माल का नुकसान न उठाना पड़े।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं भाूगर मिल के बारे में कहना चाहता हूं। इस बात का जिकर राज्यपाल महोदय ने भी अपने अभिभाशण में किया है कि पलवल में भी एक भाूगर मिल है। यह बड़े अचम्भे की बात है कि इस साल उसकी रिपेयर पर डेढ़ करोड़ रुपया खर्च किया गया और इस डेढ़ करोड़ रुपया खर्च करने के बाद भी उस भाूगर मिल पलवल ने पिछले साल की तुलना में कम गन्ना पेड़ा है। मेरे कहने का मतलब यह है कि उस मिल ने मिल

मौड्रेनाईजे ान से पहले यानी पिछले साल जो पिड़ाई की थी वह आज तक नहीं की है। जब पिछली 7 तारीख को हमारे इलाके के लोगों ने प्रद र्न किया तो डी0सी0 की मौजूदगी में भूगर मिल के एम0डी0 ने कहा कि मेरा क्या कसूर है, मैं तो नया–नया था और मुझे तजुर्बा नहीं था। डेढ़ करोड़ रुपया सरकारी खजाने से इस मिल पर लगाया गया परन्तु फिर भी उत्पादन बढ़ने की बजाए घटा है इससे बढ़ कर और भ्रश्टाचार की हद क्या हो सकती है? (विध्न) उपाध्यक्ष महोदय, 50 लाख रुपये की रा ि ा पलवल भूगर मिल को दे दी और जनरल बौडी की कोई मीटिंग भी नहीं बुलाई। पलवल भूगर मिल के एरिया की डी0ए0वी0 स्कूल के नाम रजिस्ट्री करवा दी और 15 लाख रुपये की रा ि ा डी0ए0वी0 स्कूल की संस्था को स्कूल चलाने के लिए दे दी। भूगर मिल को इतनी बड़ी रकम किसी संस्था को देने की क्या जरूरत थी? अगर वहां स्कूल ही बनाना था तो भूगर किल वाले खुद से अपना स्कूल बना कर चला सकते थे। इसी प्रकार हमारे इलाके के किसानों का 70 परसैंट गन्ना खेतों में खड़ा है। डिप्टी स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से प्रार्थना करना चाहूंगा कि पलवल भूगर मिल को कहा जाए कि वह गन्ना उठायें और इस मिल की तरफ पूरा ध्यान दिया जाना चाहिए। वहां गन्ने की तुलाई में भी भारी पैमाने पर हेराफेरी की गई है और कांटों पर जान बूझकर गलत तुलाई की जाती है।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान बसों की सर्विस के बारे में दिलाना चाहूंगा। जहां तक

हरियाणा में बसों की संख्या का सवाल है जिला फरीदाबाद में सबसे कम बसें हैं और फरीदाबाद में भी अगर कहीं सबसे कम बसें हैं तो वह पलवल में हैं। मैं आपके माध्यम से सरकार से प्रार्थना करना चाहूंगा कि सरकार का किसी भी इलाके के साथ इस प्रकार का पक्षपातपूर्ण रवैया नहीं होना चाहिए और सभी क्षेत्रों का समान रूप से विकास होना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, यह सरकार प्रजातन्त्र की बात करती है लेकिन दूसरी और विधायकों के खिलाफ झूठे मुकदमें दर्ज किये जाते हैं। मेरे खुद के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। जब चौधरी भजन लाल वहां पर गए थे तो मेरे खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। वह मुकदमा इन के कहने से दर्ज किया गया या अफसरों ने इनको खुख करने के लिए किया, मुझे पता नहीं है लेकिन मेरे खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया, कि मैंने किसी नाबालिग लड़के–लड़की की भाादी करवाई है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सारे हाउस को बता देना चाहता हूं कि नाबालिगों की भाादियां करवाना मेरा काम नहीं है यह काम तो आदरणीय मुख्य मन्त्री जी का ही है और वही ऐसी भाादियां करवा सकते हैं। (विध्न) इसी प्रकार से, उपाध्यक्ष महोदय, उद्योगों के विकास के बारे में राज्यपाल महोदय के अभिभाशण में जिक्र आया है कि हरियाणा बनने के बाद यहां पर उद्योगों का बड़ा विकास हुआ है लेकिन उद्योगों के विकास के साथ ही साथ राज्य में प्रदूशण भी बढ़ा है। हमारे पलवल में कपड़े की एक फैक्टरी लगी है। उस मिल से इतनी बदबू आती है कि लोग सो भी नहीं सकते। इसी प्रकार हथीन में मोदी भाराब की

फैक्टरी है। मेरे भाई अजमत खान जी भी यहां पर बैठे हुए हैं और उन्हें भी पता है कि इस मिल से कितनी बदबू और प्रदूशण फैल रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, हम यह चाहते हैं कि सरकार उद्योगों को बढ़ावा दे लेकिन सरकार को प्रदूशण फैलाने वालों की ओर भी गम्भीरता से ध्यान देना चाहिए। इस बारे में यह सुझाव देना चाहूंगा कि सरकार या तो इनका जोन अलग बनाए ताकि प्रदूशण न फैले या फिर महकमे को कड़ी हिदायतें दे कि प्रदूशण के नियमों को वे फैक्टरी मालिकों से कड़ाई से लागू करवाएं। उपाध्यक्ष महोदय, रजत जयन्ती वर्श के नाम पर राज्य में ढोंग रचा जा रहा है। सरकार द्वारा हर जिला स्तर पर बहुत लम्बे बम्बू टाईप डंडे खड़े करके रजत जयन्ती मनाने का ढोंग किया जा रहा है जिस पर लाखों रुपये खर्च किए गए हैं। अगर सरकार वास्तव में रजत जयन्ती मनाना ही चाहती है तो इस धन का सही इस्तेमाल करती। एक और तो राज्य में सड़कें और गलियां टूटी पड़ी हैं और दूसरी तरफ सरकार लाखों रुपया रजत जयन्ती मनाने पर फिजूल खर्च कर रही है। वास्तविक रजत जयन्ती तो यह होती कि सरकार इस पैसे को किसी हरिजन बस्ती के विकास के लिए खर्च करती। हरिजन बस्तियों की इतनी बुरी हालत है कि लगता है वहां आदमी नहीं बसते और सरकारी व्यवस्था वहां पर कहीं नजर नहीं आती है। मैं फरीदाबाद कम्पलैक्स अथौरिटी का एक और उदाहरण यहां पर देना चाहता हूं कि कुछ पत्थर उठा कर वहां पर ला कर रख दिए गए हैं और उनको नाम दिया गया है ''ब्यूटिफिके ान'' का और इस पर करीब 22 लाख रुपये खर्च कर दिए गए हैं।

उपाध्यक्ष महोदय, अगर वह 22 लाख रुपये किसी गरीब बस्ती पर खर्च किए जाते तो ज्यादा अच्छा होता (घण्टी) उपाध्यक्ष महोदय, इन भाब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

श्रीमती चन्द्रावती (लोहारू): डिप्टी स्पीकर साहब, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करती हूं। राज्यपाल जी का जो अभिभाशण है उस पर मैं अपने विचार प्रकट करना चाहती हूं। इनके अभिभाशण में 37 पैरे है। इनमें से मैं पैरा 35 पर सबसे पहले बोलना चाहती हूं। उसमें यह कहा गया है कि भ्रश्टाचार का उन्मूलन करने तथा प्र ाासन में कार्यकु ालता लाने के लिए राज्य स्तर पर डिले चैंकिंग यूनिट का गठन किया गया है जो मुख्यालों तथा क्षेत्रीय कार्यालयों की अचानक जांच करता है। प्र ाासकीय सुधार विभाग ने कार्य प्रक्रिया और प्रणाली आदि का अध्ययन करने के लिए एक अनुसंधान यूनिट का गठन किया है ताकि प्र ाासनिक समस्याओं का पता लगाया जा सके और ठीक निर्णय लेने के लिए राज्य सरकार को ठोस सुझाव दिए जा सकें। मुझे खु ाी है कि ऐसा किया गया है और सबसे बड़ी समस्या यही है। अगर प्र ाासन कु ाल होगा और इसे हैंड इन ग्लब करेंगे तो इससे प्र ाासन की ऐफि ाऐंसी बढ़ेगी। जहां पर भ्रश्टाचार होगा वहां अकु ाल प्र ाासन होगा। अगर इस चीज को मिटा देंगे तो हरियाणा की जो इतनी समस्याएं हैं, वह खत्म हो जाएंगी और जो

वी0आई0पीज0 के लिए इतनी सिक्योरिटी का इन्तजाम किया जाता है इस इन्तजाम की जरूरत नहीं पड़ेगी। मैं आपको सिक्योरिटी की एक बात कहूं कि वी0आई0पीज0 के परिवारों के लिए भी सिक्योरिटी का इन्तजमा किया जाता है। अगर वे किसी होटल में जाते हैं तो वे रात को काफी देर–देर तक वहां बैठे रहते हैं, सिक्योरिटी वालों का उनको कोई ख्याल नहीं होता है, उनके खाने पीने का कोई इन्तजाम नहीं होता है और न ही उनकी डयूटी का कोई टाईम होता है। मेरा कहना है कि उनकी पूरी तरह से पहले डयूटी फिक्स की जाए कि इनते घन्टे तक काम करना पड़ेगा। उनकी डयूटी यदि फिक्स नहीं करेंगे तो वे क्या सुरक्षा करेंगे? उनके खाने पीने का प्रबन्ध नहीं होता है तो इस तरह की प्रोब्लम रहेगी। इसलिए मैंने यह प्र न किया है। उपाध्यक्ष महोदय, आज मेरा एक प्र न सड़कों के बारे में था कि सड़कों के लिए जो पैसा निर्धारित किया जाता है वह खर्च नहीं किया जाता है और इसकी वजह से वे टूटी पड़ी हुई हैं। जो सरकारी कारों में चलते हैं, वे कहते हैं कि हमें तो सड़कों पर चलने से आराम महसूस होता है लेकिन उपाध्यक्ष महोदय, हमें तो बेआरामी होती है। सरकारी टायर घिसने से हमारा जी तो दुःखी होता है। एक तो हम अगर उभाने पैर चलें, भालों पर चलें तो हमारे पैरों में कांटे चुभेंगे ही। अगर हमारे टायर घिसते हैं तो हमें तो दुःख होता है अगर सरकारी टायर घिसते हैं तो छोर में आग लगी हुई है किसी को कोई दुःख नहीं होता। वे जो सड़कें हैं उनसे क्या सरकारी बसें नहीं टूटती? क्या सरकारी कारें नहीं टूटती लेकिन मैं

आपको एक बात बताऊं और कहती हूं कि सड़क के साथ सभ्यता चलती है। मैं सारे प्रान्त की बात कहूंगी ना कि सारे दे ा की क्योंकि दे ा की बात यहां कहने से कोई फायदा नहीं है। मैं कहना चाहती हूं कि स्टेट हाई–वे जो नारनौल, दादरी, जींद और भिवानी से होकर आता है, सबसे ज्यादा उस पर आवागमन है औ ट्रक भी वहां से जाते हैं। मैं मुख्य मंत्री जी से पूछना चाहती हूं कि राज्यपाल जी के भाशण में क्या जिक्र नहीं किया गया कि इसको ने ानल हाई–वे करना चाहिए। एक ही ने ानल हाई–वे है जो हरियाणा के बीच मे से होकर गुजरता है और इस पर बेहद भीड़ होती है। उस पर कोई कैटल क्रोसिंग हो, कोई पैडस्ट्रीयन क्रोसिंग हो, कुछ तो हो। आज जो जानवर पानी की तला ा में आते हैं वे सड़क पर भीड़ की वजह से कुचले जाते हैं। आज पापुले ान बढ़ रही है, ट्रक बढ़ रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, जब ये सड़क बनाएं तो इनको इस बात का ध्यान रखना चाहिए। मेरे हल्के में दो सड़कें है वह 10 साल से पड़ी हैं। एक तो सिरसी और दूसरी पैलकी की सड़क है। इसके अलावा एक सधनवा और ओबरा की सड़क है यह भी बहुत साल से पड़ी है। इन पर बीच में कभी काम हो जाता है और कभी काम नहीं होता। मैं चाहती हूं कि इन सड़कों को भी पूरा किया जाये। इसके अलावा मैं रोड़ के साथ रोड़वेज की बात भी बताती हूं। डिप्टी स्पीकर साहब, इन्होंने दादरी में एक नया डिपो बना दिया। यह बहुत अच्छी बात है लेकिन जितनी हरियाणा में खराब बसें थी वह इन्होंने वहां भेज दीं। उसके बाद इन्होंने ऐसे जी0एम0 साहब वहां भेज दिये तथा

ये इंस्ट्रक ांज दे दिये कि जो सड़क 250 कि0मी0 पूरी न हों उन पर बसें न चलाओं। जो बसें इंटीरियर में जाती थी वे बन्द कर दी। उसने भूंगल की बस बन्द कर दी। भौहार का हमारा सबसे बड़ा गांव है वहां की बस भी बन्द कर दी। इसके अलावा बसें बढ़ेडी, कलाड़ी और सिवाच तथा मढ़ौली को भी नहीं जाती है। इस तरह से इन्होंने यहां पर भी बसें बन्द कर दी। जब प्राइवेट लोगों की बसें भर भरकर चलती हैं। यहां तक कि लोग खड़े होकर जाते हैं तो अच्छा है कि आप प्राइवेट बसों को ही चलायें। अगर कोई वहां पर टैम्पू वगैरह चलाता है तो उसका भी ये लोग चालान कर देते हैं। इसलिए अगर आपके पास बसें नहीं हैं तो वहां पर कुछ तो बसें बगैरह देनी ही पड़ेंगी। आप तो कहते हैं कि गांव के लोगों को मेरी सरकार बहुत ज्यादा सुविधा देगी। इसलिए वहां पर आवागमन की सुविधा होनी चाहिए और वहां पर जो बसें बन्द कर दी हैं वे बसें चलानी चाहिए। डिप्टी स्पीकर साहब, हमें भी पता है कि भिवानी के डिपो में बड़ा घाटा रहा है लेकिन यह घाटा क्यों रहा क्या उन लोगों ने कभी सोचा है? मैं भी यह चाहती हूं कि पता लगाना चाहिए कि यह घाटा क्यों रहा। (ाोर) मैंने सबकी पोल बताने का ठेका नहीं ले रखा है।

ि ाक्षा के बारे में राज्यपाल जी ने अपने अभिभाशण में कहा कि हम लड़कियों की ि ाक्षा का प्रबन्ध करेंगे।

श्री अमर सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। डिप्टी स्पीकर साहब, मुख्य मन्त्री साहब बहन चन्द्रावती जी से कहते हैं,

बता दें। पिछली बार सै ान में यह बात आयी थी कि लाखों रुपये का घोटाला किया गया और डिपार्टमैंट ने मिनी बसों को खरीदने के लिए मना किया था लेकिन वे बसें खरीदी गयी। पिछली सरकार में ये बसें खरीदने वाले ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर अब आपकी गोद में बैठे हैं हम क्या करें? ऐक ान तो अपने लेना है।

श्रीमती चन्द्रावती: डिप्टी स्पीकर साहब, मैं लड़कियों की ि ाक्षा के बारे में कहना चाहती हूं कि सरकार ने ब्रांच स्कूल कई जगह खोल रखे हैं और मेरे हल्के में सबसे ज्यादा ब्रांच स्कूल हैं। ये स्कूल प्राइमरी तक होते हैं। कहीं ये तीन जमात का कर देते हैं और कहीं पांच जमात का कर देते हैं। तो चाहे कोई नजदीक का स्कूल है या दूर का स्कूल है, इन स्कूलों में मास्टर कभी नहीं जाता। न तो वह स्कूल में डयूटी देता है और न ब्रांच के स्कूल में डयूटी देता है। इसलिए मैं आपके द्वारा सरकार से प्रार्थना करती हूं कि इन ब्रांच स्कूलों को बन्द करके पूरा स्कूल बनाया जाये। सारे हरियाणा में लोहारू कांस्टिचुऐंसी सबसे लम्बी कांस्टीचुऐंसी है जबकि इसमें सिर्फ दो हाई स्कूल लड़कियों के हैं। यह स्कूल एक बहाल में और एक लोहारू में है। मैं चाहती हूं कि जो बड़े गांव हैं उनमें ये स्कूल होने चाहिए। सेरला में भी और छोटी मडौली कलां में भी जो कि बड़े गांव हैं और लोगो की भी मांग है कि यहां पर लड़कियों के लिए स्कूल होने चाहिए, ये स्कूल खोले जाने चाहिए। इसी तरह से दूसरा गांव ओबरा है वह भी बड़ा गांव है उसमें भी स्कूल होना चाहिए। वहां पर तो लोग बिल्डिंग देने

तक तैयार हैं। इसलिए इस प्लान में वहां पर भी स्कूल होना चाहिए। पिछली बार सिर्फ एक स्कूल 10+2 का वहां पर खुला था। इसके बारे में यह सरकार तो कहती है कि हमने खुलवाया है और पिछली सरकार कहती थी कि हमने खुलवाया था। तो सिर्फ एक 10+2 का स्कूल हमें दिया गया। मैंने आज भी पढ़ाई के बुर हाल के बारे में एक कालिंग अटैं ान मो ान दिया था। कहां तो हम यह कहते हैं कि सारे हरियाणा में साक्षरता करेंगे और कहां नकल हो रही है। यह बात ठीक है कि टीचर भी नकल करवाना चाहता है, मां बाप भी करवाना चाहते हैं। बहुत बुरा हाल है। इसका कुछ न कुछ तो इंतजाम होना चाहिए और नकल नहीं होनी चाहिये। अभी तो नहीं, आज से 4–5 दिन पहले मुझे एक प्रोफैसर मिल गया। वह सच्चा आदमी था। मैंने पूछा कहां जा रहे हो तो कहने लगा नकल की जगह जा रहा हूं। मैं भी पास जाकर देख लूं कि नकल कैसे होती है? अगर एकाध कोई यह कहता है कि नकल नहीं करने देंगे तो उसको कोई वहां खड़ा नहीं होने देता। (व्यवधान व भाोर) मुख्य मन्त्री तो आप लोग ही रहे हैं। मैं तो गवर्नमैंट में बहुत कम रही हूं। मैं तो आन दी रौंग साईड आफ दी गवर्नमैंट रही हूं। मेरे कहने से तो कोई काम ही नहीं होता। मैं यह चाहती हूं कि टैक्नीकल स्कूल हों। इस बात की तरफ ज्यादा से ज्यादा ध्यान देना चाहिये कि टैक्नीकल स्कूल जरूर होने चाहिये। लोहारू में तो कोई टैक्नीकल स्कूल हैं ही नहीं और न ही कोई आई0टी0आई0 वगैरह है। टैक्नीकल स्कूल की बात आप वहां पर अव य करें। दूसरे एक वहां पर ऊन का कारखाना था,

वह भी बन्द पड़ा है। उसको दोबारा से भाुरू करें। वहां पर खेती के अलावा गुजारे के और कोई साधन नहीं है। वहां की भेड़ों की ऊन अच्छी है। उस कारखाने को अगर आप ठीक से चला देंगे तो वहां के लोगों को काम मिलने की आ ाा है। वहां पर भेंड़ें भी पाली जाती हैं। राजस्थान नजदीक लगता है। कच्चे माल की वहां पर सबसे ज्यादा सहूलियत है। मैं आपसे यह प्रार्थना करती हूं कि उस कारखाने को चालू किया जाये। इसके अलावा खेती और नहर के बारे में मैं इक्ट्ठी ही बात कर दूंगी। इस बारे में जो कहा गया, वह ठीक है। थीन डैम का तो अब पता ही नहीं लगता। लोग उसका तो नाम ही भूल गये हैं कि वह बनेगा या नहीं बनेगा। पानी पाकिस्तान को तो जा रहा है लेकिन पंजाब और हम और ही कहीं बातों पर लड़ाई जारी रखे हुए हैं। जब यहां पर पानी की कमी है तो वह पानी कहां से आयेगा। कम से कम एक बात का तो मुझे पता है। मैं पिछले दिनों मेहम से बौंध तक नहर की पटरी–पटरी गयी थी। मैंने वहां पर देखा कि नहर अटी पड़ी है। मिट्टी की एक कस्सी भी उसमें से निकाली नहीं गयी है। यही नहीं, किसी की डि–सिल्टिंग नहीं हुई है। लोहारू में जितने भी रजबाहे और नहरें हैं, वे सब अटे पड़े हैं। मैं चाहती हूं कि आप देखें, मुख्य मन्त्री महोदय और इरीगे ान एंड पावर मिनिस्टर महोदय अपनी जानकारी के लिये वहां पर जाकर देखें कि क्या हालत है। इस तरह से यहां पर हाउस में बैठकर कह देना कि सब ठीक है, अच्छा नहीं है। मैं आपके सामने सारे हरियाणा की बात कह रही हूं। आज नहरों के बारे में पोजी ान यह है कि अगर

वहां पर छंटाई नहीं होती है तो वहां पर पानी कहां से आयेगा। जो भी पानी हमारे पास है, उसका एकसा बंटवारा होना चाहिये। हमारी यही आपसे प्रार्थना है कि नहरों की और रजबाहों की सफाई होनी चाहिये ताकि पानी टेल तक पहुंच सके। एक प्रार्थना हमारी और है। हरेक बार पानी तो नहरों में कम आता ही है। इसके अलावा खारे पानी की कुछ बैल्ट्स हैं। खारे पानी की बैल्ट के लिये जो स्कीम बनायी गयी थी चौधरी बंसी लाल जी के वक्त में, उसके मुकाबले में जरूरत अब तो अढ़ाई गुना बढ़ गयी है। उतने पानी से कैसे पूरा हो सकता है? हमें ऐसे इलाकों के लिये पानी भी पूरा देने की कोि ा ा करनी चाहिये। हमारे यहां पर एक मीठी गांव है, उसमें बूस्टिंग स्टे ान बनना था। उसे पूरा नहीं बनाया गया है। इसी तरह से जितने भी गांव हैं जहां पर खारे पानी की बैल्ट है, वहां पर हमें पूरा पानी देना चाहिये। इसके बाद मैं मेलों की बात कहना चाहती हूं। कहते हैं कि खेती का प ाुओं से बहुत ताल्लुक होता है। जब से यहां पर कांग्रेस सरकार आयी है, उस सरकार ने यह कर दिया है कि विदे ाों की अच्छी कोई चीज है, चाहे कोई चीज खेती वाली है उसका आयात किया जाये और कोई दूसरे खराब प ाु हैं, उनका निर्यात किया जाये। लोग जर्सी गायें लेना चाहते हे। लेकिन उनको गायें खरीदने की मंजूरी नहीं दी जाती। इसके अलावा प ाुओं के मेलों के लिये कोई जगहें नहीं है। प ाुओं के लिये जो पैसा इक्ट्ठा होता है, वह पैसा पता नहीं कहां पर खर्च किया जाता है। प ाुओं के पीने के लिये पानी का कोई इन्तजाम होना चाहिये और चारे का प्रबन्ध

होना चाहिये। प ुओं के मेलों के लिये जगह मियत होनी चाहिये। इस संबंध में किसी प्रकार का कार्य नहीं हो रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, पहले बहुत सी प ुओं की प्रद र्शनियां लगती थी लेकिन अब मैंने कभी भी कोई प ुओं की प्रद र्शनी नहीं देखी। इसी तरह से डिस्पेंसरियों का भी बुरा हाल है। न ही वहां पर डाक्टर होते हैं, न दवाईयां ही मिलती हैं और न ही इंजैक् ान मिलते हैं। उपाध्यक्ष महोदय, किसान का खेत ही केवल किसान धन नहीं होता क्योंकि कुएं की मिट्टी तो कुएं में ही लग जाती हैं बल्कि प ुधन भी उसके लिये बड़ा ही महत्व रखता है। असली किसान तो तब कहलाएगा जब उसके पास अच्छी नसल की गाएं होंगी, भैंस होंगी और अच्छी नस्ल के बैल होंगे। मुझे बड़े ही अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि प ुओं की नसल सुधारने की और सरकार का कोई वि ोश ध्यान ही नहीं है।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपको एक बात बताना चाह रही हूं कि मेरे हल्के में एक डिस्पैन्सरी है। वहां का जो डाक्टर है, वह बिल्कुल नकारा है, कोई काम नहीं करता है। उसका वहां पर किसी को कोई फायदा नहीं हो रहा है क्योंकि वह एक ड्रगिस्ट है और अपने आप ही इंजैक् ान लगा लेता है। उसके बारे में हमने कई बार सरकार को ि ाकायतें भी की हैं कि उसको वहां से बदल दिया जाए। उसको एक बार हमने वहां से बदलवाया भी था पर पता नहीं वह फिर किस बलबूते पर वही वापिस आ गया? मेरा कहने का तात्पर्य यह है कि अगर किसी भी विभाग का कोई

नालायक अफसर हो, जिसे लोग न चाहते हों तो उसे बख्शा नहीं जाना चाहिये। इसलिये मेरी सरकार से रिक्वैस्ट है कि लोगों की भलाई इसी में है कि ऐसे डाक्टर को वहां से जल्दी बदल दिया जाए नहीं तो वहां की डिस्पैन्सरी की और बुरी हालत हो जाएगी। उस डाक्टर की या तो छुट्टी कर दो या फिर उसे पैन ान पर भेज दो पर परमात्मा के वास्ते उस आदमी को वहां से ट्रांसफर कर दो। चाहे मुख्य मन्त्री महोदय उसको अपना ऐडवाइजर ही क्यों न लगा लें या फिर उसको अपना पर्सनल फिजीि ायन ही रख लें इसका हमें कोई एतराज नहीं है पर वहां से उसको ट्रांसफर कर दीजिएगा। मेरी मुख्य मन्त्री महोदय से यह प्रार्थना है।

उपाध्यक्ष महोदय, पीछे सरकार ने कहा था कि यह पावर्टी हटाएगी लेकिन कहीं भी इसका जिकर राज्यपाल महोदय के अभिभाशण में नहीं आया है कि यह सरकार अन–इम्पलायमैंट को दूर करने के लिये कोई ठोस पग उठा रही है। न ही किसी तरह का कोई जिकर ही किया गया है कि हम कितने लोगों को रोजगार देंगे। न ही इस सरकार ने बेरोजगारों को नौकरी देने का ही कोई प्लान बनाया है। आप भी अच्छी तरह से जानते हैं कि जो लोग चण्डीगढ़ में रहते हैं उनका एक भाई तो हरियाणा में लग जाता है, एक पंजाब में लग जाता है और एक दिल्ली व यू0टी0 में लग जाता है लेकिन हिमाचल प्रदे ा वाले किसी का

हाथ नहीं पड़ने देते। सो मेरी सरकार से प्रार्थना है कि सरकार इस बेरोजगारी को हटाने की और भी सजग कदम उठाये।

इसके अलावा राज्यपाल के अभिभाशण में कहीं भी राजधानी का जिकर नहीं किया गया कि हम कहां पर अपनी राजधानी बनाएंगे। प्रधानमन्त्री के घर पर जो स्ट्रांग लौबी विराजमान है मैं उससे यह कहूंगी कि अगर दूसरे प्रान्तों जैसे मद्रास की तामिलनाडू, आन्ध्र प्रदे ा, महाराश्ट्र, गुजरात, मेघालय और अरूणाचल की अलग–अलग राजधानियां बन सकती हैं तो फिर पंजाब और हरियाणा की क्यों नहीं बन सकती? असल बात तो यह है कि जो प्रधानमन्त्री के घर पर स्ट्रोंग लौबी बैठी हुई है, वह यह काम नहीं होने देती। मैं तो यही कहूंगी कि पंजाब और हरियाणा के झगड़े की जड़ ही केवल चण्डीगढ़ है। इसमें पंजाब और हरियाणा के लोगों का क्या कसूर है? यह भारत सरकार के कर्मों का फल है जो सारा दे ा भुगत रहा है। दिल्ली में जो बैठें हैं उनका तो कुछ नहीं बिड़ता। बिगड़ता तो हरियाणा और पंजाब वासियों का है जिनके रोजाना लोग मरते हैं। इसलिये मेरी इस सरकार से विनती है कि वे इस मामले की और वि ोश ध्यान दे और इस चण्डीगढ़ के झगड़े को जल्दी ही निपटाने का प्रयत्न करें। मुझे तो कोई उम्मीद नहीं है कि दिल्ली वाले अब भी अलग अलग राजधानियां देंगे। केवल लोगों का मन रखने के लिये या लोगों को सुनाने के लिये कहते रहते हैं कि हम रावी ब्यास का पानी भी देंगे। हमारे कुछ इंजीनियर्ज की राय थी कि इनके

साइफन को बड़ा कर दें, रैगुलेटर को बड़ा कर दें और इनके किनारे ऊंचे कर दें लेकिन आज यह नहर कुछ पौलेटि ायंज के लिए सोने की मुर्गी बनी हुई है। करोड़ों रुपए इस पर खर्च हो चुके हैं, मुझे तो उम्मीद नहीं है कि यह पूरी होगी। यहां पर लोग ऐडजर्नमैंट मो ान इसलिए दे देते हैं कि हमारा नाम अखबारों में आ जाए। जब चीफ मिनिस्टर बनने की बारी आती है तो ऐसी सारी बातें भूल जाते हैं। उसके बाद या तो अपने परिवार को याद रखते हैं या अपने भाई बन्धुओं को याद रखते हैं दूसरा आदमी याद नहीं रहता। माफ करना चाहे चौधरी भजन लाल जी मुख्य मन्त्री बन जाएं या चौधरी देवी लाल या कोई और बन जाए सभी का यही हाल है वरना रावी ब्यास का पानी लेना मु कल नहीं है। पंजाब में पानी की कमी नहीं है, अगर थीन डैम बन जाए तो सारी समस्या हल हो सकती है लेकिन इसको कोई बनाना ही नहीं चाहता। न पंजाब वाले चाहते हैं और न हरियाणा वाले चाहते हैं।

उपाध्यक्ष महोदय, एक बात मैं स्वास्थ्य के बारे में कहना चाहती हूं। पीने का पानी हमारे कस्बों और गांवों में बहुत गन्दा आता है इसी वजह से नई नई बीमारियां हो रही हैं। पानी गन्दा होता है और उसको ठीक से प्योरिफाई नहीं किया जाता। आज प्राइवेट डाक्टर्ज ने भाहरों में बहुत ज्यादा डिस्पैंसरीज और क्लीनिक्स खोल रखी है। सरकार को चाहिए कि वह ज्यादा से ज्यादा डाक्टरों को देहातों में भेज कर इन बीमारियों की रोक

थाम करवाएं। मैं तो यह कहूंगी कि कांग्रेस के राज में मच्छर और भ्रश्टाचार ये दो ही चीजें बढ़ी हैं।

चौधरी भजन लालः बहिन जी, आप भी तो कांग्रेस की ही देन हैं।

श्रीमती चन्द्रावतीः मैं कांग्रेस राज की देन नहीं हूं। उस समय भ्रश्टाचार इतना नहीं था और मैं उसमें कभी भागीदार नहीं बनी। मैं कहना चाहती हूं कि अगर आज दे ा में पोलेटि ान ईमानदार हो जाता है तो ब्यरोक्रेट अपने आप ठीक हो जाएगा। आज ब्यूरोक्रेट हमसे भी ज्यादा क्रप्ट है। ब्येरोक्रेट तो एक घोड़ा है। इसलिए अगर सवार अच्छा होगा तो घोड़े की हिम्मत नहीं है कि वह ठीक न चले। वह सवारी भी देगा और अच्छा काम भी करेगा। आज वह रि वत भी खाता है और काम भी नहीं करता। आज कहीं भी प्र ाासन नाम की चीज नहीं है। किसी अफसर को टैलीफोन करो तो कोई मिलता ही नहीं है, कहते हैं कहीं मीटिंग में गए हुए है।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं बिजली के बारे में कुछ कहना चाहती हूं। बिजली ठीक मिल रही है लेकिन उसमें ब्रेक–डाउन कितनी हुई है और लो वोल्टेज कितनी हुई है यह देखने की बात है। मैं एक गांव में चली गई। लोग कहने लगे कि इतनी लो वोल्टेज है कि बच्चे पढ़ नहीं सकते। मैं कहती हूं कि आपके प्र ाासन का ढांचा काम नहीं करता है। जहां लाइन टूट गई तो

टूट गई। इसी तरह से अगर कोई ट्रांसफारमर जल गया तो जल गया कोई ध्यान नहीं दिया जाता। नीचे वाले सभी ठीक होंगे अगर ऊपर वाले ठीक होंगे। बिजली का उत्पादन करने वाले जो हमारे पावर हाउस हैं जैसे फरीदाबाद और पानीपत का पावर हाउस है ये हमें पंजाब के साथ बंटवारे के समय अपने हिस्से में मिले थे। उसके बाद पंजाब में तो और भी पावर हाउस बनाए गए लेकिन हमारा हाल वही है। इसलिए इस तरफ अव य ध्यान दिया जाए।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक बात और कहना चाहती हूं कि दादरी में एक महीने से किसान धरने पर बैठे हुए हैं। वहां पर तीन फैक्टरियां ऐसी हैं जो बहुत ज्यादा प्रदूशण फैला रही हैं। उस प्रदूशण के कारण पिछले एक महीने से वहां के किसान धरने पर बैठे हुए हैं। एक फैक्टरी तो भायद कोई कीटना ाक दवाई बनाती है। वह बहुत ज्यादा प्रदूशण फैला रही है। दूसरी दो फैक्टरीज भी ऐसी ही कोई दवाई बना रही हैं। वे भी बहुत ज्यादा प्रदूशण फैला रही है। यदि वहां पर प्रदूशण कंट्रोल बोर्ड वाले जाते हैं तो फैक्टरीज वाले कुछ ले दे कर उनकी छुट्टी कर देते हैं। इसलिए सरकार से मेरी प्रार्थना है कि वह उस तरफ ध्यान दें। इन भाब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करती हूं क्योंकि आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया। (धन्यवाद)

चौधरी ओम प्रका ा बेरी (बेरी): उपाध्यक्ष महोदय, मैं महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर धन्यवाद के प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। राज्यपाल महोदय का

अभिभाशण आने वाले वर्श की सरकार की नीतियों के बारे में होता है। राज्यपाल महोदय का अभिभाशण उक पालिसी स्टेटमैंट होता है। इस अभिभाशण में सरकार की तरफ से जो बातें राज्यपाल महोदय ने कही हैं वे नीतियां लागू हो जाती हैं और लागू होंगी। इसमें कोई भाक नहीं है कि इस अभिभाशण में जिन नीतियों के बारे में जिक्र किया गया है उनके लागू होने के बाद हरियाणा का नक ाा ही बदल जाएगा। इस अभिभाशण के पैराग्राफ 2 में जो बात कही है उसके जरिए हमारी प्रजातांत्रिक संस्थाएं मजबूत हुई हैं। हमारी पार्टी का भाासन आने के बाद हरियाणा प्रदे ा में पंचायतों के चुनाव हुए। म्यूनिसिपल कमेटीज के चुनाव हुए और सरकार बहुत जल्दी ही पंचायत समितियों के चुनाव कराने का प्रोग्राम बना रही है। यह बात बहुत अच्छी है कि हमारे दे ा की प्रजातांत्रिक प्रणाली हमारे प्रदे ा में मजबूत बनी है। यदि नीचे के लैवल पर प्रजातांत्रिक संस्थाएं मजबूत होंगी तभी अच्छे ढंग से प्रजातांत्रिक प्रणाली काम कर सकती है। नीचे के लैवल की प्रजातांत्रिक संस्थाए मजबूत हों इसीलिए सरकार ने पंचायतों और म्यूनिसिपल कमेटीज के चुनाव कराए हैं और पंचायत समिति के चुनाव कराने का प्रोग्राम बनाया है।

इसके अलावा मैं कानून व्यवस्था के बारे में कहना चाहूंगा। मैं यह नहीं कहता कि प्रदे ा की कानून व्यवस्था में पूरी तरह से सुधार हो गया है लेकिन पिछले चार पांच साल के दौरान जिस बुरे ढंग से कानून व्यवस्था में गिरावट आई थी उसमें पिछले

7–8 महीने के दौरान कंसिड्रेबल इम्प्रूवमैंट हुई है। फिर भी कानून व्यवस्था में काफी सुधार करने की गुंजाइ ा है। मिसाल के तौर पर मैं यह बात कहना चाहूंगा कि जो पुलिस का रवैया है उसमें अव य सुधार किया जाना चाहिए। हमें नकल करनी चाहिए युनाइटिड किंगडम और बर्तानिया की। वहां की पुलिस वास्तव में अपने लोगों की इमदाद के लिए हमे ाा तैयार रहती है इसलिए हमें उनकी नकल करके अपनी पुलिस को उसी रास्ते पर डालना चाहिए। इस बारे में मैं एक सुझाव देना चाहूंगा कि जिस किस्म की बोली पुलिस स्टे ांज में बोली जाती है वह बोली नहीं बोली जानी चाहिए। दे ा और प्रदे ा के नागरिकों के साथ ठीक ढंग का व्यवहार किया जाना चाहिए। जिस किस्म की बोली पुलिस स्टे ानों में बोली जाती है उस बोली के कारण कोई भारीफ आदमी थाने में जाने से घबराता है, कतराता है। यह इस सरकार की बात नहीं है लेकिन पिछले चार पांच सालों में पुलिस में जो गड़बड़ी हुई है उसको सुधारने की आव यकता है और उसमें एक नई दि ाा देनी चाहिए। मैं तो यहां तक कहूंगा कि अगर कोई क्राइम अन डिडैक्टिड हो जाता है तो उसके लिए थाने में प्रभारी को रिस्पोंसिबल ठहराया जाना चाहिए। अगर कहीं पर चोरी होती है तो जितनी रकम की चोरी होती है यदि वह बरामद नहीं होती है तो जितनी रकम चोरी होती है उसका कुछ परसैंट पैसा कंसर्न्ड थाना प्रभारी से रिकवर किया जाना चाहिए ताकि थाना प्रभारी अपनी रिस्पोंसिबिलिटी फील करके ठीक ढंग से काम करे। यदि ऐसा कर दिया जाता है तो हरियाणा प्रदे ा की कानून व्यवस्था

ठीक लाइन पर लाई जा सकती है। मुझे यह पूरा वि वास है कि सरकार इस तरफ ध्यान दे करके अपने नागरिकों को अच्छी बातें सिखाने का काम करेगी।

इसके अलावा मैं यह भी कहना चाहूंगा कि डाक्टर्ज की जो मांगे थी उनको सरकार ने माना है यह एक बहुत ही अच्छा काम है। अगर डाक्टर्ज का ऐजीटे ान चलता तो आम आदमी को असुविधा होती। सरकार ने डाक्टर्ज क ानान प्रैक्टिसिंग अलाउंस 600 रुपए से बढ़ा कर 900 रुपए प्रति माह कर दिया है यह बहुत ही अच्छा काम किया है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए और इसी पैटर्न पर मैं सरकार से गुजारि ा करना चाहूंगा कि सरकार को स्कूल टीचर्ज की चट्टोपाध्याय कमी ान की रिपोर्ट लागू करने की जो मांग है वह भी मान लेनी चाहिए। हमारे मुख्य मन्त्री जी ने 1986 के मार्च महीने में टीचर्ज से यह वायदा भी किया था और अब भी इसी महीने मुख्य मन्त्री जी की हरियाणा भवन नई दिल्ली में अध्यापकों के प्रतिनिधियों के साथ बात भी हुई है और मुख्य मन्त्री जी ने उनको आ वासन भी दिया है कि हम आपकी बात को मान कर चट्टोपाध्याय कमी ान की रिपोर्ट को लागू करेंगे। मैं कहता हूं कि जिस तरह से डाक्टर्ज की मांगों को माना गया है उसी तरह से टीचर्ज की मांग को मान कर चट्टोपाध्याय कमी ान की रिपोर्ट को लागू कर दें और जो नौन–गवर्नमैंट कालेज हैं उनके अध्यापकों की जायज मांगे सरकार को मान लेनी चाहिए ताकि ये प्राइवेट ि ाक्षण संस्थाएं भी अच्छा काम कर सकें।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं बुढ़ापा पैं ान के बारे में कुछ कहना चाहता हूं। यह स्कीम बहुत बढ़िया है। सरकार ने जो नई नीति बनाई है उससे हमारे बहुत से बुजुर्गों को बुढ़ापा पैं ान मिलने लगी है। इस बारे में सरकार से मेरा अनुरोध है कि यदि किसी अफसर ने जानबूझकर किसी बुजुर्ग को पैं ान से वंचित रखा है तो उसको पैं ान देनी चाहिए और संबंधित औफिसर के खिलाफ कार्यवाही करनी चाहिए। इस बारे में सरकार अव य ही छानबीन करवाये ताकि सभी को, जो पात्र हैं, बुढ़ापा पैं ान मिल सके।

उपाध्यक्ष महोदय, इस अभिभाशण में महिला होस्टल बनाने की भी बात कही गई है। सरकार यह बहुत ही अच्छा कार्यक्रम भाुरू करने जा रही है। हमारे संविधान में महिलाओं को बराबर के अधिकार मिले हुए हैं। कामकाजी महिलाओं के लिए सरकार हरेक जिला स्तर पर ऐसे होस्टल बना रही है जहां पर नौकरी पे ाा औरतें आराम से रह कर अपनी नौकरी कर सकें। सरकार का विचार इस स्कीम को जिला हैड क्वार्टर से लेकर ब्लौक स्तर तक ले जाने का है, यह बहुत ही अच्छी बात है। इस बारे में सरकार को मेरा सुझाव है कि ब्लाक लैवल पर भी ज्यादा से ज्यादा ऐसे होस्टल बनाये जायें ताकि नौकरी पे ाा औरतें अपना सही काम कर सकें।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं कृशि के बारे में कहना चाहता हूं। सरकार ने किसानों को इन्सैन्टिव देने के लिए एक योजना

बनाई है। किसान चाहे फलों की फसल पैदा करें या अनाज की फसल पैदा करें। अच्छी फसल पैदा करने वाले किसानों को ईनाम दिया जायेगा। यह कदम कृशि को बढ़ावा देने के लिए बहुत अच्छा कदम है। इससे किसानों को प्रोत्साहन मिलेगा और उनका अपना फायदा भी होगा।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं बिजली के बारे में कुछ जिकर करना चाहता हूं। सरकार ने कहा है कि बिजली का उत्पादन पिछले साल से बढ़ा है। यह एक अच्छी बात है कि बिजली का उत्पादन बढ़ा। सरकार 132 के0वी0 के 4, 66 के0वी0 के 2, 220 के0वी0 के 1 और 33 के0वी0 के 5 सब–स्टे ांज खोलने जा रही है। यह अच्छी बात है। इसी संदर्भ में मैं अपने हल्के के चिमनी गांव की बात कहना चाहूंगा। वहां पर लोगों ने 33 के0वी0 का सब–स्टे ान खोले जाने के लिए जमीन भी दे दी है। इस बारे में मेरी सरकार से गुजारि ा है कि इस पर जल्दी से जल्दी गौर करें ताकि वहां के लोगों को बिजली मिल सके। वहां नया 33 के0वी0 का सब स्टे ान खोलने से कृशि को भी बढ़ावा मिलेगा और दूसरे काम भी होंगे। इस तरफ सरकार अव य ध्यान दें।

उपाध्यक्ष महोदय, सरकार ने, लोगों को कोई दिक्कत न हो, प्र ाासन को भी सहयोग मिले और लोग प्र ाासन के नजदीक आएं, कुछ जिलों और उप मण्डलों का गठन–पुनर्गठन किया है। पानीपत जिले को दुबारा जिला बनाया गया है यह अच्छी बात है। रिवाड़ी जिले में एक कोसली तहसील है। वहां पर

पहले सब डिवीजन होता था। उसको बाद में तोड़ दिया गया था। लोगों की मांग है कि कोसली तहसील को पुनः सब डिवीजन का दर्जा दिया जाये। इस पर सकरा अव य गौर करे। उसको सब डिवीजन का दर्जा देने से लोगों की काफी समय से चली आ रही मांग भी पूरी हो सकेगी।

उपाध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से टैक्नीकल ऐजूके ान की तरफ भी सरकार ने वि ोश ध्यान दिया है। केन्द्रीय सरकार से इस काम के लिए नए पोलिटैक्निक खोलने के लिए अगले पांचा सालों के लिए 81 करोड़ रुपये स्टेट गवर्नमैंट को दिए गए हैं। यह एक बहुत ही अच्छी बात है। सरकार ने 4–5 नए पोलिटैक्निक खोलने की बात कही है। इस बारे में मेरी सरकार से प्रार्थना है कि बेरी के अन्दर महिलाओं के लिए एक पोलिटैक्निक अव य ही खोला जाये। जो पोलिटैक्निक बेरी में खोला जाये उसमें 27–28 ट्रेड अव य होनी चाहिए ताकि वे महिलाएं अपनी अपनी ट्रेड सीख कर अपना अपना कोई काम कर सकें।

इसी तरीके से स्वास्थ्य के बारे में आने वाले वर्शों के लिए जो प्रावधान रखे गए हैं वे बहुत ही अच्छे हैं। जो नीति आने वाले वर्शों के निए निर्धारित की गई है वह भी बहुत ही सराहनीय है। मेरा हल्का बेरी हरियाणा बनने के बाद से ही स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में उपेक्षित रहा है। यह इलाका उपेक्षित क्यों रहा है अभी मैं इसकी डिटेल में नहीं जाना चाहता। जहां तक स्कूलों के अपग्रेडे ान का मामला है अब तक मेरा हल्का इसमें काफी

उपेक्षित रहा है। पिछली सरकार ने केवल एक स्कूल को अपग्रेड किया और इस सरकार ने 3 स्कूलों को अपग्रेड किया है जब कि वहां पर कम से कम 22 स्कूल अपग्रेड किये जाने चाहिए। मैं सरकार से अनुरोध करना चाहूंगा कि आने वाले वर्श में स्कूलों का दर्जा बढ़ाने की तादाद कम से कम दुगनी जरूर की जाये और मेरे हल्के में कम से कम 12 स्कूल अपग्रेड होने चाहिये। पिछले दिनों मेरे हल्के बेरी में एक हस्पताल था लेकिन उसको डिस्पैंसरी बना दिया गया है। बेरी एक बड़ा टाऊन है और वहां के व्यापारी बहुत दूर–दूर तक गए हुए हैं और उन्होंने अपना बिजनैस कलकत्ता और दे ा के दूसरे बड़े बड़े भाहरों में फैला रखा है। (विध्न) बेरी में एक अस्पताल खोला गया था और होना तो यह चाहिए था कि वहां पर सी0एच0सी0 में उस अस्पताल को कन्वर्ट किया जाता लेकिन उसको अपग्रेड करने की बजाय डिस्पैंसरी बना दिया गया है। इसी प्रकार से मेरे हल्के के कुछ गांव हैं जहां स्वास्थ्य सेवाओं का कोई साधन नहीं है। दुबलधन, चिमनी, सिवाना, खेड़ी, खुमार माजरा, बराहना अच्छेज, बिरधाना, भम्भेवा, गोछी बड़े बड़े गांव हैं जहां पर स्वास्थ्य सेवाओं की कोई सुविधा नहीं है। मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि प्लान प्रोजैक्ट तैयार करते समय इस और वि ोश ध्यान दिया जाए और जो गांव उपेक्षित हैं उनकी भलाई के लिए भी काम हो। (घण्टी)

श्री उपाध्यक्षः बेरी साहब, अब आप अपनी स्पीच को वाइंड अप करिये।

चौधरी ओम प्रका ा बेरी: उपाध्यक्ष महोदय, मैं सिर्फ 5 मिनट का समय और लूंगा। मैं अपनी बात को कन्कलूड कर रहा हूं। मैंने एक सझाव जन–स्वास्थ्य मन्त्री जी को लिख कर भी दिया था और उन्होंने उसको मान भी लिया है उसके लिए मैं सरकार को बधाई देना चाहता हूं। जो भी ऐसे वाटर वर्कस हैं जिनको पहले म्यूनिसिपल कमेटीज मेनटेन करती थी अब उन्हें पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट मेनटेन करेगा जिससे ये वाटर वर्कस स्कीमज अच्छे ढंग से काम कर सकेंगे क्योंकि म्यूनिसिपल कमेटीज के पास इतना पैसा नहीं होता कि वे इन को अच्छी तरह से मेनटेन कर सकें लेकिन अब इनकी मेन्टिनैंस पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट के पास आ जाने से काम बिल्कुल ठीक ढंग से चल सकेगा। डिप्टी स्पीकर साहब, इसके साथ ही मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि 3–3 या 4–4 गांवों को मिला कर वाटर वर्कस स्कीमज के जरिये लोगों को पीने का पानी उपलब्ध करवाया जाता है। इसमें दिक्कत यह आ रही है कि जिस गांव से स्कीम स्टार्ट होती है वहां तो पानी की कमी नहीं रहती लेकिन जो गांव उस स्कीम से जुड़े होते हैं उनमें पानी बिल्कुल नहीं पहुंचता या बहुत कम पहुंचता है। अभी कुछ गांवों में पीने के पानी की सुविधा नहीं है। सरकार ने 31–3–1992 तक जिन 86 गांवों में पीने के पानी की सुविधा नहीं है उनको पानी पहुंचाने का भी वायदा किया है जिसके लिए यह सरकार बधाई की पात्र है क्योंकि यह कदम बहुत ही सराहनीय कदम है।

डिप्टी स्पीकर साहब, इसके साथ ही मैं 3–4 सुझाव देना चाहूंगा। यदि इन पर अमल किया जाए तो हरियाणा की तस्वीर ही बदल सकती है। बढ़ती हुए आबादी को देखते हुए और इण्डस्ट्रिलाईजे ान को देखते हुए और औटो–मोबाईल इंडस्ट्रीज में तेजी को देखते हुए इस बात की पूरी सम्भावना है कि आने वाले समय में बिजली की खपत बहुत ज्यादा बढेगी। यमुनानगर थर्मल पावर प्लांट बनाने की जो योजना है उसके बारे में मैं यह निवेदन करूंगा कि इसके लिए ज्यादा से ज्यादा पैसे का बजट में प्रावधान किया जाए और फरीदाबाद में जो गैस पर आधारित बिजली का प्लांट लगाना है उसको भी जल्दी से जल्दी भाुरू करके पूरा किया जाना चाहिए ताकि आने वाले समय में हरियाणा की बिजली की जरूरतें पूरी हो सकें। इन प्रोजैक्टों को जल्दी से जल्दी पूरा किया जाना चाहिए ताकि न र्सि बिजली के मामले में हरियाणा आत्म निर्भर हो सके बल्कि दूसरी स्टेट्स को बिजली की सप्लाई करके उनकी जरूरतों को भी पूरा कर सके। हमारे हरियाणा में घग्गर, टांगडी और मारकण्डा बरसाती नदियां हैं और इनका पानी बरसात के दिनों में वेस्ट चला जाता है। इस बारे में मैं यह निवेदन करूंगा कि इन नदियों पर छोटे–छोटे बांध बना कर या बैरेज बना कर इस पानी को इकट्ठा किया जाए और इस स्टोर्ड वाटर को जरूरत के समय किसानों को पीने के लिए तथा सिंचाई के लिए दिया जाए इससे किसानों का बहुत भला हो सकता है।

उपाध्यक्ष महोदय, एस0वाई0एल0 के बारे में मैं एक बात साफ तौर पर कहना चाहता हूं कि हमारी सरकार का सतलुज यमुना सम्पर्क नहर बनवाने के बारे में बहुत ही बेहतरीन स्टैंड है। इसके ऊपर क्वै चन मार्क नहीं लग सकता है। चाहे चण्डीगढ़ के बदले अबोहर–फाजिल्का लेने की बात हो, चाहे सतलुज यमुना सम्पर्क नहर के निर्माण की बात हो जिसके जरिए हरियाणा में रावी–व्यास का पानी आना है और चाहे 3.5 एम0ए0एफ0 (मिलियन एकड़ फीट) पानी लेने की बात हो हमारी सरकार का स्टैंड बेहतरीन है और इसमें पूरे विपक्ष को सरकार का साथ देना चाहिए ताकि जो एस0वाई0एल0 के जरिए रावी–व्यास का पानी मिलना है वह हमें मिल सके। (घंटी) इन भाब्दों के साथ मैं एक बार फिर विपक्ष से अनुरोध करूंगा ि कवह सर्वसम्मति से धन्यवाद प्रस्ताव को पारित करने में सहयोग दें।

श्री ओम प्रका ा जिन्दल (हिसार): उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। राज्यपाल के अभिभाशण पर मुझे भी कुछ बोलना है। उपाध्यक्ष महोदय, जो एक अहम चीज थी हमारी छोटी सी गरीब हरियाणा स्टेट के लिए वह इसमें नहीं कही गई। वह बहुत ही जरूरी थी और वह जब तक नहीं करेंगे तब तक इस स्टेट का कभी कल्याण नहीं होगा यह मैं आपको बताना चाहता हूं। मुख्य मंत्री जी तो अभी यहां बैठे नहीं हैं लेकिन सुन जरूर रहे होंगे। हमारे राश्ट्रपति जी ने आदे ा दिए थे कि 10 प्रति ात मिनिस्टरी

कम की जाए और वही बात हमारे प्रधान मंत्री जी ने भी कही थी। इसके साथ साथ यह भी कहा गया था कि कोई विधायक चेयरमैन न बनाया जाए। अगर कोई विधायक चेयरमैन बनाया गया तो वह हाथी के समान मंहगा पड़ेगा और इस गरीब दे ा पर काफी खर्चा पड़ेगा। तो जब तक इस स्टेट का फिजूल खर्चा और क्र ान ये दोनों चीजें न मिटेंगी तब तक इस दे ा का भला नहीं हो सकता और न ही कोई भला कर सकता है। अगर आप यह चाहते हैं कि हम इस दे ा का भला करें तो गीता को उठाकर कसम खाई जाए कि हम इस दे ा में न क्र ान करेंगे और न होने देंगे। अगर ऐसा हो जाता है तो मैं समझता हूं कि 5 साल में पूरा हरियाणा एक नम्बर की स्टेट पूरे हिन्दुस्तान में हो जाएगी और जो भी चीफ मिनिस्टर होगा उसका नाम हो जाएगा कि उसने यह काम किया है। सभी यह प्रण करें कि चाहे वे पैदल चलें चाहे वे गाड़ियो में चलें कम से कम खर्चा करें। राज्यपाल के अभिभाशण में बताया है कि हमारे हरियाणा मे कोई कहीं भी घूम सकता है, लेडीज घूम सकती हैं, लड़की घूम सकती है, आदमी घूम सकते हैं। मैं कहना चाहता हूं कि जो 50–50 हजार वोट लेकर जीत कर आये हैं उनके पीछे तो 4–4 राईफल वाले खड़े रहते हैं, वे तो सेफ नहीं हैं। लेकिन आम आदमी कहीं भी घूम सकता है और सेफ है, यह कितनी अजीब बात है। इसके साथ साथ हर जिले में लूट खसूट मची हुई है। हमारे हिसार में कई चोरियां हो जाती हैं, कभी स्कूटर चोरी हो जाता है तो कभी गाड़ियां चोरी हो जाती हैं, किसी का तेल निकाल लिया जाता है तो किसी के पैसे छीन लिए

जाते हैं। जब ये महफूज नहीं हैं तो औरतें क्या महफूज होंगी? (ोम भोम) डिप्टी स्पीकर साहब, मैं एक बात और पूछना चाहता हूं। हमारी सरकार को बने करीब 9 महीने हुए हैं। इंडस्ट्रीज मिनिस्टर साहब यहां बैठे होंगे। वे यह बतायें कि हमारे हरियाणा में एक करोड़ से भी ऊपर की कितनी इंडस्ट्रीज हैं? मैं यह समझता हूं कि यह बहुत जरूरी है और मैं इसके बारे में जानता भी हूं कि प्रदे ा के लिए इंडस्ट्री बहुत जरूरी चीज है क्योंकि इंडस्ट्रीज के बगैर सरकार चल नहीं सकती। इनसे जितना फायदा स्टेट को पहुंचता है उतना किसी और से नहीं पहुंच सकता। ऐग्रीकल्चर भी हमारे खाने के लिए जरूरी है। इंडस्ट्रीज से हमारे बेरोजगार लोगों को काम मिलता है और इनसे पैसा भी आता है, इन्कम भी आती है जिससे कि स्टेट तथा गवर्नमैंट चलती है यह तो आप सब जानते हैं। अब यह इनकी मर्जी है, इनका राज है यह कुछ भी करें। एक बात यह कहूंगा कि एस0एस0पी0 हिसार ने बड़ी ज्यादती मचाई हुई है। भाायद ही हिन्दुस्तान में कोई एस0एस0पी0 ऐसा अत्याचार करता होगा। कानून को अपने हाथ में लेकर वह बहुत अत्याचार करता है इसलिए मैं आपसे कहूंगा कि यह अत्याचार रूकना चाहिए। अगर वह नहीं रूकेगा तो बहुत बड़ा अनर्थ हो जायेगा। पब्लिक के साथ, गरीब आदमियों के साथ बड़ी ज्यादती हो रही है। डिप्टी कमि नर उसको सर कहता है और उसकी हाजिरी देता है, उसकी इजाजत पर चलता है। यह एक अलग विवाद चला हुआ है। इसके अलावा हिसार भाहर की आबादी लगभग सभी भाहरों से ज्यादा बढ़ी है और ज्यादा इलाका कवर

हुआ है जबकि पानी जो 1947 में आता था वही आज भी आ रहा है। इसकी वजहह से इस भाहर में भाराब तो मिल जाती है लेकिन पानी नहीं मिलता है। यह सब लोग भी कहते हैं इसलिए मेरा आपसे यह दरखास्त होगी कि वहां पर पानी का प्रबंध किया जाये। सारी दुनिया पलट गयी, जमाना बदल गया, सारी चीजें नये सिरे से हो गयी लेकिन हिसार के अन्दर पानी की व्यवस्था नहीं हो सकी। मुख्य मंत्री जी कहते हैं कि मैं 31 मार्च तक पानी की व्यवस्था कर दूंगा। हम भोले भाले आदमी हैं हम उनकी बातों पर वि वास कर लेते हैं। मुख्यमंत्री जी कहते हैं कि मैं 31 मार्च तक हरियाणा में इसका प्रबंध कर दूंगा तो मैं समझता हूं कि हिसार में पानी का प्रबंध हो जायेगा। वैसे अगर सरकार चाहे तो एक महीने में भी यह सब कुछ कर सकती है। अगर यह प्रबन्ध हो जाये तो बहुत अच्छी बात होगी और पब्लिक को भी राहत मिलेगी। इसके अलावा वहां पर पोल्यू ान भी बहुत फैला हुआ है, गलियों तथा नालियों में बहुत गन्दगी है। मैं समझता हूं कि मुख्यमंत्री जी इसके लिए भी सोचेंगे। (**इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए**) स्पीकर साहब, एक अह्म बात और भी है कि भाराब की बदबू से लोगों को बहुत पेर ाानी हो रही है उसके लिए भी कुछ इंतजाम किया जाये। अगर वह नहीं हुआ तो पब्लिक को बहुत परे ाानी होगी। इसके कारण लोग बहुत भड़क रहे हैं। स्पीकर साहब, अगर आप खुद सिगरेट पीते हैं तो दूसरों को सिगरेट पीने से मना नहीं कर सकते क्योंकि वे कहेंगे कि आप खुद पीते हैं। अगर आप बदबू फैलाते हैं तो दूसरों की बदबू कैसे मिटा सकते हैं? इसलिये

इसका इंतजाम भी होना चाहिये। एक हिसार भाहर में फव्वारा चौक है। यह चौक कचहरियों के पास है। वहां पर बहुत दिनों से लोगों का एक प्लान था कि दीनबन्धु सर छोटू राम का स्टैच्यू लगाया जाये। यह वहां के सभी लोगों का विचार था। पूरे भाहरवासियों का विचार था कि हम वहां पर स्टैच्यू लगायें। मैं यह समझता हूं कि हरियाणा की धरती पर गरीब लोगों और किसानों का अगर कोई भला करने वाला इन्सान था तो वह चौधरी छोटू राम था। उसका स्टैच्यू लगाने के लिए सारे बन्दोबस्त हो गये। स्टैच्यू हिसार में बनकर तैयार होकर पहुंच लिया। फाऊंडे ान बनना भाुरू हो गया। ज बवह बनना भाुरू हो गया तो डिप्टी कमि नर के आर्डर हुए कि यह यहां नहीं लग सकता है। वहां के लोगों ने कहा कि क्यो नहीं लग सकता है जबकि कमेटी द्वारा पास की हुई हमारे पास लिखित रूप में अथौरिटी है। तब उसने यह कहा कि हमें यह आदे ा है कि यहां पर नहीं लगने देना। हमने पूछा कि वह किसके आदे ा हैं। उसके प चात हमारे जाट सभा के भाई मुख्य मंत्री जी के पास मिलते हैं। इन्होंने उनसे यह कहा कि लगा लो, जैसे हमारे मुख्य मंत्री जी आदत है, बड़ी सफाई से उसी तरह से उनको, सब भाईयों को, राजी करके भेज दिया। जब वह वापिस आ गये और दूसरी बार उन्होंने बनाना भाुरू किया तो उनको वहां बनाने से रोका गया। वे मुख्य मंत्री जी से दोबारा मिले। मुख्य मंत्री जी ने कहा कि यह कहीं और लगा लो, यहां पर तो नहीं लग सकता। (विध्न) इसके अलावा, स्पीकर साहब, यह स्टैच्यू छोटू राम के नाम से है, यह दीन बन्धू छोटू

राम के नाम से होना चाहिये। आप सब जानते हैं कि इन्होंने जितने काम किये उतने काम भाायद किसी दूसरे ने गरीब किसान और जनता की भलाई के लिये नहीं किये होंगे। लोगों के दिलों में उनके लिये पूरी इज्जत है। उनका यह स्टैच्यू वहां पर अव य ही लगना चाहिये और लगेगा। इतनी बात कहने के प चात मैं यह कहूंगा कि जब तक हरियाणा से करप्ान नहीं हटायेंगे और हरियाणा की मिनिस्ट्री जब तक छोटी नहीं होगी, तब तक हरियाणा का भला नहीं हो सकता। किसी के हाथ में जादू की पुड़िया तो है नहीं कि उस जादू की पुड़िया से करप्ान आप खत्म कर सकते हो। मेरा यह अनुभव है। मेरी फैक्टरी चल रही है। मैंने बहुत दुनिया देखी है। जिस प्रदे ा का प्र ाासन ठीक नहीं होगा, उसका सुधार नहीं होगा। वहां की जनता नहीं सुधरेगी। आज जगह–जगह पर झगड़े हो रहे हैं। इस बारे में आप भी अच्छी तरह से जानते हैं और हम भी अच्छी तरह से जानते हैं। धन्यवाद।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

(i) श्रम तथा रोजगार राज्य मन्त्री (श्री कृश्ण मूर्ति हुड्डा) द्वारा

श्रम तथा रोजगार राज्य मन्त्री (श्री कृश्ण मूर्ति हुड्डा): आन ए प्वायंट आफ पर्सनल ऐक्सप्लेने ान सर। सर, मेरा परिवार सर छोटू राम से जुड़ा हुआ है। हमारे से ज्यादा सर छोटू राम के बारे में किसी को पता नहीं होगा। इन्होंने ऐसे कहा जैसे सर

छोटू राम के साथ बहुत बड़ा अन्याय हुआ है। एक बात इन्होंने यह कही कि उनकी प्रतिमा वहां पर नहीं लगायी गयी। मैं एक बात कहना चाहता हूं कि जिस पार्टी के ये सदस्य हैं, उसी पार्टी के नेता चौधरी बंसी लाल का काफी समय तक हरियाणा में राज रहा है। मेरा भाई 20 साल तक सर छोटू राम पार्क सोसाइटी का सैक्रेटरी रहा है। हर बार वे इनके पास आते थे कि आप छोटू राम के जलसे में चीफ गैस्ट बनो लेकिन इन्होंने चीफ मिनिस्टर होते हुए एक बार भी छोटू राम की प्रतिमा की फूल माला चढ़ाने की तो बात दूर की है, उस बारे में बात तक नहीं की। हर बार जब भी उनकी जयन्ती की बात आती थी, हम इनके पास जाते थे कि आप वहां पर चलो लेकिन उस वक्त चौधरी बंसी लाल ने आना तो दूर की बात है अगर कोई इनके पास जिक्र भी करता था तो उल्टा पड़ जाते थे। मुझे बड़ा अफसोस है कि जो आदमी सर छोटू राम से इतनी नफरत करते थे, उनका इतना अपमान करते थे, आज उन लोगों को सर छोटू राम से इतना लगाव क्यों हो गया है? चौधरी बंसी लाल जी यहां पर बैठे हुए हैं। मैं तो यह कहना चाहता हूं कि यह तो घड़ियाल के आंसू बहा रहे हैं। मेरे भाई जिनका अब स्वर्गवास हो गया है, कम से कम 10 साल तक इनके पास इस काम के लिये जाते रहे हैं लेकिन उस वक्त इनकी बात ही दूसरी थी। उनका नाम राम भजन था। इनके अलावा मेरे एक ताऊ सर छोटू राम जी के साथ एम0एल0सी0 भी रहे और उनकी वजह से रहे। इसके साथ ही मेरे ताऊ चौधरी राम सरूप पंजाब असैम्बली के भी मैम्बर रहे, लाहौर असैम्बली के भी मैम्बर रहे और

हरियाणा असैम्बली के भी मैम्बर रहे हैं। स्पीकर साहब, मैं इसलिये ये सारी बातें यहां हाउस में कह रहा हूं कि मेरी सर छोटू राम जी से इमो ानल अटैचमैंट रही है। चौधरी भजन लाल जी का यह रिकार्ड है कि जब से वे मुख्य मंत्री बने हैं उन्होंने जाट धर्म ााला और सर छोटू राम कालेज के लिये लाखों रुपया दिया है। मुझे बड़े अफसोस के साथ यह कहना पड़ता है कि आज जिन्दल साहब सर छोटू राम जी के बारे में क्या बोल रहे हैं? (ाोर) इनकी उनके बारे में क्या पता है? वे कह रहे थे कि सर छोटू राम जी की प्रतिमा लगनी थी लेकिन चौधरी भजन लाल जी ने नहीं लगने दी। मैं आपके माध्यम से इनसे यह पूछना चाहता हूं कि ये बताएं कि इन्होंने सर छोटू राम जी के बारे में क्या किया है? चौधरी भजन लाल जी ने मूरथल में छोटू राम जी के नाम से एक इंजीनियरिंग इंस्टीच्यूट भी बनवा दिया है। (ाोर एवं व्यवधान) लेकिन आज पता नहीं ये लोग किस मुंह से ऐसी गल्त बातें इस सरकार के बारे में यहां पर कह रहे हैं कि सरकार ने सर छोटू राम जी की याद में कुछ नहीं किया। (विध्न) स्पीकर साहब, मैं पर्सनल ऐक्सप्लेने ान इसलिये देना चाहता था क्योंकि मेरी इमो ानल अटैचमैंट उनके साथ रही है। धन्यवाद।

(ii) श्री बंसी लाल द्वारा

श्री बंसी लाल (तो ााम): स्पीकर साहब, पहले तो मैं अपनी पर्सनल ऐक्सप्लेने ान दूंगा फिर अपनी तकरीर भाुरू करूंगा। अभी हुड्डा साहब ने कहा कि मैं कभी सर छोटू राम जी

के फंक ान में नहीं गया। स्पीकर साहब, मुझे नहीं पता कि उनका भाई कौन था? क्या था? कुछ था, मैं इस बात को नहीं जानता लेकिन आज ये और इनके भाई कैसे हैं, इस बात को सारा हरियाणा जानता है। खासतौर से रोहतक तो बड़ी खूबसूरती से जानता है। मैं एक बार चौधरी छोटू राम जी के फंक ान में, रोहतक छोटू राम पार्क में गया था। मैंने उड़े देखया इन जैसे भले आदमी बैठे थे। खडया कुतका बाजे था पर मैं तो 10 मिनट में ही अपनी तकरीर करके आ गया। स्पीकर साहब, ये जहां बैठे हों, वहां भला काम कैसे होगा, मुझे बताओ? यह तो हो गई मेरी पर्सनल ऐक्सप्लेने ान।

राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, अब मैं गवर्नर महोदय के अभिभाशण के सम्बन्ध में अपने विचार रखते हुए सब से पहले पंजाब हरियाणा के झगड़े पर आना चाहूंगा जिस बारे में राज्यपाल महोदय ने भी चर्चा की है और मुख्य मंत्री जी भी उस पर चर्चा करते रहते हैं। आज हरियाणा का हर व्यक्ति अपने आपको इससे कंसंर्ड महसूस करता है। आज हरियाणा के अन्दर कांग्रेस की सरकार है और पंजाब में भी कांग्रेस की सरकार है व दिल्ली में भी कांग्रेस की सरकार है। चण्डीगढ़ से पार्लियामैंट का मैम्बर भी कांग्रेसी है। अगर अब भी यह सरकार और कांग्रेस पार्टी इस मसले को हल नहीं करना चाहती या न करे तो मैं समझूंगा कि कांग्रेस पाटी और इनके नेतागण के इरादे नेक नहीं हैं। अगर

आज के हालात के अन्दर भी ये इस मसले को हल नहीं करेंगे तो मैं बिल्कुल यह समझूंगा और आम हरियाणवी आम हिन्दुस्तानी भी यह समझेगा कि इस सरकार के इरादे नेक नहीं हैं।

स्पीकर साहब, आगे मैं नहर के पानी की बात कहूंगा कि नहर के पानी के बारे में ट्रिब्यूनल का फैसला हो चुका है और ट्रिब्यूनल का फैसला कांस्टिच्यू ान की प्रोविजन की वजह से बाइडिंग होता है। इसलिये नहर तो हमारी बननी ही चाहिये। पिछले सै ान में मुख्य मंत्री महोदय ने यहां इस हाउस में बड़े जोर भाोर से तालियां बजवा कर कहा था कि बी0आर0ओ0 को एस0वाई0एल0 नहर का बनाने का काम दे दिया गया है और पंजाब के इलैक ान होते ही अगले ही दिन इस नहर का काम भाुरू हो जाएगा, देख लेना। मुख्य मंत्री महोदय ने इस जगह पर पिछले सै ान में यह कहा था। तो मैं आज इनसे यह जानना चाहूंगा कि बी0आर0ओ0 ने इस नहर का काम भाुरू कर दिया है या नहीं किया है? अगर नहीं किया तो क्यों नहीं किया है? दूसरी बात यह है कि यहां पर फाजिल्का अबोहर के इलाके की भी चर्चा चलती रही है। स्पीकर साहब, मैं आपको यह बताना चाहता हूं कि भाुरू से आखिर तक मेरा पंजाब और हरियाणा के मसले से किसी न किसी तरह से सम्बन्ध रहा है। फाजिल्का–अबोहर का जो फैसला किया गया था उसको अब कहते हैं इन्दिरा गांधी अवार्ड। हकीकत में तो वह सैन्ट्रल कैबिनैट का फैसला है। राजीव लौंगोवाल अकोर्ड की तरह ही नहीं कि कैबिनैट का फैसला न हो।

लेकिन यह भी ठीक है कि अगर ये राजीव लौंगोवाल अकौर्ड पर कैबिनैट की मोहर लगवाना चाहते तो लगवा सकते थे। यह भी ठीक है। मगर वह फैसला राजीव–लौंगोवाल के ही बीच में था और किसी को नहीं पता था। हमारे मुख्य मन्त्री जी तो बाहर बैठे रहे इन बेचारों को तो अन्दर भी नहीं बुलाया गया कि उसमें क्या किया जा रहा है, क्या फैसला कर रहे हैं और क्या डिसीजन लेने जा रहे हैं। हमको इस बात का भी अफसोस है कि हमारे मुख्य मन्त्री जी की इतनी बेइज्जती की गई कि अकौर्ड हो रहा है, हरियाणा के खिलाफ फैसला हो रहा है और मुख्य मन्त्री को अन्दर भी नहीं घुसने दिया।

राजस्व मन्त्री (चौधरी वीरेन्द्र सिंह): आपने भी उस अकौर्ड को मान लिया था।

13.00 बजे

श्री बंसी लाल: अध्यक्ष महोदय, मैं आज भी राजीव–लौंगोवाल अकौर्ड कौन नहीं कर रहा है। चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी कह रहे हैं कि मैंने मान लिया। मैं आज भी मान कर चलता हूं मगर इन्दिरा गांधी जी का जो एवार्ड था, जो सट्रल कैबिनैट का फैसला था वह उससे कई साल पहले का था। दोनों लागू करो, फाजिल्का–अबोहर भी हमको दो और हमारा नहर का पानी भी लाओ। नहर का पानी, सबसे पहले 1976 में इन्दिरा जी से फैसला मैं करवा कर लाया था, सैंट्रल कैबिनैट से फैसला मैं

करवा कर लाया था। जब पानी हरियाणा को अलौट हुआ उस वक्त मैं दिल्ली की सरकार में मिनिस्टर था। अध्यक्ष महोदय, मुख्य मन्त्री जी कई बार भाशण दे देते हैं, बात कह देते हैं कि हमको तो एक हजार करोड़ रुपया कैपिटल के बदले में दे दो। स्पीकर साहब, मैं इस बारे में मुख्य मन्त्री जी से सहमत हूं। मैं इसलिए सहमत नहीं हूं क्योंकि मैं एक ही बात कहना चाहता हूं कि हमको तो चण्डीगढ़ जितना बड़ा कैपिटल बना कर दे दो। एक हजार करोड़ रुपए में कैपिटल तैयार नहीं होगा। क्यों नहीं होगा, इसलिए नहीं होगा कि आज एस0वाई0एल0 जो पंजाब में बन रही है एक स्टेज पर उसका प्रोजैक्ट 48 करोड़ रुपए का था। ज बवह भाुरू हुई उस वक्त 62–63 करोड़ रुपए का था। तो आज वह प्रोजैक्ट 550 करोड़ रुपए से भी ऊंचा चला गया। तो कैपिटल एक हजार करोड़ रुपए में कैसे बन सकती है? दिल्ली की सरकार हमें कैपिटल बना कर दे दे। उसमें मेरा सुझाव यह है कि वे हमें कैपिटल बना कर दे दें और कैपिटल की जो बिल्डिंगज बनें उनके साथ हमारे इंजीनियर्ज को एसोि‍एट कर दें ताकि घटिया स्टैंडर्ड की बिल्डिंग न बनें और मैटिरियल घटिया स्टैंडर्ड का न लगाया जाए। मैं मुख्य मन्त्री जी से यह जानना चाहूंगा कि आज उनका स्टैंड क्या है? सुनने में आता है कि मुख्य मन्त्री जी की पंजाब के मुख्य मन्त्री के साथ दिल्ली की सरकार के डायरैक्टिव के तहत बातें हुई है। अगर दिल्ली की सरकार के डायरैक्टिव के तहत हुई हैं तो हमें कोई एतराज नहीं। अगर प्रधान मन्त्री जी ने इनको यह डायरैक्टिव दिया है तो अच्छी बात है, हम उस बात को

बुरा नहीं कहते। दोनों मुख्य मन्त्रियों की बात को भी हम बुरा नहीं कहेंगे क्योंकि अगर न मिलेंगे तो फैसला ही कैसे होगा? मगर मैं यह कहता हूं कि यह फैसला जल्द से जल्द करो। आज दिल्ली की सरकार, हरियाणा की सरकार, पंजाब की सरकार और चण्डीगढ़ से पार्लियामैंट का मैंबर सब के सब कांग्रेस के हैं। अगर आज भी यह सरकार फैसला नहीं कर पाई तो मैं समझूंगा कि इनकी नियत साफ नहीं है। मैं यह आ ाा करूंगा कि मुख्य मन्त्री जी अपना स्टैंड इस बारे में क्लीयर करेंगे। स्पीकर साहब, मैं चाहूंगा कि बोर्डर रोड आर्गेनाइजे ान वाली बात भी मुख्य मन्त्री जी कहेंगे। एक बात मैं आपके जरिए सदन में और कहना चाहूंगा कि राश्ट्रपति जी ने यह कहा था कि मन्त्रिपरिशद छोटा हो। प्रधान मंत्री जी का भी एक रोज टी0वी0 पर इन्टरव्यू देखा। वे बड़े गुस्से में आ कर कह रहे थे कि हां मन्त्रिमंडल छोटा होगा और जरूर होगा। साथ के साथ उन्होंने यह कहा कि विधायक कार्पोरे ांज के चेयरमैन नहीं होने चाहिए। प्रधान मंत्री जी ने यह टी0वी0 पर कहा, आप लोगों ने भी देखा और सुना होगा। तो मेरी समझ में यह बात नहीं आई कि यहां कांग्रेस पार्टी के 51 सदस्य चुर कर आए, 51 में से 37 तो मेरा ख्याल है मन्त्री हैं। पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी भी मन्त्री होता है और स्पीकर साहब, एक आप हाउस की भाोभा बढ़ा रहे हैं और एक डिप्टी स्पीकर साहब बढ़ा रहे हैं। बाकी गिनती के ही रह गए। उनमें से कुछ तो बना दिए और बाकी को भी चेयरमैन बना दो। तो स्टेटस का खर्चा घटाने के लिए सैद्धांतिक तौर पर राश्ट्रपति जी कहें हालांकि

उन्होंने खुद ही कहा कि मैं हुकम नहीं दे सकता। मगर प्रधान मंत्री जी, जो दे ा के प्रधान मंत्री भी हैं और कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष भी हैं, मैं उनसे यह जानना चाहूंगा कि हरियाणा के बारे में उनका क्या स्टैण्ड है, हरियाणा के कंत्रिमंडल के बारे में उनका क्या स्टैण्ड है और हरियाणा की कारपोरे ांज के चेयरमैनों के बारे में उनका क्या स्टैण्ड है? अध्यक्ष महोदय, मैं आपके जरिए मुख्य मन्त्री जी को याद दिलाना चाहता हूं क एक श्री धर्मपाल हैं जो अभी थोड़ी देर पहले गैलरी में बैठे थे उनको इन्होंने खादी बोर्ड का या किसी और चीज का चेयरमैन बनाया है। मैंने पिछले दिनों इंडियन ऐक्सप्रैस अखबार में पढ़ा था कि सुप्रीम कोर्ट के जज ने सुप्रीम कोर्ट में धर्मपाल का नाम लेकर यह औबजर्वे ान की कि जिस आदमी ने पहले चीफ मिनिस्टर के खिलाफ कम्पलेंट की और फिर बाद में विदड्रा की उसको चेयरमैन बना दिया गया, ऐसे आदमी को तो सजा मिलनी चाहिए। यह सुप्रीम कोर्ट के जज की औबजर्वे ान है। सुप्रीम कोर्ट की ओपन कोर्ट में यह औबजर्वे ान की गई थी।

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट औफ आर्डर है क्योंकि यह एक ऐसा मसला आ गया जिसका जवाब देना बहुत जरूरी हो गया है। इनकी बाकी बातों का जवाब मैं बाद में दूंगा। अध्यक्ष महोदय, इस बारे में सुप्रीम कोर्ट की ऐसी कोई औबजर्वे ान नहीं है। धर्मपाल को मैंने अब चेयरमैन बनाया है। श्री धर्मपाल ने मेरे खिलाफ एक ऐप्लीके ान

जरूर दी थी। जब उन्होंने मेरे खिलाफ ऐप्लीके ान दी उस समय हमारा राज नहीं था और न ही इलैक् ान होने की कोई सम्भावना थी उससे पहले उन्होनें वह विदड्रा कर ली थी। उन्होंने यह भी कहा था कि पिछली सरकार ने मेरे से धक्के से वह ऐप्लीके ान लिखवा ली, मुझे भजन लाल के खिलाफ कोई ि ाकायत नहीं है।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, सुप्रीम कोर्ट का फैसला तो मैंने देखा नहीं है और न मेरा उससे कोई ताल्लुक था मगर मुख्य मन्त्री जी चाहें तो आज का सै ान खत्म होने के बाद मैं वह इंडियन एक्सप्रैस अखबार सदन की पटल पर रख दूंगा जिसमें यह लिखा हुआ है कि सुप्रीम कोर्ट के जज ने यह औबजर्वे ान दी। मैंने औबजर्वे ान का कहा है फैसले का नहीं कहा। अध्यक्ष महोदय, कारपोरे ान या किसी बोर्ड का चेयरमैन प्राइवेट आदमी को बनाने की क्या आव यकता है? हरियाणा स्टेट में फाइनैंि ायल कमि ानर्ज बहुत हैं उनको कितना काम दे रखा है, कितना काम वे करते हैं। फाइनैंि ायल कमि ानर्ज के पास बहुत ज्यादा काम नहीं है, उनको चेयरमैन का काम दिया जा सकता है और यह काम उनको बड़े आराम से दिया जा सकता है लेकिन उनको ठाली बैठा रखा है। आई0पी0एस0 आफिसर्ज के साथ मुख्य मन्त्री जी बहुत ज्यादती करते हैं हरियाणा स्टेट में बहुत आई0पी0एस0 आफिसर्ज हैं। कुछ आई0पी0एस0 आफिसर्ज को आउट औफ दि वे जा करके प्रमोट किया गया है। कुछ आई0पी0एस0 आफिसर्ज ऐसे हैं जिनको बहुत पहले तरक्की मिल

जानी चाहिए थी लेकिन आज तक मुख्य मंत्री जी ने उनको प्रमोट नहीं किया है। अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी को जिस आई0पी0एस0 आफिसर का नाम माफिक नहीं आता उस अधिकारी का नाम डैपुटे ान के लिए दिल्ली भेज देते हैं। अध्यक्ष महोदय, होम मिनिस्टर औफ गवर्नमैंट औफ इंडिया का एक सर्कूलर है जो सभी स्टेट्स को लिखा गया है। उसमें लिखा है:—

"-------It is requested that suitable IPS officers of I.G. rank between 1962 to 1970, two D.I.G., between 1971 to 1976 and S.Ps. from 1978 to 1984 batches may be nominated for consideration under the Central Government---------"

अध्यक्ष महोदय, हरियाणा सरकार इस सर्कूलर की धज्जियां उड़ा रही है। मैं पुलिस की एक और मिसाल बता देता हूं। हिसार जिला जो मुख मन्त्री जी का अपना जिला है वहां का पुलिस कप्तान डिक्टेटर है। मेरा ख्याल है कि भाायद थोड़े दिनों में वह चीफ मिनिस्टर को यह कहने लग जाएगा कि बैठ जा। थोड़े दिनों में यह नौबत आने वाली है। वह पुलिस कप्तान ऐसा है कि वह पुलिस की कोई ड्यूटी डिस्चार्ज नहीं करता, वह मुख्य मन्त्री जी की पौलिटिकल ऐक्टीविटीज डिस्चार्ज करता है। सिर्फ मुख्य मन्त्री जी के पोलिटिकल काम करता है। ऐडमिनिस्ट्रेटिव काम से या इन्साफ से उसका कोई लेना देना नहीं है। वह तो खुलमखुल्ला एक ही तरीके से चलता है, जो मुख्य मंत्री जी का मुखालिफ है उस पर रोलर चला दो और जो मुख्यमंत्री जी की स्पोर्ट करता है वह चाहे खून माफ करवा ले। यह हालत उस

एस0पी0 की है। मुख्य मन्त्री जी एस0पी0 और भी बहुत से हैं। किसी काबिल आदमी को लगा दो कोई नुकसान नहीं है। कितने दिन वह वहां रहेगा? हां, मैंने सुना है कि मुख्य मंत्रजी जी भाायद उसको डी0आई0जी0 बना करके, कोई चक्र–वक्र मार करके उसे हिसार में डी0आई0जी0 लगाने वाले हैं। वह लगा लो–चलो कोई बात नहीं। यह सरकारें आती–जाती रहती है। यहां आप भी बैठ चुके हैं, मै। भी बैठ चुका हूं। कल कौन बैठेगा पता नहीं। अध्यक्ष महोदय, जिस तरह से पुलिस के अधिकारियों के साथ, आई0पी0एस0 के साथ ज्यादती की जा रही है वह मैं समझता हूं कि बहुत गलत बात है। वे कोई सरकार के द मन नहीं हैं। अगर सरकार उनसे काम लेगी तो वह काम दे देंगे।

चौधरी भजन लालः मेहम में पुलिस वालों ने क्या किया? उस बारे में भी तो आप कह रहे थे कि पुलिस वालों ने मेहम में अन्याय किया है।

श्री बंसी लालः हां, मैं मेहम वालों के लिए ठोक कर कहता हूं, सही बात को इनकार नहीं करूंगा। मेहम वालों को ठोक कर सजा दो मैं आपके साथ हूं। जिन्होंने मेहम में ज्यादती की है उनको आप सजा दो मैं आपके साथ हूं। जिन्होंने भिवानी में ज्यादती की उनको आप सजा दो, मैं आपके साथ हूं। जहां भी ज्यादती हुई है उन मामलों में मैं आपके साथ हूं और अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहूंगा कि इस पुलिस के या आई0ए0एस0 के ऐडमिनिस्ट्रे ान को, किसी को पोलिटीसाइज नहीं करना चाहिए।

पोलिटिकलाईज करना बहुत खराब बात है। मुख्य मंत्री जी कह देंगे कि आपके वक्त में यह था–वह था। स्पीकर साहब, मैं अपनी तरफ से नीयत साफ रख करके करता था लेकिन अगर मेरे वक्त में कोई खराब बात हुई हो तो मुख्य मंत्री जी वही करना चाहते हैं क्या? कल बहिन चन्द्रावती जी ने एक बात कही थी। इन्होंने उधर हाथ करके कहा कि पहले तुमने यह किया था तो बहिन चन्द्रावती जी ने कहा था कि इन्होंने तो मुख्यमंत्री 6 बनाये मुख्यमंत्री बदलना भुरू कर दो कौन रोकता है।

अध्यक्ष महोदय, जसवंत सिंह कमी ान मुख्य मंत्री जी के खिलाफ बैठा था। मुख्य मंत्री जी को कई बार यह कहते सुना गया है कि उसने मुझे बरी कर दिया। मुख्य मंत्री जी ने 4 अगस्त, 1989 को भारत की संसद में यह कहा कि आज तक इस दे ज्ञ में अगर किसी ने कमी ान को फेस किया है तो उसका नाम भजन लाल है। उस कमी ान ने यह कहा है कि कहीं भी गलती नहीं है। तो मैं आपके जरिए मुख्य मन्त्री जी से कहना चाहूंगा कि अगर मुख्य मंत्री को उस कमी ान ने बरी कर दिया तो एसकी रिपोर्ट पार्लियामैंट में रखी जानी चाहिए थी। (विध्न) मैं कहना चाहता हूं कि जब कमी ान मुकर्रर होता है तो अध्यक्ष महोदय, कान्स्टीच्यू ानल प्रोविजन है कि कमी ान की रिपोर्ट सदन में रखी जाये। अगर दिल्ली की सरकार कमी ान नियुक्त करती है तो पार्लियामैंट में रखी जाये, स्टेट गवर्नमैंट अगर नियुक्त करती है तो असैम्बली में रखी जाये। अगर भारत सरकार ने यह

कमी ान मुकर्रर किया था, तो आज तक उसकी रिपोर्ट पार्लियामैंट में नहीं रखी गई। मैं आपके जरिए मुख्य मंत्री जी को सुझाव दूंगा कि वह प्रधान मंत्री जी को कहें कि (विध्न) हां, बिल्कुल जब ये क्लेम करते हैं, मैं कहता हूं कि इनको उस जसवंत सिंह कमी ान ने मुख्यमंत्री जी को माफ नहीं किया, इनको बरी नहीं किया। मेरा इलजाम यह है।

चौधरी भजन लालः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी वकील तो हैं लेकिन वाया भटिण्डा हैं। इनको इतना ज्ञान नहीं कि यह कमी ान भारत सरकार ने मेरे कहने पर बैठाया था। कुछ लोगों ने मेरे ऊपर इलजाम लगाये थे, मैंने कहा कि कमी ान बैठाओ, इसकी जांच करो। प्रधान मंत्री जी ने कहा कि नहीं भजन लाल जी हमने इसको देखा है, इसमें तो कुछ बात नहीं है। फिर मैंने कहा कि नहीं कमी ान बैठाओ ताकि पानी का पानी और दूध का दूध हो जाये। कमी ान बैठाया गया। कमी ान ने कहा–बाकायदा मुझे कहा कि भजन लाल का कोई दोश नहीं है। उस अखबार की कापी मेरे पास है।

श्री बंसी लालः आप मुझे उसकी एक कापी करवा दे दो।

चौधरी भजन लालः मैं उसकी कापी तो करवा कर नहीं दे सकात।

श्री बंसी लालः चलो आप पढ़वा दो।

चौधरी भजन लालः मैं आपको पढ़वा दूंगा।

श्री बंसी लालः मैं पढ़ लूगां।

चौधरी भजन लालः दूसरी बात यह है कि जब वी0पी0 सिंह प्रधान मंत्री थे तो राज्य सभा में किसी ने एक सवाल किया कि यह जसवंत सिंह कमी ान क्या है? प्रधान मंत्री जी ने कहा कि भजन लाल जी के खिलाफ जो कमी ान बैठाया गया था उसने भजन लाल को निर्दोश साबित कर दिया है। वह भी मैं आपको कल दिखा दूंगा।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, अगर ये दिखाएंगे तो जैसी बात होगी मैं पढ़ कर मान लूंगा। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं एक और बात कहना चाहता हूं (विध्न)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैं बीच में एक बात कहना भूल गया। इन्हें अपने जमाने की बात भूल जाती है जब 125 एम0पीज0 तथा 34 एम0एल0एज0 भी लिख कर दिया था तो ये कमी ान के नाम से भाग गए थे। स्पीकर साहब, भजन लाल ऐसा भागने वाला आदमी नहीं है, हम हर कमी ान को फेस करने के लिए तैयार है।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मेरे खिलाफ जो कम्पलेन्ट की गई थी उसमें प्राईम मिनिस्टर ने दिल्ली सरकार के

4 कैबिनेट मन्त्रियों की और प्रधान मन्त्री ज्वायंट सैक्रेटरी की कमेटी बनाई थी। उस की रिपोर्ट भी कैबिनेट के पास गई और उन्होंने मुझे एग्जोनरेट किया था। वह फाईल गवर्नमैंट औफ इण्डिया के पास है।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, मुझे तो प्रधान मन्त्री जी ने पहले ही कह दिया था कि इसमें कुछ नहीं है, मैंने खुद देखा है लेकिन फिर भी मैंने कहा, 'नहीं, कमी ान बिठाओ।'

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मैं पुलिस की बात कर रहा था। कुछ नौ–जवानों को पुलिस ने गिरफ्तार किया क्योंकि वे चाहते हैं कि उनकी ऐसोसिए ान बने। हम उनकी ऐसोसिए ान बनाये जाने का समर्थन करते हैं। मुख्य मन्त्री जी बार बार एक ही बात कहते हैं कि चौधरी बंसी लाल उनकी यूनियन बनाने को स्पोर्ट करते हैं। वाया भटिण्डा वाली बात तो आप ठीक कहते हैं, हम ऐसोसिए ान बनाए जाने कि मांग करते हैं लेकिन ये साहेब पी0एच0डी0 बिना स्कूल के जूते खा कर पढ़े हैं और कहते हैं कि ये यूनियन बनाते हैं उसका हम क्या करें। अध्यक्ष महोदय, हम मांग करते हैं कि उन साथियों को छोड़ कर उनके साथ ऐक्रौस दि टेबल बैठकर बात की जाए। वे कोई सरकार के दु मन नहीं हैं इसलिए उनके खिलाफ सब मुकद्दमे विदड्रा करके उनको वापिस नौकरी में ले कर उनसे बातचीत की जाए। अध्यक्ष महोदय, एक बात सरकार ने एच0सी0एस0 औफिसर भर्ती करने के लिए कही है। सरकार ने कहा कि हमें 30 एच0सी0एस0 औफिसर

स्पै ाल रिक्रूट करने हैं। पौने तीन सौ के करीब नाम हैं। पौने तीन सौ नामों से सिलैक ान करने के लिए चीफ सैक्रेटरी की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाने का फैसला सरकार ने किया है। पब्लिक सर्विस कमी ान तो कहता है कि ये नाम हमारे पास भेजिए और फैसला हम करेंगे। सरकार ने इस मामले को कैबिनैट में रख कर पब्लिक सर्विस कमी ान की रिकमैंडे ान्ज को इग्नोर किया और यह कहा कि सरकार 60 आदमी ही रिकमैंड करेगी क्योंकि 30 औफिसर्ज लेने हैं। अध्यक्ष महोदय, हम यह जानना चाहते हैं कि ऐसी भर्ती करने की क्या एमरजैंसी आ गई है और फिर पौने तीन सौ आदमियों में से 60 आदमी सरकार चुनेगी उनके चुनने का क्राईटेरिया क्या होगा, कौन सी कैटेगरीज के आदमी लिए जाएंगे, किस तरह से उन कैटेगरीज का फैसला होगा। अध्यक्ष महोदय, हमारे पास पहले ही इतने आई0ए0एस0 फालतू बैठे हैं तो फिर और एच0सी0एस0 की भर्ती करने की आव यकता क्या है? प्रधान मंत्री जी ने पिछले दिनों यह कहा था हम 10 परसैंट ऐडमिनिस्ट्रे ान में औफिसर्ज की कटौती करेंगे और हम कह रहे हैं कि 30 और एच0सी0एस0 भर्ती करेंगे। रूटीन के अनुसार जितनी भर्ती बनती है वह कर लें, हम इन्कार नहीं करते लेकिन 30–30 की स्पे ाल भर्ती की क्या जरूरत है? अध्यक्ष महोदय आपको पता है कि पब्लिक सर्विस कमी ान के परव्यू से निकाल कर जूडि ियरी में दफा 34 वाले जो भर्ती किए थे उनकी क्या हालत हो रही है? आज उसी तरह से ये फिर कर रहे हैं और फिर चीफ सैक्रेटरी को सारे अधिकार दे दिए जाएं। चीफ मिनिस्टर

और चीफ सैक्रेटरी में न कोई फर्क पहले होता था और न ही बाज कोई फर्क है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह जानना चाहता हूं कि क्या चीफ मिनिस्टर साहब इस पर रो ानी डालेंगे कि इन पौने तीन सौ आदमियों को सिलैक्ट करने का क्राईटेरिया क्या होगा? (विध्न) आप कल बता देना। स्पीकर साहब, मैं तो यह कहूंगा कि इस स्पै ाल रिक्रूटमैंट की कोई आव यकता ही नहीं है। कितने ही हमारे फाईनैंि ायल कमि ानर्ज और कमि ानर्ज बेकार बैठे हैं। कई कारपोरे ान्ज और दूसरे काम हैं जो उनको दिए जा सकते हैं। टोप हैवी ऐडमिनिस्ट्रे ान रखने के मायने क्या हैं? अध्यक्ष महोदय मेरे नोटिस में आया है कि 5,400 जो टीचर्ज भर्ती किए गए थे हाईकोर्ट ने उनकी सिलैक ान को स्ट्राईक डाउन कर दिया है। सुनने में यह आया है कि इन 5,400 टीचर्ज की भर्ती में 20 करोड़ रुपये रि वत के खाए गए हैं। क्या मुख्य मन्त्री जी इस पर भी रो ान डालेंगे? हमने ऐसा केवल सुना है हमारे पास कोई च मदीद गवाह नहीं है। इसके साथ साथ आप उनको ऐडहोक नौकरी पर रखना चाहते हैं। हाईकोर्ट ने जब जजमैंट में उनको हटा दिया है तो मैं नहीं समझता कि आप उनको ऐडहौक पर रख सकते हैं। आपका ऐडवोकेट जनरल उस वक्त बहस में यह कहता कि उस वक्त तक हमें उनको ऐडहोक पर रखना चाहिए उस वक्त ऐडवोकेट जनरल यह बात कह सकता था। वरना तो यह कंटैम्प्ट औफ कोर्ट है और अगर आप ऐडहौक पर रखते हैं तो जो आदमी उनसे पहले लगे हुए थे, उनको लो। अध्यक्ष महोदय, एक और बात जानकर मुझे ताज्जुब हुआ और मैं

मुख्यमंत्री जी से कहूंगा कि वे इस बात पर भी रो ान डालें कि उन 5,400 आदमियों की न तो करैक्टर की वैरीफि ान हुई और न उनका मैडिकल हुआ। चीफ सैक्रेटरी ने उनको ऐग्जम्प ान दे दी। अगर ऐग्जम्प ान 5,400 आदमियों को दे दी तो यह बहुत सीरियस बात है, साधारण बात नहीं है। तो इस तरह से अध्यक्ष महोदय, गवर्नमैंट म ाीनरी का जो किस–यूज हो रहा है यह बहुत खराब बात है। पिछले दिनों कुछ आई0टी0आईज0 और पौलिटैक्नीस वगैरह के लिए कुछ और रिक्रूटमैंट हुई, उसमें क्या हुआ कि सरकारी डिपार्टमैंट ने कुछ क्वालिफिके ान लिखकर भेजी लेकिन सिलैक ान बोर्ड ने क्या किया कि गवर्नमैंट डिपार्टमैंट ने जो क्वालीफिके ान लिखकर भेजी वह क्वालीफिके ान सुओमोटो तबदील कर दी। फिर डिपार्टमैंट ने लिखा कि यह क्वालीफिके ान चेंज करो आपने ऐडवर्टाइजमैंट में गलत लिखी है और हमने यह क्वालीफिके ान मांगी है। फिर भी उन्होंने वही सिफारि ा कर दी ताकि अपने आदमी किसी तरह से भर्ती हो जाएं। एक और नई मजे की बात है कि सिलैक ान बोर्ड का जो चेयरमैन है वह रिकोमैंडे ान करने के बाद दफ्तरों में चला जाता है और डिपार्टमैंट वालों से कहता है कि इनके अप्वाइंटमैंट लैटर फौरन जारी करो क्योंकि यह चीफ मिनिस्टर का हुक्म है। यह बड़े ताज्जुब की बात है कि सिफारि ा करने के बाद वे साथ ही डिपार्टमैंट में पहुंच जाते हैं। भाायद चिट्ठी बाद में पहुंचती हो और वे पहले पहुंच जाते हैं। मुझे यह जानकर हैरानगी हुई है और वे जो आदमी अप्वायंट किए गए हैं मेरी इत्लाह के मुताबिक

चीफ–सैक्रेटरी ने उन के भी करैक्टर वैरिफिके ान की और मैडिकल ठीक होने की ऐग्जम्प ान दी। मैं चाहूंगा कि मुख्यमंत्री जी इस बात पर भी रो ानी डालें कि यह बात सच है या गलत है।

चौधरी भजन लालः मैं सब बातों का जवाब दूंगा और आप सुनना भी।

श्री बंसी लालः आपको यह कैसे बहम हो गया है कि मैं आपकी बात नहीं सुनूंगा। अध्यक्ष महोदय, जहां भी इस किस्म की अप्वायंटमैंट होती है चीफ सेक्रेटरी उठते हैं और ऐग्जम्प ान दे देते हैं कि मैडिकल और करैक्टर वैरिफिके ान सब बाद में हो जाएगा। यह सरकार है या तमा ाा है? ये सरकार चला रह हैं, या क्या कर रहे हैं? यह बात समझ में नहीं पड़ रही है। एक बात मैं क्रिटीसिज्म के प्वाइन्ट आफ व्यू से नहीं या कोई नीचे के स्तर पर उतर कर नहीं कहना चाहता बल्कि सिद्धान्त की बात है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके जरिए मुख्यमंत्री से कहूंगा कि वे एक और चीज पर रो ानी डालें। मैंने एक बात सुनी है। इनके ऐडी ानल प्रिंसिपल सैक्रेटरी श्री एम0एल0 वर्मा जी थे वे उग्रवादियों द्वारा मारे गए। उसका सभी को दु:ख है। लेकिन कोई आदमी इस चीज को अच्छा नहीं कहेगा कि उसके भाई को एय0सी0एस0 बनाया जाए। तो मैं पूछना चाहता हूं कि उसका भाई कौन सी कैटेगरी में आता है? फैमली की कैटेगरी में आता है या किसी और कैटेगरी में आता है। यह फलड गेट मुख्यमंत्री जी ने खोलें वरना पता नहीं

कौन कौन अप्वायंट होने लग जाएगा। उनको अगर फायदा पहुंचाना है तो किसी और तरीके से सरकार पहुंचा सकती है, उनके खानदान को फायदा पहुंचाने में हम कोई विरोध नहीं करते। कुछ भी करें मगर भाई को एच0सी0एस0 में लाना ठीक नहीं है। मैंने सुना है और दिल्ली के आम आदमियों में चर्चा चल रही है कि यह जो एच0सी0एस0 है यह मरणोपरान्त अप्वायंटमैंट का महकमा हो गया है। तो इसको थोड़ा सा ठीक करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, पिछले सै ान में प्रो–वाईस चांसलर की अप्वायन्टमैंट के लिए बि पास हुआ था। आज की दिल्ली की सरकार की पौलिसी के तहत कोई भी, किसी भी संस्था का और किसी महकमें का खर्चा बढ़ाना अच्छी बात नहीं है तो मैं यह भी चाहूंगा कि सरकार वह पोस्ट एबौलि ा कर दें क्योंकि उससे कोई फायदा होने वाला नहीं है। लॉ एण्ड आर्डर के बारे मैंने कहा कि मुख्यमंत्री जी के अपने जिले में भाायद पिछले दस दिनों में ने ानल हाईवे पर दो या तीन कारें छीनी गयी है। वहां का एस0पी0 तो ऐडमिनिस्ट्रे ान देखत नहीं है वह इनके पोलिटिकल काम को देखता है। यह हालत ऐडमिनिस्ट्रे ान की है, लॉ एण्ड आर्डर की है जबकि मुख्यमंत्री जी कहते थे कि जब मेरी सरकार आयेगी तो बहन बेटियां आधी रात को छाती तान कर चल सकेंगी। मैं कहना चाहता हूं कि बहन बेटियों को तो छोड़ो, आज तो भाई भी दोपहर के 12 बजे छाती तान कर नहीं चल सकता। श्री डांगी ने रैजोल्यू ान मो ान आफ थैंक्स मूव करते हुए कहा कि कुछ छुटपुट घटनाएं स्टेट में हुई हैं, लॉ एण्ड आर्डर में हुई है

तो उस छुटपुट की डैफीनि ान क्या है मुझे नहीं मालूम। एक तरफ स्टेट में यह हालत है कि कितने ऐसे वाके हो गये जिनकी मैं गिनती करने लगूं तो उनकी गिनती नहीं की जा सकती। बल्कि कई लोग मजाक मजाक में यह कहने लगे हैं कि मुख्यमंत्री जी तो भानिचर का काम करते हैं जहां जाते हैं कबाड़ा हो जाता है, वहां आतंकवादी आकर मारते हैं। इसलिए इनको इतना लाईटली न लें और लॉ एण्ड आर्डर की पोजी ान को, लॉ एण्ड आर्डर को स्ट्रैग्थन करने की आव यकता है। (विध्न) . . . .

There are so many people to take care of them on your behalf, Bhajan Lal Ji.

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह कहना . . . . . यह . . . . . मेहरबानी करके इसको हाउस की कार्यवाही से निकलवाया जाये। यह सबको अपने जैसा ही समझते हैं। . . . . । उन्हीं को बुलाते थे, उन्हीं को मान्यता देते थे। यह भजन लाल को भी ऐसा समझते हैं लेकिन भजन लाल ऐसा नहीं है।

श्री अध्यक्षः काबू करने वाली बात कार्यवाही से ऐक्सपंज कर दी जाये।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, लॉ एण्ड आर्डर की जो सिचुए ान स्टेट में है वह ऐसी है कि टोटल गवर्नमैंट म ाीनरी खासतौर से पुलिस पुलिस राज बनी हुई है। ऐसा पुलिस राज कभी नहीं आया न कभी आयेगा। यह तो ओम प्रका ा चौटाला को भी मात कर गये। अब तो मुख्यमंत्री जी ने रिकार्ड कायम करने

का फैसला कर रखा है। अध्यक्ष महोदय, एक एस0डी0ओ0 गुड़गांव में लगाया। यह पता नहीं एस0डी0ओ0 गुउ़गांव क्या जगह है क्योंकि पहले वाली सरकान ने भी जमीन पर कब्जा करवाने के लिए लगा रखा था और अब की बार इन्होंने भी रख दिया। उनका यही काम है कि वह जमीन पर कब्जा करायें।

अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा रोहतक मैडीकल कालेज की क्या हालत है? वहां प्रिंसिपल था उसको महज इसलिए निकाल दिया क्योंकि वह चौधरी चरण सिहं जी का दामाद था। वह आदमी सख्त हो सकता है क्योंकि ऐसा बहुत से लोग बोलते थे लेकिन वह काम में बड़ा ऐफीि ायेन्ट था। उसने बड़ा अच्छा ऐडमिनिस्ट्रे ान चला रखा था। लोगों की अस्पताल में बहुत सेवा होती थी। आज उस अस्पताल में क्या हालत है? उसकी हालत यह है कि वहां आम आदमी की तो बात छोड़ों हमारी पार्टी के माननीय सदस्य चौधरी अतर सिहं का लड़का भूपेन्द्र सिंह भााम को सात बजे रोहतक मैडीकल कालेज में पहुंचा। मेरे पास यह ऐडमी ान सर्टिफिकेट है। ऐडमी ान सर्टिफिकेट के ऊपर लिखा हुआ है कि यह अर्जेन्ट केस है इसमें ब्लड ट्रांसफ्यूजन वगैरह लिखा हुआ है। तीन घंटे तक तो किसी डाक्टर ने उसको अटैंड नहीं किया। उसके साथ जाने वालों ने बार बार कहा कि भाई अटैन्ड तो कर लो। किसी ने वहां ब्लड प्रे ार भी नहीं देखा। डाक्टर ने कहा कि यह हमारा काम है। तीन घंटे के बद उन्होंने सोचा कि यहां तो कोई देखेगा नहीं इसलिए भिवानी में ले चलो।

भिवानी में रात को डाक्टरों ने जवाब दे दिया फिर रोहतक मैडीकल कालेज में लाये। मैडीकल कालेज वालों ने फिर से जवाब दे दिया। फिर वह दिल्ली ले जाने के लिए तैयारी करने लगे। इतनी देर में रोहतक मैडीकल कालेज में ही डैथ हो गयी। अध्यक्ष महोदय, मैं क्रिटिसिज्म की नीयत से नहीं कहता। मैं यह कहता हूं कि एक तो इस केस की इंक्वायरी करायी जाये कि यह ऐसा क्यों हुआ? दूसरी बात यह है कि मैडीकल कालेज का काम सुधारा जाये। मैं यह नहीं कहता कि उसी प्रिंसीपल को वापिस लाओ। मैं तो यह कहता हूं कि उस मैडीकल कालेज को मैडीकल कालेज बनाओ। उस मैडीकल कालेज को बूचड़खाने का काम न करने दो।

इंडस्ट्रियल पालिसी के बारे में बहुत बार मुख्य मन्त्री जी का ब्यान आया है कि हम स्टेट को इंडस्ट्रेलाईज कर रहे हैं। जैसे ओम प्रका ा जिंदल जी भी पूछ रहे थे, मैं भी यह जानना चाहता हूं कि कितनी बड़ी इंडस्ट्रीज एक करोड़ से बड़ी लागत की इस सरकार के आने के बाद आप स्टेट में लाए हो। मुख्य मंत्री जी ने एक बात वहां पर यह भी कही है कि बिजली का कट किसी इंडस्ट्री पर नहीं लगेगा। इतनी बिजली तो हमारे यहां पर है ही नहीं कि सब को मिल सके। मैं सरकार से यह जानना चाहूंगा कि बिजली के मामले में बिजली की सप्लाई के मामले में फर्स्ट प्रैफरैन्स किसका होगा? ऐग्रीकल्चर सैक्टर के ट्यूबवैल का होगा या इंडस्ट्री का होगा। यह भी मैं जानना चाहूंगा। इसके अलावा

अगर कोई इंडस्ट्रीयलिस्ट कैपटिव पावर प्लांट लगायेगा तो उसके क्या सिद्धान्त होंगे। सरकार कितनी फाइनांस करेगी और क्या सहूलियतें देगी, यह चीजें भी क्लीयर होनी चाहिये। एक बात, अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री महोदय ने पिछले दिनों और की। करीब एक करोड़ रुपया खर्च करके पंचों और सरपंचों को ओथ दिलाने के लिये रोहतक बुलाया गया। रोहतक में उनको बुलाने में कोई एतराज नहीं है। लेकिन वहां पर सरकार के पैसे खर्च करके पोलिटिकल तकरीरें करना बहुत गलत बात है। ऐसा कभी किसी को नहीं करना चाहिये। मैं भी मुख्य मंत्री था, महर्शि दयानन्द यूनिवर्सिटी की मंजूरी देने के लिये मैं रोहतक गया। डाक्टर मंगल सैन वहां से एम0एल0ए0 होते थे। मैंने अधिकारियों से कहा कि आज की मीटिंग कोई पोलिटिकल नहीं है। मंगल सैन को भी बुलाओ।। मैंने कोई पोलिटिकल तकरीर नहीं की। सीधी तकरीर की और सीधी महर्शि दयानन्द यूनिवर्सिटी को मंजूरी दी। मुख्य मंत्री जी को सरकारी जेब से खर्च करके पोलिटिकल तकरीर नहीं करनी चाहिये। इसी तरह से म्यूनिसिपल कमी नर्ज को सरकार ने अपने हिसाब से इकट्ठा किया। सरकार के खर्चे पर किया या नहीं किया, यह तो मुझे मालूम नहीं है लेकिन उसमें भी पोलिटीकल तकरीर की गयी। (व्यवधान) मैंने कहा है कि मुझे पता नहीं है कि कैसे वे इकट्ठे तो सरकारी आदे ा से किये हैं।

एक बात पुलिस रिक्रूटमैंट की बाबत मैं कहना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, मैंने पिछली बार भी सदन में कहा था कि वह

डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर्ज पर पब्लिकली दंगल लगाकर सबके सामने करो। अच्छे–अच्छे आदमी भर्ती करो। जो मैरिट पर आयें, सब के सामने भर्ती करो। यह नहीं कि पहले वहां से नाम भेजो। फिर मधुबन में भर्ती करो। पिछली बार मैंने कहा था कि उनको लिस्ट भााया करो कि कौन–कौन कहां का रहने वाला है और कहां से तालीम हुई है। इसको भााया करने में सरकार को काई दिक्कत नहीं होनी चाहिये क्योंकि यह उसके अपने हाथ में है। यह चीज तो भााया कर देनी चाहिये। अध्यक्ष महोदय, एक चीज मैं यह कहना चाहता हूं कि ऐग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी हिसार एक बहुत अच्छी संस्था है। उसको धरती देने की जो ओरीजनल प्लान थी, वह 8,000 एकड़ जमीन देने की थी लेकिन उसको 4,000 एकड़ के करीब दी गयी ताकि वह अपनी ऐक्टिविटीज बढ़ाये तो और दे देंगे। मैं मुख्य मंत्री जी को यह सुझाव देना चाहूंगा कि उनको 4,000 एकड़ जमीन अभी से दे दो ताकि आईन्दा के लिये उस यूनिवर्सिटी को कोई तकलीफ न हो। अध्यक्ष महोदय, जो सिलैक ान बोर्ड ने रिक्रूटमैंट की है, उसमें एस0सी0, बी0सी0 और ऐक्स–सर्विसमैन के जो आदमी भर्ती किये गये हैं वह भी उलट–पुलट सिफारि ा से हैं वह भी रैगुलर सिफारि ाी नहीं हैं। मुख्य मंत्री महोदय उसके ऊपर भी नजर डाले और हमें बताये। एक यहां पर तो हरको बैंक है, उसके एम0डी0 ऐसे बनाये हैं कि वह जेब में अप्वायंटमैंट आर्डर लेकर फिरते हैं . . .

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, वैसे तो टाईम हो गया है लेकिन यदि हाउस की सैन्स हो तो कुछ टाईम बढ़ा दिया जाये?

श्री बंसी लालः यह तो बढ़ाना ही पड़ेगा।

श्री अध्यक्षः कितना?

श्री बंसी लालः यह तो भ्रुरू में ही रोज का फैसला हुआ है कि टाईम रोज बढ़ेगा।

एक आवाजः आधा घण्टा बढ़ा लो।

श्री बंसी लालः कम से कम डेढ़ दो–घण्टे तक तो बढ़ाना ही चाहिये क्योंकि बिजनैस ऐडवाईजरी कमेटी में ही यह फैसला हो गया था।

श्री अध्यक्षः यदि हाउस की सहमति हो तो हाउस का समय एक घण्टा बढ़ा दिया जाये?

आवाजें: जी हां।

श्री अध्यक्षः हाउस का समय एक घण्टा बढ़ाया जाता है।

राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, वह क्या करता है? कुछ सरकार वाले सिफारि ें करते हैं और अपने आदमी लगवा लेते हैं

और कुछ एम0डी0 ने अपने रि तेदार भर्ती करने भ्रु कर दिये हैं। सरकार इस और ध्यान दे। इससे आगे मैं मुख्य मन्त्री महोदय से यह कहूंगा कि कोआपरेटिव बैंक की तरफ से कोआप्रेटिव बैंक के पैसे से एक कलैण्डर छापा गया है और उसके ऊपर जांबा जी का फोटो छपा है। हम कहते हैं कि जांबा जी का फोटो छापो मगर आप अपनी पार्टी की तरफ से, किसी धार्मिक स्थान की तरफ से, किसी धार्मिक संस्था की तरफ से छापो तो हमें कोई एतराज नहीं है लेकिन अगर सरकारी पैसे से या कोआप्रेटिव बैंक्स की तरफ से छापेंगे तो यह कोई अच्छी बात नहीं होगी। मैं तो यह कहूंगा कि धर्म को इसमें लाना अच्छा नहीं है। आप ि ावजी की, हनुमान जी की व गुरूनानक देव जी की फोटो छापो मगर आप धर्म को सरकार के काम में क्यां लाते हो?

अध्यक्ष महोदय, अब मैं भिवानी जिले में जो माईनर या डिस्ट्रिब्यूटरीज हैं जिन पर काम भ्रु हुआ था, के बारे में कुछ कहना चाहूंगा कि वे बन्द पड़ी है। हमारे वहां पानी भी नहीं रहता। मैंने कवै चन आवर में भी कहा था कि बापोड़ा में किस तरह से पानी जाता है और 15–15 दिनों तक वहां पानी नहीं पहुंच पाता। इसलिये मेरी सरकार से प्रार्थना है कि सरकार इसकी जांच करवाए। अध्यक्ष महोदय, इरीगे ान एण्ड पावर मिनिस्टर महोदय यहां पर बैठे हुए हैं। मैं उन से यह जानना चाहता हूं कि नेहरा साहब को पिछले 10 सालों के अन्दर अन्दर कितने बागों की मन्जूरी दी गई थी? कितनी जमीन के लिये बाग का पानी मन्जूर

किया गया था? वह सारी सूचना हमें बतलाने की कृपा की जाए। वह तारीख व साल भी बता दे ंतो अच्छा रहेगा।

इसके साथ साथ, मैं सरकार का ध्यान इस और दिलाना चाहूंगा कि कुरूक्षेत्र नगर सारे संसार में प्रसिद्ध नगर है। किसी भी बात पर कंट्रोवर्सी हुई होगी लेकिन गीता पर कोई कन्ट्रोवर्सी आज तक नहीं हुई है। कुरूक्षेत्र का नाम आज तक संसार में बड़ा ऊंचा रहा है। अगर सरकार इस नगर पर 20, 30 करोड़ रुपया खर्च कर दे तो इस नगर की सुन्दरता और महत्व और भी बढ़ जाएगा। वहां हवाई अड्डा बना दिया जाए। पिपली से पूर्व की ओर 500 एकड़ के लगभग सरकारी जमीन पड़ी हुई है और कुछ और थोड़ी बहुत ऐक्वायर भी करनी पड़े तो कर लो। आज जो भी दूसरे मुल्कों से टूरिस्ट व वी0आईपीज0 आते हैं, वे सब से पहले आगरा जाते हैं। क्यों जाते हैं कि वहां पर हवाई अड्डा है, ताज महल है। अगर सरकार कुरूक्षेत्र में भी टूरिस्टों के लिए वी0आई0पीज0 की सहुलियतों का ध्यान रखेगी तो वे पहले कुरूक्षेत्र आएंगे उसके बाद आगरा जाएंगे। अगर यहां पर हवाई अड्डा होगा और कुरूक्षेत्र नगर को सरकार ने भाानदार बना दिया तो इससे सरकार का नाम भी होगा और वी0आई0पीज0 यहां ज्यादा आएंगे। इसलिये मेरा सुझाव है कि सरकार इस नगर पर ज्यादा से ज्यादा पैसा खर्च करके अच्छी अच्छी सड़कें बनवाए। अच्छे अच्छे पेवमैन्ट्स बनाए। इस तीर्थ स्थान को महत्वपूर्ण एवं सुन्दर बनाए। जितना यह स्थान महत्वपूर्ण है उतना ही इसे सुन्दर

बनाया जाना चाहिये। इस के साथ साथ अध्यक्ष महोदय, मैं यह बताना चाहूंगा कि कुरूक्षेत्र की भूमि जो है, वह कहते हैं 50 कोस तक है। बहुत से लोग इस बात को जानते हैं, बहुतों को इस बात का पता नहीं है। इसलिये मेरा सरकार को सुझाव है कि चाहे 10–20 लाख रुपया खर्च क्यों न हो जाए, कुरूक्षेत्र के बारे में पूरी रिसर्च सरकार को करवानी चाहिये ताकि लोगों को इस पवित्र नगर के महत्व से जानकारी हो सके। इस काम के लिये चाहे एक प्रोफेसर दो प्रोफेसर या 10, 20 आदमी लगा दो लेकिन रिसर्च अव य करवायी जानी चाहिये क्योंकि यह एक इंटरने ानल और सारे संसार की प्रसिद्ध जगह है। रिसर्च करवाने से इस बात की जानकारी होगी कि इस कुरूक्षेत्र का इतिहास क्या है? उसके आस पास क्या–क्या है? क्या–क्या वहां पर हुआ है। इसलिये सरकार को इस और वि ोश ध्यान देना चाहिये।

अध्यक्ष महोदय, एक बात का और यहां पर जिकर करना चाहूंगा जिस बारे में, इससे पहले सै ान में भी कहा था और उससे पहले सै ान में भी यही कहा था कि हमारे प्रदे ा में पढ़े लिखे लड़के–लड़कियां जो हैं, वे बेरोजगार है। उनको रोजगार दिया जाना चाहिये। अगर रोजगार सरकार देने में असमर्थ है तो ऐसे लड़के लड़कियों को कारों को एजेंसियां, ट्रेक्टरों की एजेंजियां, गैस की एजेंसियां व पैट्रोल–पम्पस देने के लिये चाहे कोई कानून ही पास क्यों न करवाना पड़े, देनी चाहिये। सरकार कोई ऐसा तरीका अपनाए कि जो पढ़े लिखे लड़के–लड़कियां हैं,

उनको किसी न किसी तरीके से रोजगार मिल सके। कोई ऐसा तरीका सरकार अख्तियार करे कि बेरोजगार लड़के लड़कियों की कोआप्रेटिव सोसायटीज को ही ये एजेंसीज मिलें और किसी को न मिलें। सरकार को इस बात की और वि ोश ध्यान देना चाहिये तभी कुछ बेरोजगारी पर काबू पाया जा सकता है।

स्पीकर साहब, राज्यपाल महोदय के अभिभाशण में लिखा है कि यह जो पैन ान हमने 65 से 60 साल कर दी इसमें 45% ि ाड्यूल्ड कास्टस और बैकवर्ड क्लासिज के लोग बढ़े हैं। मुझे इसमें भाक है कि खाली इन्ही की इतनी तादाद बढ़ी है। सरकार इसको भी चैक करके बताए। मैं मानता हूं कि इस सै ान में तो नहीं बता सकते लेकिन अगर अगले सै ान में बता दे तो भी ठीक है।

लड़कियों की ऐजूके ान के लिए बी0ए0 तक की तालीम फ्री करने के लिए राज्यपाल महोदय के अभिभाशण में लिखा गया है लेकिन अध्यक्ष महोदय, आपको भी पता है और सरकार को भी पता है। मैं एक बार फिर याद दिलाना चाहता हूं कि यह जो फैसला किया गया था यह हमारी विरोधी पार्टियों की तरफ से अमैंडमैंट देने पर किया गया था। इसलिए खाली अकेली सरकार इसका क्रैडिट लेने की कोि ा ा न करें। जहां तक पावर सप्लाई का ताल्लुक है, पिछले दिनों मैं कुरूक्षेत्र के इलाके में गया था। वहां एक गांव में 220 के0वी0ए0 का पावर स्टे ान बन रहा है जो कैथल से नरवाना तक जाएगा। मैं यह जानना चाहता हूं कि

उसका काम कब तक पूरा हो जाएगा और उससे पावर सप्लाई कब तक भाुरू हो जाएगी। इस पर भी सरकार रो ानी डाले। स्पीकर साहब, भाूगर मिलों में जो गन्ना जाता है, हमारे यहां तो गन्ना होता नहीं है, बाजरा कभी कभी होता है। लेकिन मुझे बताया गया है कि कुरूक्षेत्र और करनाल के जिलों में गन्ना तोलने की गड़बड़ करते हैं तथा और कई तरह की हेरा फेरी करते हैं। मैं चाहता हूं कि उनके तोलने के कांटों को ठीक करना चाहिए। इसके अलावा जब किसान का गन्ना बाउंड किया जाता है तो उससे मिल वाले भाायद दो रुपए क्विंटल लेते हैं। जब किसान मिल को गन्ना देने जाता है तो उसका पूरा गन्ना नहीं लिया जाता लेकिन जो दो रुपए क्विंटल के हिसाब से पैसे लिए जाते हैं उसे मिल वाले हजम कर जाते हैं। इसलिए वह पैसा किसान को वापिस मिलना चाहिए। स्पीकर साहब, मिल्क प्लांटस के बारे में भी अभिभाशण में लिखा गया है। पिछले सै ान में श्री राम भजन जो भिवानी कांस्टीच्यूएंसी को रिप्रजैंट करते हैं, ने कहा था कि भिवानी का मिल्क प्लांट बन्द करने जा रहे हैं तो मुख्य मन्त्री जी ने खड़े हो कर कहा था कि बन्द नहीं कर रहे हैं।

चौधरी भजन लालः उन्होंने यह कहा था कि उस मिल्क प्लांट को कहीं उठा कर ले जा रहे हैं यह कहा था कि उठा कर नहीं ले जा रहे।

श्री बंसी लालः उन्होंने यह कहा था कि बन्द कर रहे हो। मैं चाहता हूं कि उसको बन्दी नहीं करना चाहिये, चालू रखना

चाहिए। (विध्न) अगर पहले बन्द था तो अब चालू कर सकते हैं। अध्यक्ष महोदय, हमारे भिवानी में एक आई0टी0आई0 या पोलेटेकनिक किसी प्राइवेट व्यक्ति ने संजय गांधी के नाम से चालू किया था। मेरे पास पिछले दिनों कुछ लोग आए और बताया कि इसमें पैसे लेकर लोग भरती कर लिए जबकि वह रिकगनाइज्ड भी नहीं है। मैं चाहता हूं कि इसके लिये सरकार पूरी इन्क्वायरी करवाए कि कितना पैसा खाया गया और क्या उसकी रिकगनि ान है या नहीं? अगर वह रिकगनाइज्ड नहीं है तो किसी ने वह रिक्रूमैंट कैसे कर ली। एक इसमें लिखा है कि हैल्थ फार आल वाई 2000। मेरा सरकार को सुझाव है कि दवाई के लिये गरीब आदमियों को बहुत परे ाानी होती है। मैं चाहता हूं कि दवाई के लिये हर हस्पताल का कोटा बढ़े आज एक तो कीमत बढ़ गई और एक गुर्बत बढ़ गई इसलिये गरीब बादमी के लिये दवाई का कोटा बढ़ाया जाए। अध्यक्ष महोदय, दस लाख टन गेहूं भारत सरकार इम्पोर्ट करने जा रही है। इससे हरियाणा, पंजाब या हिन्दुस्तान के किसानों को नुकसान होगा। इस सदन के जरिए मेरा भारत सरकार को यह सुझाव है कि बाहर से गेहूं इम्पोर्ट ने करें। जो गेहूं अमेरिका से आएगी वह साढ़े सात रुपये किलो पड़ेगी और हमारे किसान का गेहूं चार सौ रुपये क्विंटल लेने पर भी एतराज करते हैं। अगर हिन्दुस्तान के किसान को साढ़े चार सौ या पांच सौ रुपये का भाव दे दें और जो सबसिडी दें वह गरीब आदमियों को दें, जो गरीब गेहूं खाते हैं। यह सरकार सर्वे करे और जो ज्यादा से ज्यादा गरीब लोग हैं गांवों में या भाहरों के मोहल्लों में

रहते हैं या वार्डों में रहते हैं उनको सबसिडी दे। जो गरीब आदमी गांवों में या भाहरों के मोहल्लों और वार्डों में रहते हैं उनका सर्वे करे और सर्वे करने के बाद सरकार को जो सबसे ज्यादा गरीब आदमी मिलें उनके रा ान कार्ड का अलग रंग कर दे और उनकी ज्यादा सबसिडी दें। उन से कम गरीबों को कम सबसिडी दे दे और उनके रा ान कार्ड का रंग कोई दूसरा कर दे और उनको थोड़ी सी कम सबसिडी दे दे और उनसे थोड़े गरीबों को तीसरे रंग का रा ान कार्ड दे दे और उनको थोड़ी कम सबसिडी दे दे। ऐसा करने से किसानों को भी फायदा होगा और गरीब लोगों को भी फायदा होगा। अमेरिका से साढ़े सात रुपए किलोग्राम के हिसाब से गेहूं लाने से तो वह सारा पैसा समुद्र में पड़ता है। उससे दे ा को नुकसान होता है। इसलिये मैं कहता हूं कि अमेरिका से इतना मंहगा गेहूं ला कर हिन्दुस्तान के किसानों को नुकसान क्यों पहुंचाया जाए। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, मुख्य मन्त्री जी ने कह तो दिया कि ये इस 31 मार्च तक सभी टूटी हुई सड़कों की मुरम्मत करवा देंगे। मैं कहता हूं कि आप अगली 31 मार्च तक भी टूटी हुई सड़कों की मुरम्मत करवा दे ंतो भी हमें सब्र है मगर मुरम्मत करवा दें। हम मानते हैं कि सभी टूटी हुई सड़कों की मुरम्मत कराना कोई आसान काम नहीं है। यह बात नहीं है कि हम सरकार को डिफिकल्टी को नहीं समझते लेकिन आप टूटी हुई सड़कों की मुरम्मत करवा दें चाहे अगले साल की 31 मार्च तक करवा दे ंतो भी हम आपको मान जाएंगे। अध्यक्ष महोदय, नै ानल हाईवे को फौर लेनिंग करने की चर्चा

आई हमारे माननीय सदस्य श्री आनन्द सिंह डांगी ने अपनी तकरीर में कहा कि 1994 तक नै ानल हाईवे की फौर लेनिंग करने का काम कम्पलीट हो जाएगा। लेकिन अध्यक्ष महोदय, मैं महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाशण से जो बात समझा हूं वह यह है कि नै ानल हाईवे को फोर लेनिंग का काम सम्भालखा से करनाल के बीच 1994 तक हो जाएगा। अध्यक्ष महोदय, मैं तो डांगी साहब की बात से यह समझा कि 1994 तक नै ानल हाईवे की फोर लेनिंग का काम अम्बाला के साथ लगते हुए पंजाब बोर्डर तक कम्पलीट कर देंगे। यह बात राज्यपाल महोदय के अभिभाशण में तो नहीं कही गई है। ने ानल हाईवे पर ट्रैफिक भी जाम हो जाता है जिसके कारण लोग उस पर चल नहीं पाते हैं। ऐक्सीडैंटस भी बहुत होते हैं। बीच में ही रेहडू गाड़ी आ गई बीच में ही ट्रैक्टर आ गया, बीच में ही ट्रक आ गया बीच में ही बस आ गई और बीच में ही कार आ गई। तो जहां हम पहले चण्डीगढ़ से दिल्ली अढ़ाई तीन घंटे में पहुंचते थे आज वहां हमें पांच या साढ़े पांच घंटे लग जाते हैं और ट्रैक्टर को भी ओवर टेक नहीं कर सकते। नै ानल हाईवे की फोर लेनिंग का पिछली बार का जो कंट्रेक्ट था वह किसी इंगलि ा फर्म के साथ था उसमें एक हमारे भूतपूर्व मन्त्री या भूतपूर्व उप प्रधान मन्त्री के मिलने वाले थे वह उनके साथ्ज्ञ कोई झगड़ा फंसा कर बैठ गए जिसके कारण उसका काम रूक गया उसको किसी न किसी तरह से ठीक करना चाहिए। आज सुबह सदन में अफोरस्टे ान के बारे में चर्चा हुई। उस समय फरीदाबाद जिले के माननीय सदस्य यह कह रहे थे कि उनके

जिले में इतने पेड़ नहीं लगे जितने लगने चाहिएं। मैं कहता हूं कि अगर उस जिले में पेड़ नहीं लगे तो जरूर लगने चाहिएं मैं तो इस राय का हूं कि इस काम के लिये यदि सरकार को और बजट बढ़ाना पड़े तो बजट और बढ़ा दें। सरकार ने इस काम के लिये राज्यपाल महोदय के अभिभाशण में जो टारगेट फिक्स किया गया है मैं तो उसको भी कम मानता हूं उसको डबल करना चाहिये क्योंकि पेड़ तेजी से कटते जा रहे हैं और आबादी बढ़ती जा रही है इसलिये जब तक हम ज्यादा से ज्यादा अफोरस्टे ान नहीं करेंगे तो दे ा का गुजारा नहीं होगा। अध्यक्ष महोदय, बसों की हालत तो यह है कि अगर बसों के भाी ो टूट गए हैं तो उनकी जगह नए भाी ो नहीं लगते। अगर किसी बस की बौडी में डैंट आ गया तो यह ठीक नहीं होता। बस की बौडी में डैंट तो आ जाए मगर पूरे खचरे के खचरे पड़े हैं। मैं यह मानता हूं कि यह इस सरकार का कसूर नहीं है यह पिछली सरकार का कसूर है मैं इस बात को इन्कार नहीं करता लेकिन उसको ठीक करने का यह सरकार कोई रास्ता जरूर निकाले और सारी बसों को ठीक करे। सभी बस डिपोज में बहिस्से भाामलात अच्दी बुरी बसें भजें। अगर आप किसी एक ही जिले को जैसे भिवानी दादरी डिपोज को पुरानी बसें देने के लिये छांटे तो यह अच्छी बात नहीं है। अध्यक्ष महोदय, एक बात मैं टूरिज्म के बारे में कहूंगा। हमें टूरिज्म को बढ़ावा देना चाहिये। जो हमारे टूरिज्म कम्पलेक्सिज हैं उनको ठीक चलाने की कोि ा ा की जा रही है लेकिन फिर भी उनमें सफाई अप टू दि मार्क नहीं है। उनमें और ज्यादा सफाई रखने की

जरूरत है जिन जिन टूरिस्ट कम्पलेक्सिज के फर्नीचर टूटे हुए हैं या गलीचे खराब हो गए हैं या जल गए हैं और उनको बदलने की आव यकता है तो उनको अव य बदला जाए। अध्यक्ष महोदय, मैं यह बात क्रिटिसिज्म की नीयत से नहीं कहता। चाहे मुख्यमन्त्री जी इस बात की इंक्वायरी करवा लें पिछले दिनों इन्हीं की कैबिनेट के एक मन्त्री का लड़का अपने साथ कुछ और आदमी ले कर पिपली टूरिस्ट कम्पलैक्स में गया और उसने वहां जा कर कम्पलैक्स वालों से भाराब मांगी और ठहरने के लिये मुफ्त कमरे मांगे। यह ठीक बात है कि इस तरह की प्रथा पिछली सरकार ने चलाई थी। आप उस प्रथा को तोड़ों और ऐसा माहौल पैदा करो कि वहां पर भारीफ आदमी, इज्जतदार आदमी, बाल बच्चेदार आदमी ठहर सके। यह जो माहौल है भाराब पीना, मुफ्त में सारा काम करना यह कोई अच्छी बात नहीं है। मैं कहता हूं कि प्रदे ा के डिवैल्पमैंट के कामों पर ज्यादा से ज्यादा पैसा खर्च किया जाए। इन भाब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं क्योंकि आपने मुझे बोलने का समय दिया। धन्यवाद।

(इस समय बहुत से सदस्य बोलने के लिये खड़े हुए)

श्री अध्यक्षः चौधरी अजमत खां।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, एक मिनट और। मैं एक बात कहनी भूल गया था कि जो हरको बैंक का एम0डी0 है उसका एक महीने का टेलीफोन का बिल 40 हजार रुपये का आया है और

फिर दो महीने का 50 हजार रुपये का आया है। इतना बिल तो आपके किसी मिनिस्टर का भी नहीं आता होगा। मेरी आपसे रिकवैस्ट है कि उस एम0डी0 पर कुछ कन्ट्रोल करो। उसकी जेब में हमे ाा अप्वायंटमैंट लैटर्ज और टरमीने ान के लैटर्ज रहते हैं। इसी प्रकार से आप किसी वीकली अखबार को महीने की 40–50 हजार रुपये की ऐडवर्टाईजमैंट दे रहे हैं। आपकी बहुत लम्बी चौड़ी ऐडवर्टाईजमैंटस आ रही है। इतनी ऐडवर्टाईजमैंट किसी एक अखबार को देने की बजाये यदि डिवैल्पमैंट के काम पर वह पैसा खर्च करें तो डिवैल्पमैंट के काफी काम हो सकते हैं मेरा फिर कहना है कि उस अखबार को इतनी अधिक ऐडवर्टाईजमैंट न दें और जो हरको बैंक का एम0डी0 है उसको चैक करने की जरूरत है, उस पर चैक करें।

चौधरी अजमत खां (हथीन): मोहतरिम स्पीकर साहब, मैं महामहिम गवर्नर महोदय के अभिभाशण की ताईद करने क लिये खड़ा हुआ हूं। गवर्नर ऐड्रैस में किसी भी सरकार के आने वाले प्रोग्राम्ज होते हैं और पिछले साल की कारगुजारी होती है। इस गवर्नर ऐड्रैस से साबित होता है कि हमारी सरकार ने बहुत से अच्छे तरीके से और बहुत थोड़े से अरसे में काफी काम किए हैं।

प्रो0 राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, आपने हाउस का टाईम बढ़ा दिया है इसके लिये आपका धन्यवाद लेकिन चूंकि आज मुख्य मंत्री जी का कोई जवाब नहीं आना है इसलिये मेरी

गुजारि ा है कि पहले आप अपोजी ान के मैम्बरों को बोल लेने दें।

श्री अध्यक्षः भार्मा जी, आप तो बोल चुके हैं और बहिन चन्द्रावती भी बोल चुकी है। चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी भी मुझे उम्मीद है जरूर बोलेंगे।

चौधरी वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मैं इस समय बोलने के लिये समय मांगने हेतू खड़ा नहीं हुआ हूं। मेरी तो गुजारि ा यह है कि चूंकि आज सी0एम0 साहब ने कोई जवाब नहीं देना है इसलिये मुझे आज की बजाये परसों टाईम दे ंतो आपकी मेहरबानी होगी।

श्री अध्यक्षः ठीक है। आप परसों बोल लेनां

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, बी0ए0सी0 में गवर्नर ऐड्रैस पर डिस्क ान के लिए दो दिन का समय फिक्स हुआ था। हमारी पार्टी के बड़ी भारी तादाद में मैम्बर्ज हैं इसलिए आप उनको ही टाईम दें और चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी को भी आज ही बुलवा लें क्योंकि परसों तो केवल मैंने ही राज्यपाल महोदय के अभिभाशण का जवाब देना है।

चौधरी अजमत खांः स्पीकर साहब, मैं यह कह रहा था कि जो गवर्नर ऐड्रैस होता है किसी भी सरकार के आने वाले अजायम को उनकी नेक ख्वाहि ाात को और सरकार ने क्या करना है उसको द ार्शता है और जो उसकी कारकरदगी है उसको

द र्शिता है और उससे सरकार के कामों की झलक मिलती है। स्पीकर साहब, हमारी सरकार के जो कारनामे हैं चाहे वे ऐजूके ान में हों चाहे हैल्थ में हों चाहे इन्डस्ट्रीज में हों (विध्न) इनत माम बातों की तरफ जो खासतौर से तवज्जो दी है उनके लिए मैं इस सरकार को बधाई देता हूं। आज सुबह हमारे कुछ दोस्त कह रहे थे कि उन दोस्तों को जो यहां से उठ कर चले गये हैं माफी दी जानी चाहिए। स्पीकर साहब, जो गवर्नर के ऐड्रैस की अहमियत को नहीं समझते, जो गवर्नर की इज्जत को नहीं समझते, उन लोगों ने गवर्नर साहब के साथ जो सलूक किया और उसके बाद आपके साथ जो सलूक किया वह मुज्जतम के काबिल था। स्पीकर साहब, यह बात ठीक है कि उनको माफी मिलनी चाहिए लेकिन स्पीकर साहब, आप ज्यादा जानते हैं कि–

फूल की पत्ती से कट सकता है हीरे का जिगर,

मर्दे नादां पर क्लामे नर्मो नाजुक बेअसर।

स्पीकर साहब, आप जानते हैं कि अण्डारनी अपनी कड़वाहट को नहीं छोड़ सकती चाहे उस को भाहद में सींचा जाए। उन लोगों की तो आदत बनी हुई है वे अपनी आदतों से कैसे बाज आ सकते हैं? वे समझते हैं कि जो हाउस की कार्यवाही अच्छी तरह से चल रही उसको भी नहीं चलने दें। स्पीकर साहब, मैं अपने साथियों से कहूंगा कि जो बात हुई है उसके बारे में वे कम से कम खुद फील करें उसको महसूस करें कि हमने कोई

गलती की है। सदन की जो परम्परा है, सदन का जो मान–सम्मान है वे उसका ख्याल रखें। उन लोगों को माफी मिले उनको हाउस में बुलाया जाए इसमें कोई ऐसी बात नहीं है लेकिन यह होना चाहिए कि आयन्दा वे सदन की कार्यवाही को ठीक ढंग से चलने दें। स्पीकर साहब, इसके बारे में मैं ज्यादा नहीं कहूंगा क्योंकि आपने पहले ही टाईम पर पाबन्दी लगा दी है। मैं तो एक ही बात कहूंगा कि हमारी सरकार ने जम्हूरियत की जड़ें मजबूत करने के लिए जो कारनामे किए हैं वे तारीफ के काबिल है। इस प्रदे ा में जो पिछली सरकार रही वह म्यूनिसिपल कमेटी के इलैक ान नहीं करवा सकी, पंचायत के इलैक ान नहीं करवा सकी और अगर करवाए भी तो वे जम्हूरियत के ढंग से नहीं करवाये। हमारी सरकार ने सत्ता में आते ही चुनाव करवाए और हरेक आदमी को स्वतन्त्रता के साथ वोट डालने का हक दिया। वह पहले वाली गुंडागर्दी नहीं थी कि जिसको चाहा उसको सरपंज बना दिया, जिस को चाहा मैम्बर बना दिया। इन चुनावों के लिए भी यह सरकार मुबारिकबाद के काबिल है। इसके साथ ही साथ सैंट्रल गवर्नमैंट ने पंजाब में जो इलैक ान करवाए हैं उसका भी जिक्र ऐड्रैस में आया है। भाई साहब कह रहे थे कि पंजाब में इलैक ान करवाने का सारा क्रेडिट हम को जाता है। स्पीकर साहब, एक क्रेडिट तो बी0जे0पी0 को जरूर जाता है कि ये जहां भी जाएंगे फिसाद जरूर करवाएंगे। यह क्रेडिट इनको जरूर जाता है जिसके लिए ये धन्यवाद के पात्र हैं। (विध्न) आप इस सच्चाई को मानेंगे कि यह आप का ही काम है। (विध्न) मेरे दोस्त इसमें नाराज होने

की कोई बात नहीं है, आपने यह बात अपने भाशण में कही थी इसलिए मैंने इसका जिक्र किया है। हमारी सरकार जिस ढंग से आतंकवाद से निपटी है, पुलिस के अन्दर जो ज्यादतियां थीं जिस तरह से उनको कम किया है इससे सारे के सारे दोस्त वाकिफ हैं। स्पीकर साहब, किसी बुराई को एक दम से खत्म नहीं किया जा सकता है, बुरी आदतों को एकदम से नहीं छुड़ाया जा सकता। कुछ कमियां होती हैं क्योंकि यह समाज है, अफसर से भी गलती हो सकती है और जिसको खाने की आदत होती है, जुल्म करने की आदत होती है उनकी आदतों को छुड़ाने के लिए कुछ टाईम तो लगता ही है। जहां भी कुछ कमियां थीं वहां इस सरकार ने उनको कम करने की कोि ा ा की है। (विध्न) स्पीकर साहब, ऐडमिनिस्ट्रे ान के बारे में भी यहां पर जिक्र किया गया और उसमें पुलिस की बात भी आई। पुलिस में इतना सुधार है कि वे सोचने लगे हैं कि हमारे ऊपर भी कोई सरकार है और हम लोगों को इन्साफ दें। फिर भी अगर कहीं कोई गलती होती है तो उसको सरकार के नोटिस में लाया जाना चाहिए। दुनियां जब से बनी है और जब तक दुनिया रहेगी, जुर्म होते रहे हैं और होते रहेंगे लेकिन उन जुर्मो की अगर किसी को सजा मिलती है तो वही इन्साफ है। हमारी सरकार जुर्म करने वालों के खिलाफ सख्ती से निपटती है और पुलिस भी सख्ती से निपटती है लेकिन एक बात मैं जरूर कहूंगा कि पुलिस पर भी चैक होना चाहिए। मेरा अपना थोड़ा सा तजुर्बा यह है कि 1962 से पहले पुलिस वालों की ए0सी0आर0 लिखी जाती थी उनमें तहसीलदार थानेदार की और

डी0एस0पी0 की ए0सी0आर0, एस0डी0ओ0 (सिविल) लिखा करता था। इस तरीके से आपस में कम्बिने ान होता था। पुलिस वालों को भय रहता था कि सिविल वालों को उनकी कारकरदगी का पता है। मैं चाहता हूं कि अब भी थानेदार की ए0सी0आर0 कम से कम तहसीलदार लिखे ताकि पुलिस पर चैक रहे और लोगों पर कोई ज्यादती न होने पाये और किसी किस्म की ज्यादती न हो सके। (विध्न)

प्रो0 राम बिलास भार्मा: अगर एम0एल0ए0 लिखे तो।

चौधरी अजमत खां: नहीं नहीं, एम0एल0ए0 तो कोई भी हो सकता है आप भी हो सकते हैं और हम भी हो सकते हैं और कोई एक अनपढ़ आदमी भी हो सकता है, उसको अपने मफाद की ही बात सूझती है। लेकिन अफसर किसी बात को जज करके लिखेगा कि ऐसा नहीं है। (व्यवधान) मैंने तो सिर्फ आप को सलाह दी है। एम0एल0ए0 लिखने लगेगा तो अपनी मतलब की बात लिखेगा। हमें अपने अन्दर टटोल कर देखना चाहिए कि हमारा जमीर क्या है और हम क्या चाहते हैं और हमें क्या करना है। (ाोर एवं व्यवधान) एक बात और है कि इस सरकार ने बुढ़ापा पैं ान को 75 रुपए से बढ़ाकर 100 रुपए कर दिया है और उम्र को घटा कर 65 से 60 साल कर दिया है यह बहुत अच्छी बात है लेकिन अब भी कहीं कोई कमी रह गई है। तो मैं मुख्यमंत्री जी से कहूंगा कि कम से कम हर साल अप्रैल के महीने में उन बुजुर्गवार लोगों को जो रह गए हों दुबारा से इस वृद्धावस्था पैं ान के

अन्दर ले लिया जाए। स्पीकर साहब ऐडमिनिस्ट्रे ान के बारे में यहां पर जिक्र किया गया है। मैं मुख्यमंत्री जी का ध्यान इस और दिलाऊंगा कि कल मैंने एक सवाल रखा था पानीपत की ईदगाह के कब्रिस्तान का। मैंने सवाल इसलिए रखा था कि जो कुछ यह बीज बोये जाते हैं इसके नताइज बड़े दूरस्थ होते हैं। बहुत दिन में इसका नतीजा बरामद होता है। 3 साल पहले उस वक्त के एम0एल0ए0 व मंत्री ने इस जमीन पर नाजायज कब्जा करवाया था और ऐडमिनिस्ट्रे ान आखें मूंद कर बैठा रहा था। क्यों बैठा रहा था क्योंकि वहां का एस0डी0ओ0 चाहता था और वहां की कमेटी चाहती थी कि इसको फौरो तौर पर डिमोलि ा करा दें। ऊपर से ऐडमिनिस्ट्रे ान की हिदायत थी। स्पीकर साहब, यह बीज इतना बड़ा बो दिया कि इस जमीन के झगड़े धीरे धीरे कोर्ट में चले गए जबकि कोर्ट में ले जाने की जरूरत नहीं थी। जब सरकार खुद अपनी जमीन पर डिमोलि ा करके रास्ता बना दे तो इसमें कोई कोर्ट में जाने की बात नहीं है। सरकार अपनी तरफ से डिमोलि ा कर सकती है। जब वहां की कमेटी ने डिमोलि ान के आर्डर दिए थे तो उस वक्त के मेरे दोस्त जो आज यहां नहीं है उन्होंने कब्जा करवाया था। मैं उनके मुंह पर यह कहता, चुगलखोरी करने की मेरी आदत नहीं है। सच्ची बात उनके सामने होती तो बेहतर था। उन लोगों के साथ त्यागी साहब थे और कादयान साहब थे इन लोगों ने उस जमीन पर कब्जा करवाया था। (व्यवधान) कैसा किसान, किस किसान की वह जगह? इन लोगों के फायदे के लिए लोगों को बुलाकर उस जगह पर नाजायज कब्जा करवाया।

(व्यवधान) एक बात आपने कही है और जो अखबारों में छपी है कि हरियाणा और पंजाब का वक्फ बोर्ड अलग अलग होना चाहिए। मैं मुख्यमंत्री जी को एक बात बता दूं कि हरियाणा वालों का फायदा इसी में है कि यह बोर्ड एक ही जगह रखें। हरियाणा की आमदनी कम और खर्चा ज्यादा है। इसलिए मेरी रिक्वैस्ट है कि बोर्ड एक जगह रखा जाए और बोर्ड के बारे में फाईल यदि आपके पास आती है तो ऐडमिनिस्ट्रे ान उसका पूरा ख्याल रखे और उनका साथ दे। स्पीकर साहब, पिछले दिनों में मस्जिद नजबुलहक सोहना, जिला गुड़गांव को अदालत से वागुजार कराया है। बड़े भार्म की बात है। ऐडमिनिस्ट्रे ान के पास रिकार्ड है कि वहां स्कूल लगा हुआ है, वह जगह स्कूल वालों के पास है और मस्जिद, जिसके आर्डर 5–6 साल हो चुके हैं, और 5–6 साल से आर्डर ऐसे ही पड़े हुए हैं, वे इम्पलीमैंट नहीं हो रहे हैं और आज तक वक्फ बोर्ड वालों को वह वापिस नहीं की गई है। तो मेरी आपसे यह भी प्रार्थना है कि मस्जिद बोर्ड को दे दी जाए।

14.00 बजे

स्पीकर साहब, हमारी सरकार और सारे भाई एस0वाई0एल0 का जिक्र करते हैं और भूल जाते हैं इस बात को कि एस0वाई0एल0 का मसला जब भी उठाया गया है कांग्रेस सरकार ने उठाया है। लेकिन बाजदफा हालात ऐसे होते हैं कि बैक गीयर लग जाता है। जिस वक्त 1977 से लेकर 1978 तक उनकी (जनता पार्टी) सरकार रही तो उन्होंने दोस्ती के नाते से

इस मसले को बस्ते में रख दिया। अब बीच में सरकार आई और काम बहुत तेजी से हो रहा था और उम्मीद थी कि एक साल के अन्दर अन्दर एस0वाई0एल0 नहर बन कर तैयार हो जाएगी और हरियाणा को पानी मिल जाएगा। लेकिन फिर 1987 में सरकार बदली और जमूद आया, एक जगह बात जम गई उन्होंने उसका जिक्र नहीं किया और जैसे ही कुर्सी टूटी तो एस0वाई0एल0 उन सबको याद आने लगी। अगर किसी भी चीज को आप पड़ी रहने देंगे तो उसमें जंग लग जाएगा और उस जंग को साफ करने में टाईम लगेगा। (घंटी) तो स्पीकर साहब, अभी जो एस0वाई0एल0 का जिक्र था वह तो हमारी सरकार ने आकर छेड़ा है और हमारी सरकार इस पर कार्यवाही कर रही है। इस पर जो जंग लगा हुआ था इसको छुड़ाने के बाद ही म ीनरी आगे चलेगी। यह सरकार इस बात के लिए पूरी सतर्क है कि एस0वाई0एल0 का पानी हम लेंगे। यह सरकार एस0वाई0एल0 का पानी जरूर लायेगी। स्पीकर साहब, यह ऐसी बात है जिसके लिए ये भाई भी बड़ा भाोर मचाते हैं। वैसे इन्होंने क्या किया? कुछ तो इनमें से पहले भी सरकार में रहे हैं लकिन उन्होंने भाायद ही कभी एस0वाई0एल0 के बारे में कुछ कहा हो। स्पीकर साहब, इसके अलावा चण्डीगढ़ का मसला है चण्डीगढ़ तो हमारा है और उस वक्त तक हमारा ही रहेगा जब तक कि हमें हमारा हक नहीं मिलेगा। हमारी पार्टी का फैसला है कि जब तक अबोहर फाजिल्का या दूसरी अन्य चीजें हमें नहीं मिलेंगी तब तक चण्डीगढ़ हमारा ही रहेगा। इसमें अगर कोई आदमी गलत तरीके से सोचे तो यह दूसरी बात है। एक बात और

मैं मुख्यमंत्री जी से कहूंगा कि कर्जे की अदायगी के लिए आपने बहुत अच्छी बात की। यह नहीं कहा कि हम तुम्हारे कर्जे माफ कर देंगे। ऐसा करने से लोग कर्जे देना नहीं चाहेंगे और कर्जे न देने से बहुत बड़ा नुक्सान होता है, आदमी बेईमान हो जाता है। आपने सूद माफ किया। लेकिन मैं आपसे एक बात अर्ज करूं कि कई जगह पर तथा मेरे हल्के में भी एक गांव गुरासर है जहां सैक्रेटरी ने एक दिन भी दो महीने में हाजिरी नहीं दी और उन लोगों को एक पैसे का फायदा नहीं हुआ बल्कि उससे उन लोगों को काफी नुक्सान हुआ। इसलिए मेरी आपसे गुजारि ा है कि जहां आप इतने दयालू हैं हमारे हल्के में उस जाने में न सरसों की फसल थी और न गन्ने की फसल थी और न लोगों के पास साधन थे, इसलिए आप कम से कम एक महीना यानी अप्रैल और दे दें ताकि लोग इसका फायदा उठा सके। आपको इससे ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। आप अगर चाहें तो लोगों के साथ यह एक और भलाई करें तो मैं समझता हूं कि यह लोगों के साथ बहुत अच्छी बात होगी। इसके साथ साथ मेवात विकास बोर्ड के बारे में अभिभाशण में बताया गया है कि 330 लाख रुपये मेवात बोर्ड के लिए पिछले साल दिये गये और इस साल 375 लाख दिये जा रहे हैं लेकिन मेरी अपनी जानकारी के मुताबिक 225 करोड़ रुपये ही सिर्फ मेवात विकास बोर्ड के लिए दिये गये थे इसलिए इस भोश रकम को भी अगली रकम में भाामिल करके पूरा किया जाये। इसके अलावा एक बात आपने पानी के बारे में, मेवात केनाल के बारे में कही। आपने पूरी कोि ा ा की है कि एस0वाई0एल0 का पानी हरियाणा में

आये जिससे मेवात कैनाल को भी पानी मिले। मेरा आपसे एक अनुरोध है कि उटावड माईनर का टेल ऊंचा है और उसका हैड नीचा है इसलिए 25 साल से आज तक वहां एक भी खेत को पानी नहीं मिल सका। उस नहर में पानी अस्सी आर0 डी0 तक जाता है और वह सिर्फ नहर में ही रहता है टेल तक पानी नहीं पहुंचता और आप कह देते हैं कि आर0डी0 अस्सी तक पहुंच गया। इसलिए उटावड माईनर का आप दोबारा सर्वे कराकर नये सिरे से पूरा करवायें। मैं एक और आपसे अर्ज करना चाहूंगा कि मैं हथीन का रहने वाला हूं। हथीन एक कस्बा है लेकिन भाायद हरियाणा में यह अकेला ऐसा कस्बा होगा जहां कोई सिविल होस्पिटल नहीं है। सिविल होस्पिटल की बात तो दूर रही वहां पी0एच0सी0 भी नहीं है। इसके अलावा वहां पर न कोई बस अड्डा है और न कोई लड़कों का 10+2 का स्कूल है। इसलिए मैं आपसे अर्ज करूंगा कि वहां पर कम से कम एक 10+2 स्कूल और एक बस अड्डा और उसके साथ साथ कम से कम एक अस्पताल भी वहां पर बनवाया जाये।

श्री अध्यक्षः अजमत खां जी, आपका टाईम हो गया।

चौधरी अजमत खांः अध्यक्ष महोदय, मुझे केवल आपके दो मिनट और चाहिए। स्कूल के लिए आपने कहा कि पिछली बार स्कूल दिए। यह बहुत अच्छी बात है लेकिन इस बार स्कूल की अपग्रेडेाान कम रखी गयी है। मैं चाहता हूं कि जो आपने अपग्रेडेाान रखी है इनको तीन गुना रखा जाये ताकि सबको

ऐजुके ान मिल सके। यहां स्कूलों की बहुत थोड़ी तादाद है। इसलिए इस अपग्रेडे ान से हमारे इलाके में एक या दो स्कूल ही मिल पायेंगे। मैं चाहता हूं कि ब्रांच स्कूलों को पूरे स्कूलों का दर्जा दे दिया जाये क्योंकि ब्रांच स्कूलों में कोई टीचर पढ़ाने के लिए ही नहीं जाता। (**इस समय सभापतियों की सूची के एक सदस्य श्री राम पाल सिंह कंवर पदासीन हुए**।) मेरे इलाके में भी इस तरह के कई स्कूल मौजूद हैं। इसके अलावा सभापति महोदय, मुझे भौचालय की बात और कहनी है। भौचालय बनाना बहुत अच्छी बात है लेकिन जहां तक एक गांव में सामूहिक भौचालय बनाने की बात है इतने बड़े गांव में सामूहिक भौचालय बहुत कम हैं और फिर इसके लिए भी गांव के नजदीक पंचायत की कोई जमीन नहीं है। अगर सामूहिक भौचायल बने तो एक किल्ले में एक बनेगा। गांव में एक छोर से दूसरे छोर तक कोई आदमी आने के लिये तैयार नहीं है। मेरा कहना यह है कि यदि उस पैसे को घर–घर में भौचालय बनाने के लिये इस्तेमाल किया जाये तो अच्छा रहेगा। अगर ऐसा करें तो ज्यादा बेहतर रहेगा। इन अलफाज के साथ मैं यह जो अच्छा अभिभाशण है, इसकी हिमायत करता हूं। इसमें सरकार की गलतियों की तरफ ध्यान दिलाते हुए आगे के लिये हमारी सरकार के बुलन्द और नेक ख्वा ाहात के लिये जो उन्होंने मार्ग–द र्ान किया, इसके लिये मैं गवर्नर महोदय को मुबारिकबाद देता हूं और इसकी हिमायत करता हूं। भुक्रिया।

श्री राम रतन (हसनपुर, अनुसूचित जाति): चेयरमैन साहब, मैं आपके माध्यम से अपने साथी विधायक जिन्होंने यह कहा कि मेरे ऊपर केस बनाया गया, मैं उनको यह बताना चाहता हूं कि यह तो बहुत कम केस बनाये गये हैं। इन्होंने जो जुर्म किये हैं, वे तो बहुत ज्यादा हैं। इनके कारनामों की कापी मेरे पास है। (व्यवधान व भाोर)

प्रो0 राम बिलास भार्मा: आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। बात यह है कि गवर्नर ऐड्रैस पर बहस चल रही है। आप औनरेबल मैम्बर से यह कहें कि वह गवर्नर ऐड्रैस पर ही बोलें। एक दूसरे को बाद में बात लें।

श्री राम रतन: सभापति महोदय, मेरे साथी कर्ण सिंह दलाल एस0डी0एम0 कालेज के प्रेजीडैंट थे। अपनी प्रैजीडैंसी कायम रखने के लिये इन्होंने वहां पर गोली चलायी। बाद में अदालत में जाकर यानी हाई कोर्ट में माफी मांगनी पड़ी। इन्होंने माफी मांगी है, यह तो रिकार्ड की बात है कि कर्ण सिंह दलाल जो आज के विधायक हैं, इन्होंने वहां पर माफी मांगी है। इसकी कापी मेरे पास है मेरे से ले लो। . . . (व्यवधान व भाोर) . . . .

श्री कर्ण सिंह दलाल: आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। चेयरमैन साहब, मैं आपके माध्यम से अपने भाई विधायक श्री राम रत्न जी को यह बता देना चाहता हूं . . . (व्यवधान व भाोर) . . . .

श्री सभापतिः बताने का कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं होता। आप कृपया बैठिये। राम रत्न जी आप बोलिये।

श्री राम रतनः चेयरमैन साहब, राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाशण दिया है, मैं उसका जिक्र करना चाहता हूं कि यह बहुत ही अच्छा है, बहुत ही बढ़िया है।

श्री बंसी लालः चेयरमैन साहब, हमारी जान को एक आफत हो रही है। अगर ये किसी ने मिनिस्टर बनाने का वायदा करके उड़े बिठा दे ंतो हमें मु कल हो जाए।

श्री सभापतिः बंसी लाल जी, आपको कोई मु कल नहीं है।

श्री राम रतनः सभापति महोदय, एक तो जो सरकार ने बुढ़ापा पें ान की बात की है, यह बहुत ही अच्छी बात की गयी है। एक और बात जो लड़कियों की ि ाक्षा के बाबत की गयी है वि ोश तौर पर बी0ए0 तक फ्री ि ाक्षा देने की बात करके सरकार ने बहुत ही अच्छा कदम उठाया है। यह पहली सरकार है जिसने ऐसा किया है। हमारी कांग्रेस पार्टी की सरकार ने जो वृदावस्था पें ान के लिये 65 साल से घटा कर 60 साल की उम्र की है, यह बहुत ही अच्छी बात है। हमारे हरियाणा को चौधरी भजन लाल जी जैसा मुख्य मन्त्री बड़ी किस्मत से मिला है। ऐसा मुख्य मन्त्री भविश्य में कोई नहीं होगा। इन्होंने चारों तरफ खु ाहाली ही खु ाहाली कर दी है। मैं आपके द्वारा अपने साथी

आदरणीय कर्ण सिंह दलाल को एक बात और बता देना चाहता हूं। अपने हितों की रक्षा करने के लिये इन लोगों ने 15–2–1989 को मजदूर भाइयों को पहले भड़काया उनसे गड़बड़ करवायी और उलटे उन्हीं मजदूरों के खिलाफ मुकद्दमें दर्ज किये गये। आज तक इनके खिलाफ इसके लिये कोई कार्यवाही नहीं हुई है। इस बात की एफ0आई0आर0 भी मेरे पास है। मैं सदन में इस सरकार से यह कहना चाहता हूं कि जिन लोगों ने उन मजदूरों पर गोली चलायी थी, उनके खिलाफ भी कार्यवाही अव य होनी चाहिये। उनको भी सजा जरूर मिलनी चाहिये जिन्होंने उन बेगुनाह मजदूरों को फंसाया है। चेयरमैन साहब, मेरे साथी विधायक श्री कर्ण सिंह दलाल ने कहा कि मेरे खिलाफ झूठे मुकदमें बनाये हैं लेकिन मैं कहता हूं कि दलाल के खिलाफ मुकदमें ठीक बनाये गये हैं लेकिन दर्ज बहुत कम हुए हैं। (व्यवधान व भाोर) चेयरमैन साहब, मैं आपको इनके क्या क्या कारनामे बताऊं। अभी हाल ही में श्री कर्ण सिंह दलाल, विधायक, ने सनातन धर्म कालेज पलवल में अपनी सस्ती राजनीति के तहत छात्रों के जीवन व ि ाक्षा संस्थान की मान मर्यादा का ना ा किया जिससे केस नं0 707 दिनांक 27–7–1985 में हाई कोट में इन्हें माफी मांगनी पड़ी जोकि रिकार्ड की बात है और इसकी एक प्रति मेरे पास मौजूद भी है। यहां तक ही नहीं, इन्होंने अपने स्वार्थ के लिये मंगला उद्योग के कर्मचारियों, जोकि भाान्तिपूर्वक हड़ताल पर थे, को धमकाया और उनके ऊपर अपने पाले हुए गुण्ड़ों से गोलियां चलवाई और राजनीतिक दबाव डलवाकर गरीब कर्मचारियों के विरूद्ध ही मामले

दर्ज करवा दिये। इसी केस में इनके खिलाफ एक एफ0आई0आर0 भी दर्ज करवायी गई है जिसका नं0 69/90 है। इसलिये मैं सरकार से निवेदन करूंगा कि इस केस की जांच करवाई जावे तथा दोशियों के विरूद्ध कार्यवाही की जाये और वर्करों को न्याय दिलाया जावे।

चेयरमैन साहब, दलाल साहब ने सरलागढ़ स्कूल के खेल मैदान की जो जमीन है उस पर कब्जा करने के लिये रातों–रात डा0 अम्बेडकर की मूर्ति की वहां पर स्थापना कर दी तथा अपने नाम का पत्थर भी वहां पर लगवा दिया। इस जमीन को अपने रि तेदारों के माध्यम से हड़पना तथा बेचना चाहता था। इस आदमी ने इस जमीन की रजिस्ट्री भी अपने नाम करवा ली। फिर इसने क्या किया कि इसी जमीन को हथयाने के चक्कर में 22–1–92 को अपने गंडों से डाक्टर अम्बेडकर की जो मूर्ति लगायी थी वह भी वहां से उठवा ली तथा उसे नाले में फिकवा दिया। यह काम इसने अपने रि तेदार जोकि पलवल में प्रोपर्टी डीलर का कार्य करता है उनकी साजि ा से करवाया ताकि इस जमीन को जल्दी बेच दिया जा सके। इस सम्बन्ध में पलवल थाने में इनके विरूद्ध केस भी दर्ज है। अतः मैं मुख्य मंत्री महोदय से यह कहूंगा कि इस केस की जल्द से जल्द जांच करवाई जाये तथा सरलागढ़ स्कूल के खेल मैदान में जो इसके नाम का पत्थर लगा हुआ है उसे प्र ाासन द्वारा तुरन्त हटवाया जाये तथा इस जमीन को सरलागढ़ स्कूल में भाामिल करके इसमें और कमरे

बनवाये जायें। इस स्कूल को अप–ग्रेड करके हाई स्कूल का दर्जा दिया जाये।

चेयरमैन साहब, दिनांक 25–1–92 को सरलागढ़ में सर्व जातीय पंचायत हुई जिसें अम्बेदकर की मूर्ति उठायी जाने के बारे में विचार किया गया। पंचायत के सामने ये सारे तथ्य आ गये थे कि यह मूर्ति श्री कर्ण सिंह दलाल की साजि ा से उठवाई गयी है। इस पर रोश व्यक्त करने के लिये श्री दलाल ने अपने गुण्डों द्वारा पंचायत पर तथा वहां इकट्ठा हुये लोगों पर फरीदाबाद के एस0पी0 तथा डी0सी0 के सामने ही पत्थर फिंकवाये। इस बारे भी पलवल थाने में केस दर्ज किया गया जोकि रिकार्ड पर है।

इसी तरह से चेयरमैन साहब, मैं एक बात और यहां हाउस के सामने लाना चाहता हूं कि श्रीमती चन्द्रावती, पत्नि अर्जुन सिंह, डाटर आफ भजन लाल, गांव सरलागढ़ के थाना सदर पलवल में एक एफ0आई0आर0 दर्ज करवायी। चन्द्रावती और अर्जून सिंह का आपसी झगड़ा रहता था जिसके कारण से उन्होंने चन्द्रावती को घर से निकाल दिया लेकिन इस कर्ण सिंह दलाल ने क्या करतूत की कि अर्जून सिंह का विवाह लड़की के माता पिता से मिलकर एक नाबालिग लड़की से करवा दिया जबकि चन्द्रावती का अभी तलाक भी नहीं हुआ है। पुलिस ने इस नाबालिग लड़की के साथ भाादी का डटकर विरोध किया लेकिन श्री दलाल ने सभी कानूनों को दाव पर लगाकर इस भाादी को करवाया। अतः सरकार इस मामले की भी जांच करवाए।

इसी तरह से मैं यह बताना चाहता हूं कि दलाल ने पलवल भूगर मिल में अपने भाई को डायरैक्टर बनवाया हुआ है जोकि भूगर मिल में नित नये घपले करता रहता है। उस ने डायरैक्टर बनते ही कुछ कर्मचारियों को नौकरी से हटा दिया तथा उन कर्मचारियों में आपस में फूट डालकर वहां मिल के अन्दर आतंक का वातावरण बना दिया। और मिल को बन्द करने तक की नौबत भी आ गई। खरीद में लगभग लाखों की धांधली की है। बेरोजगार लोगों को तो क्या केवल अपने ही रि तेदारों को नौकरी दिलवाकर अपने ही हित को पूरा किया है। बोगस गन्ने के बीज के नाम पर लाखों रुपये का गोलमाल किया गया है। उस मिल से किसानों को मिलने वाली फ्री दवाई को बाजार में बेचकर लाखों रुपये हजम कर लिये। मिल के नाम पर जो कैमीकल खरीदे गये उसकी जांच करवाने पर पानी साबित हुये हैं। अतः मेरा सरकार से अनुरोध है कि इन सारी बातों की जांच करवाई जाए तथा दोशियों के विरूद्ध भीघ्र ही कार्यवाही की जावे। (व्यवधान व भाोर) चेयरमैन साहब, मेरे साथी कर्ण सिंह दलाल ने कहा कि वे किसानों के बड़े हिमायती हैं। अगर किसानों के हिमायती हैं तो इन्होंने अपने भाई भतीजों को दो दो लाख रुपए भूगर मिल से क्यो दिलवाए और वह पैसा किसानों को क्यों नहीं दिवाया? पीछे पंचायतों के इलैक ान हुए थे। दलाल ने गांव गांव में जाकर लोगों को उकसाया और उनको काह कि ट्रकों को आग लगा दी। उन लोगों ने इनके कहने से आग लगाई। मैं कहता हूं कि ऐसे आदमी को सदन में बैठने का कोई अधिकार नहीं है। मेरे भाई

एक मुद्दा खुद तो उठा नहीं सके लेकिन मेरी जात बिरादरी के एक भाई को कह कर उठवाया। (ाोर) मैंने मुख्य मंत्री जी से आग्रह किया था कि वे इसका सबूत दें। आप उसकी इन्क्वायरी करवा लें अगर मैं कसूरवार पाया गया तो मुझे सजा दी जाए। (ाोर) अगर मेरा दोश हुआ तो मैं इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं।

साथी लहरी सिंहः चेयरमैन साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मेरे काबिल दोस्त राम रत्न जी कहां बोल रहे हैं यह मेरी समझ में नहीं आ रहा है। एक बात मेरी समझ में आई कि इन्होंने कहा कि अगर मैं दोशी हूं तो मैं इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं। कर्ण सिंह दलाल जी से पूछ लिया जाए अगर वे भी इस भार्त को मन्जूर करते है तो दोनों का इस्तीफा ले लें।

श्री सभापतिः आप कृपया बैठिये, यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है।

श्री राम रतनः चेयरमैन साहब, कर्ण सिंह दलाल भी इस्तीफा दे दें और मैं भी दे देता हूं। (ाोर)

चौधरी भोर सिंहः चेयरमैन साहब, राम रत्न एक सीरियस चार्ज लगा रहे हैं और वे इस्तीफा देने के लिए भी तैयार हैं। दोनों से इस्तीफा लिखवा लें और उसके बाद फैसला करने के लिए एक कमेटी बिठा दें। (ाोर)

श्री राम रतनः चेयरमैन साहब, मैं मुख्य मंत्री जी से अब अपनी कांस्टिचुऐंसी में विकास के कार्य करने सम्बन्धी कुछ बातें

कहना चाहता हूं। मेरा हल्का पिछड़ा हुआ है और आज तक उस तरफ किसी ने ध्यान नहीं दिया। सब से पहले मैं आगरा कैनाल के बारे में कहना चाहता हूं। हमारे किसानों का पूरा रकबा आगरा कैनाल से जुड़ा हुआ है इसलिए सरकार किसी भी कीमत पर आगरा कैनाल का कंट्रोल अपने हाथ में ले और हमारे इलाके के किसानों को पानी दे। यदि आगरा कैनाल का कंट्रोल सरकार हाथ में ले ले तो उससे मेरे इलाके के किसानों को बहुत फायदा होगा। इसके अलावा मैं एक बात यह भी कहना चाहूंगा कि हरियाणा प्रदे ा में कई जगहों पर, जैसे महेन्द्रगढ़ का ईलाका है, पानी का लैवल बहुत नीचे चला गया है। वहां पर किसानों से ट्यूबवैल के 16 पैसे प्रति यूनिट के हिसाब से बिजली के रेट चार्ज किए जाते हैं। मैं मुख्य मंत्री जी से प्रार्थना करूंगा कि मेरे हल्के में भी पानी का लैवल काफी नीच चला गया है और किसानों को अपने ट्यूबवैलों पर दो दो मोटरें लगा कर पानी निकालना पड़ता है। इसलिए वहां पर भी किसानों से बिजली के रेट 16 पैसे प्रति यूनिट के हिसाब से चार्ज किए जाएं।

श्री सभापतिः राम रतन जी आपका टाईम हो गया ह ै अब आप बाईड अप करें।

श्री राम रतनः चेयरमैन साहब, मेरे बोलने का टाईम तो अभी भाुरू हुआ है आप कह रहे हैं कि मैं वाइंड अप करूं। इसके अलावा मैं मुख्य मंत्री जी से प्रार्थना करूंगा कि हमारी होडल सब–तहसील को तहसील का दर्जा दिया जाए। मुझे बड़ा अफसोस

है कि इस बारे में उस इलाके के दूसरे विधायकों ने कोई जिकर नहीं किया। चेयरमैन साहब, मेरे हल्के में मुख्य मंत्री जी गए थे और इनको पता है कि राम रतन केवल एक विधायक की हैसियत से ही नहीं बल्कि एक कार्यकर्ता के नाते कांग्रेस पार्टी का कट्टर कार्यकर्ता है। मेरे हल्के में जमुना नदी पर ड्रमों का एक पुल बना हुआ है। मेरी प्रार्थना है कि उस पुल को पक्का बना दिया जाए। हमारे फरीदाबाद जिले के विधायक या तो कांग्रेस पार्टी के नहीं हैं यदि हैं तो उनको मंत्री बनाया हुआ है। इसलिए मुख्य मंत्री जी से मेरी प्रार्थना है कि मैं कांग्रेस पार्टी का केवल एक ही विधायक होने के नाते मेरे हल्के में ज्यादा से ज्यादा काम किए जाएं। इसके अलावा, मैंने जिस विधायक के खिलाफ जो–जो बातें कहीं हैं, उसके खिलाफ कार्यवाही करें।

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः चेयरमैन साहब, मेरा प्वायंट औफ आर्डर है। मैं आपके माध्यम से मुख्य मन्त्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि हमारे साथी श्री राम रत्न ने अपने हल्के के विकास के बारे में जो–जो बातें कहीं हैं, उनको मंजूर किया जाए। (विध्न)

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

श्री कर्ण सिंह दलाल द्वारा

श्री कर्ण सिंह दलालः आन ऐ प्वायंट आफ पर्सनल ऐक्सप्लेने ान, सर। चेयरमैन साहब, मैं आपके माध्यम से यह

कहना चाहता हूं कि मेरे साथी ने मेरे खिलाफ बहुत गलत इल्जाम लगाए हैं। इन्होंने बोलते समय बहुत अपमानित भाशा का प्रयोग किया है और मैं समझता हूं कि यह पूरे सदन की बेइज्जती है। किसी आदमी को किसी दूसरे आदमी के बारे में बिना सोचे–समझे कोई गलत इल्जाम नहीं लगाने चाहिएं। मेरे साथी ने मेरे ऊपर जिस तरह की भाशा इस्तेमाल करके गलत और झूठे इल्जाम लगाए, वह कोई अच्छी बात नहीं है। चेयरमैन साहब, मैं रिकार्ड के हिसाब से दो तीन बातें बताना चाहूंगा। . . . . . (ाोर)

श्री सभापतिः यह कोई पर्सनल ऐक्सप्लेने ान नहीं है। भाईयों की घरवालियों वाली बात एक्सपंज कर दी जाए।

श्री कर्ण सिंह दलालः चेयरमैन साहब, इसके अलावा जुए के खेल के मामले में इनका नाम 15–2–1984 की एफ0आई0आर0 नम्बर 35 पर दर्ज है। (ाोर)

श्री सभापतिः देखिए, जो आप कह रहे हैं यह काउंटर ऐलीगै ांज है। यह कोई पर्सनल ऐक्सप्लेने ान नहीं है। आप केवल पर्सनल ऐक्सप्लेने ान ही दे सकते हैं। जो बातें आपके बारे में कहीं गई है आप केवल उन्हीं का ही जवाब दें।

श्री कर्ण सिंह दलालः चेयरमैन साहब, इन्होंने मेरे ऊपर जो आरोप लगाये हैं उनके बारे में मैं एक बात आपके सम्मुख रखना चाहता हूं। पलवल के अन्दर मेरे अलावा इनकी पार्टी के चार विधायक हैं जिनमें से दो मंत्री हैं और दो विधायक हैं। सदन

के नेता यहां पर बैठे हुए हैं। बड़ी पंचायती सी बात है कि ये चारों, इनकी पार्टी के विधायक अपने धर्म ईमान से यह बात कह दें कि इस विधायक का बाबा सहाब डा0 बी0आर0 अम्बेदकर की मूर्ति को तोड़ने में कोई हाथ नहीं है तो जो जुर्माना कहोगे वह मैं दूंगा। मैं इस्तीफा भी दे दूंगा लेकिन वे अपने धर्म ईमान से यह बात कह दें कि राम रतन विधायक का कोई हाथ नहीं है। इसमें न किसी इन्कवायरी करवाये जाने की जरूरत है और न ही कुछ और करने की जरूरत है।

चेयरमैन साहब, दूसरा इल्जाम भी इन्होंने लगाया है। जिस जिले से मैं सम्बन्ध रखता हूं उस जिले को जो परम्पराएं हैं उनके बारे में मैं वहां पर एक ऐसी कोि ा ा कर रहा हूं कि अपने जिले को एक नई पहचान सी हरियाणा प्रदे ा में बना सकूं। जो बातें मैंने गवर्नर महोदय के अभिभाशण के धन्यवाद प्रस्ताव के विरोध में बोलते हुए कही थी . . . . .

श्री सभापतिः आप भाशण न दें। जो बातें आपके बारे में कही गई है केवल उन्हीं का जवाब दें।

श्री कर्ण सिंह दलालः चेयरमैन साहब, मैं केवल उन्हीं बातों का जवाब दे रहा हूं। ये मेरे खिलाफ मुकदमे की बात का भी कुछ जिकर कर रहे थे।

श्री सभापतिः आप ये बातें कह चुके हैं। आप केवल उन्हीं बातों का जवाब दें, जो ऐलीगे ांज आप पर लगाये गए हैं।

श्री कर्ण सिंह दलालः चेयरमैन साहब, मैं केवल पर्सनल एक्सप्लेने ा नही दे रहा हूं। जो आरोप इन्होंने मुझ पर लगाये हैं केवल उन्हीं का जवाब दे रहा हूं। इन्होंने मेरे ऊपर इलजाम लगाये हैं कि मैंने किसी लड़के की भाादी किसी नाबालिग लड़की से करवा दी। अगर यह कहीं भी साबित हो जाये तो जो सदन ठीक समझे मैं वह सजा भुगतने के लिए तैयार हूं। यह बिल्कुल झूठा मुकदमा है। मैंने अभिभाशण पर बोलते हुए भी कहा था कि यह मेरा काम नहीं है। (विध्न) आज चौधरी भजन लाल जी मुख्य मन्त्री हैं। (विध्न)

श्री राम रतनः चेयरमैन साहब, ये जो कुछ कह रहे हैं, गलत कह रहे हैं। (ाोर एवं विध्न)

श्री सभापतिः राम रतन जी आप बैठिये।

श्री कर्ण सिंह दलालः आज सरकार चौधरी भजन लाल जी की है, मेरे खिलाफ चाहे 50 मुकदमे दर्ज करा दें। वे करा सकते हैं क्योंकि सरकार इनकी है लेकिन मैं मुकदमों से घबराता नहीं। . . . . . .

श्री सभापतिः आप जल्दी खत्म करिये।

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल): चेयरमैन साहब, एक बात इन्होंने कह दी . . . . . यह ऐक्सपंज होनी चाहिए।

सभापतिः इन बातों को एक्सपंज कर दें क्योंकि यह रैलवैंट नहीं है। आप केवल पर्सनल ऐक्सप्लेने ान पर ही अपनी बात कह सकते हैं। आपको मैंने पर्सनल ऐक्सप्लेने ान के लिए इजाजत दी है। मैंने कांउटर ऐलीगे ांज लगाने के लिए इजाजत नहीं दी है। अगर आप काउंटर ऐलीगे ान्ज लगायेंगे तो, that will not be made part of the proceedings.

श्री कर्ण सिंह दलालः चेयरमैन साहब, मैं तो केवल पर्सनल ऐक्सप्लेने ान पर ही जवाब दे रहा हूं।

श्री सभापतिः इसीलिए आपको समय दिया गया है कि आप पर्सनल एक्सप्लेने ान पर ही जवाब दे सकें।

श्री कर्ण सिंह दलालः चेयरमैन साहब, इन्होंने भाूगर मिल के बारे में भी कुछ बातें कहीं हैं। मैंने गवर्नर साहब के अभिभाशण पर बोलते हुए कहा है और अब फिर दावे के साथ कहता हूं कि मेरा कोई कसूर नहीं है।

राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

साथी लहरी सिंह (रादौर–अनुसूचित जाति): चेयरमैन साहब, आपका बहुत बहुत धन्यवाद क्योंकि, आपने मुझे 9 मार्च, 1992 को महा महिम राज्यपाल महोदय के इस सदन में दिए गए अभिभाशण पर बोलने का मौका दिया है। मैं राज्यपाल का तो आभारी हूं लेकिन सरकार की ओर से जो इस किताव में बड़े बड़े लुभावने वायदे किए गए हैं, मैं समझता हूं कि उनमें से कोई भी

वायदा पूरा उतरने वाला नहीं है। सबसे पहले, सभापति महोदय, मैं इरीगे ान डिपार्टमैंट से अपनी बात भुरू करता हूं। सभापति महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि जहां मुख्य मन्त्री जी इस बात का यहां पर वि वास दिलाते हैं कि 31 मार्च, 1992 तक सारी सड़कों की मुरम्मत कर दी जायेगी और दूसरे काम पूरे कर दिए जाएंगे मैं समझता हूं कि वाकई ही अब ये हरियाणा का भला करना चाहते हैं।

Mr. Chairman: Hon'ble member since Shri Lehri Singh, is on his legs, he will continue on 13th March, 1992.

Now the House stands adjourned till 9.30 a.m. tomorrow.

***14.30 Hrs.**

(The Sabha then *adjourned till 9.30 a.m. on Thursday, the 12th March, 1992).